हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com जबलपुर, रविवार 1 फरवरी 2026

खबर संक्षेप

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में दो भालुओं की मौत

उमरिया। जिले के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में दो भालुओं की मौत से हड़कंप मच गया। मानपुर बफर के खम्हा बीट में अवयस्क नर भालू का शव मिला है। डॉग स्क्वाड की मदद से कुछ दूरी पर मादा भालू का भी शव बरामद हुआ है। दोनों शवों के सभी

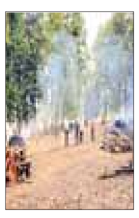

अवयव सुरक्षित पाए गए। वन अमले ने मौके पर पहुंचकर जांच प्रक्रिया शुरू की। घटनास्थल का संरक्षण कर पंचनामा बनाया गया। मेटल डिटेक्टर से शवों की जांच की गई। वाइल्डलाइफ हेल्थ ऑफिसर की मौजूदगी में पोस्टमॉर्टम कर नमूने जांच हेतु प्रयोगशाला भेजे गए। प्राथमिक तौर पर अन्य वन्यप्राणी से संघर्ष से मौत की आशंका जताई गई है। इधर शहडोल जिले की जयसिंहनगर रेंज की वनचाचर बीट में नर बाघ घायल मिला।

घूसखोर अधिकारी को अनिवार्य सेवानिवृति

जबलपुर। सेंट्रल जीएसटी के रिश्वतखोर अधिकारी पर बड़ी कार्रवाई हुई है। जीएसटी के पूर्व

अधीक्षक सोमेन गोस्वामी को विभाग ने अनिवार्य सेवानिवृति दे दी है। साल 2023 में 25 लाख रुपए की रिश्वत लेते सीबीआई ने सीजीएसटी के 4 अधिकारियों को गिरफ्तार किया था। इसके बाद ये कार्रवाई की गई है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आज सुबह 11 बजे पेश करेंगी आम बजट, उनका लगातार नौवां बजट

इनकम टैक्स, किसानों, शिक्षा, डिफेंस और रेलवे से जुड़े बड़े ऐलान 'संभव'

सीतारमण लगातार नौवां बजट पेश कर देश के संसदीय इतिहास में एक नया रिकॉर्ड दर्ज करने वाली हैं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आम बजट 2026-27 प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के मौजूदा कार्यकाल का एक अहम बजट माना जा रहा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी को सुबह 11 बजे संसद में ये बजट पेश करेंगी। पिछले साल का बजट एक लोकप्रिय बजट माना जाता है जिसमे मिडिल क्लास को बड़ी राहत मिली थी। इस बजट में इनकम टैक्स में छूट, सैलरीड क्लास के लिए स्टैंडर्ड डिडक्शन, किसान क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने, सस्ती दवाओं और इंश्योरेंस सेक्टर में सुधार जैसे बड़े फैसले लिए गए थे। इस साल सरकार का ध्यान अर्थव्यवस्था पर है। गौर हो कि भारतीय शेयर बाजार में भी रविवार को आम दिनों की तरह ही कारोबार होगा। बजट के चलते नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) रविवार को खुला रहेगा। इंडस्ट्री के तमाम स्टेकहोल्डर्स सरकार के साथ अपनी अपेक्षाएं साझा कर रहे हैं और उम्मीद जता रहे हैं कि आने वाले बजट में इन प्राथमिकताओं को शामिल किया जाएगा।

पिछले बजट में टैक्स फ्री हुई थी 12 लाख तक की आय

निर्मला सीतारमण

भारतीय शेयर बाजार में भी रविवार को आम दिनों की तरह ही कारोबार होगा

आज खुला रहेगा शेयर बाजार

रविवार (31 जनवरी 2026) को पेश होने वाले आम बजट के दिन शेयर बाजार खुला रहेगा। बता दें कि बजट अगर शनिवार या रविवार को पड़ता है तो भी शेयर बाजार में लाइव ट्रेडिंग सेशन आयोजित होते हैं। हाल ही में एनएसई ने एक सर्कुलर में कहा था कि रविवार को 1 फरवरी 2026 को बजट वाले दिन सुबह 9:15 बजे से दोपहर 3:30 बजे तक शेयर बाजार खुले रहेंगे। लेकिन यह एक सेटलमेंट हॉलिडे है, इसलिए 30 जनवरी को खरीदे जने वाला कोई भी शेयर 1 फरवरी को बेचा नहीं जा सकेगा।

बजट-डे पर ये है वित्त मंत्री का शेड्यूल

राष्ट्रपति से मुलाकात के बाद फोटो सेशन

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी को सुबह 11 बजे लोकसभा में केंद्रीय बजट 2026 पेश करेंगी। वित्त मंत्री बजट-डे पर सुबह करीब 8.30 अपने आवास से निकलकर वित्त मंत्रालय पहुंचेंगी। इसके बाद 9 बजे के करीब अपनी बजट टीम के साथ वित्त मंत्रालय के बाहर फोटो सेशन होगा। इसके कुछ देर बाद ही निर्मला सीतारमण, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात करने राष्ट्रपति भवन जाएंगी। इसके बाद कैबिनेट की बैठक होगी और फिर बजट को मंजूरी दी जाती है। संसद भवन पहुंचने के बाद वित्त मंत्री और उनकी टीम का मीडिया के सामने एक बार फिर से फोटो सेशन होता है। इसके बाद सुबह 11 बजे लोकसभा के सत्र की शुरुआत स्पीकर करते हैं और फिर वित्त मंत्री बजट भाषण शुरू कर देती हैं।

पिछले बजट में मध्यम वर्ग के लिए बड़ी राहत दी थी सरकार ने

नौकरीपेशा लोगों को बजट में गुड न्यूज देते हुए वित्त मंत्री ने बजट 2025 में 12 लाख तक की आय टैक्स फ्री करने का ऐलान किया था। देश के बड़े तबके यानी मध्यम वर्ग के लिए यह बड़ी राहत की बात थी। आपको बता दें स्टैंडर्ड डिडक्शन के बाद सैलरीड क्लास यानी वेतनभोगियों को अब 12.75 लाख रुपए तक की आय पर कोई टैक्स नहीं देना होता है।

न्यू रिजीम में 12 लाख तक की सालाना आय टैक्स फ्री

बजट 2025 में वित्त मंत्री ने न सिर्फ न्यू रिजीम में 12 लाख रुपये तक की सालाना आय को टैक्स-फ्री कर दिया, बल्कि नौकरीपेशा लोगों को 75 हजार रुपए का स्टैंडर्ड डिडक्शन भी दिया गया, जिससे 12.75 लाख रुपए तक का सालाना वेतन टैक्स मुक्त हो गया।

ऑपरेशन सिंदूर का रक्षा बजट पर क्या होगा असर?

यह केंद्रीय बजट सिर्फ सरकार की आमदनी और खर्च का हिसाब नहीं होगा, बल्कि इसमें यह संकेत भी मिलेगा कि भारत आने वाले समय में अपनी सुरक्षा को कैसे मजबूत करना चाहता है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद देश में युद्ध और रक्षा रणनीति की अहमियत और प्राथमिकता और बढ़ी है। ऐसे में सवाल यह है कि क्या इसका असर बजट 2026 में भी दिखेगा?

सोने-चांदी पर लागू कस्टम ड्यूटी में होगी कटौती?

बजट 2026 में क्या सरकार सोने-चांदी पर लागू कस्टम ड्यूटी में कटौती करेगी? और अगर ऐसा हुआ तो क्या घरेलू बाजार में कीमतें सचमुच नीचे आएंगी? पिछले कुछ सालों के बजट फैसलों को देखें तो साफ होता है कि कस्टम ड्यूटी में बदलाव का असर सीधे तौर पर सोने-चांदी के दाम पर पड़ता है, लेकिन यह असर हमेशा लंबे समय तक टिके, ऐसा जरूरी नहीं होता।

बालिका छात्रावास में चल रहा था प्रेम प्रसंग

8वीं की छात्रा ने दिया बच्चे को जन्म, नाबालिग आरोपी अरेस्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बालाघाट

हॉस्टल वार्डन सस्पेंड गर्ल्स हॉस्टल की व्यवस्था पर उठे सवाल

यहां एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। बीती 28 जनवरी को जिला अस्पताल में कक्षा 8वीं की छात्रा को भर्ती कराया गया। कुछ देर बाद वह एक बच्चे को जन्म देती है। इस घटना से पूरे शहर में हड़कंप मच गया। छात्रा कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास में रहकर पढ़ाई कर रही थी। ऐसे में गर्ल्स हॉस्टल की व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। मामला उजागर होने पर एक जांच कमेटी बनी और हॉस्टल में जांच शुरू कर दी है। फिलहाल, वार्डन को निलंबित कर दिया गया है। मामले में आरोपी नाबालिग लड़के पर पॉक्सो एक्ट की धाराओं में केस दर्ज कर उसको गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी को किशोर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे सिवनी किशोर प्रेक्षण गृह में भेज दिया गया है। जिला चिकित्सालय के सिविल सर्जन डॉ. निलय जैन ने बताया, नाबालिग छात्रा को 28 जनवरी को ही भर्ती कराया गया था। उसी दिन उसे प्रसव पीड़ा शुरू हुई फिर उसने एक स्वस्थ शिशु को जन्म दिया। फिलहाल वह देखरेख में है और जच्चा-बच्चा दोनों ठीक हैं।

फाइल फोटो

प्रेगनेंसी का पता 17 जनवरी को चला

पुलिस के अनुसार छात्रा ने पूछताछ में बताया कि 20 अप्रैल 2025 को गांव के ही रहने वाले एक नाबालिग लड़के (17 साल) ने बहला फुसला कर उसके साथ शारीरिक संबंध बना लिया था। 17 जनवरी को पेट में दर्द की वजह से वह हॉस्टल से पिता के साथ घर आई फिर मां के साथ डॉक्टर के पास इलाज के पहुंची, तब पता चला की वह प्रेग्नेंट है। तीन साल पहले परिजनों ने बच्ची को हॉस्टल भेजा था, वह बहुत कम हॉस्टल में आती थी।

हॉस्टल जिला शिक्षा केंद्र के दायरे में

दरअसल, हॉस्टल जिला शिक्षा केंद्र के दायरे में आता है। ऐसे में इस मामले में जीपी बर्मन ने हॉस्टल वार्डन की गलती स्वीकारते हुए बताया कि आठवीं कक्षा में पढ़ रही बच्ची की तबीयत ठीक नहीं रहती थी। ऐसे में ज्यादातर समय वह घर पर ही रहती थी। मामले में जनजातीय कार्य विभाग की सहायक आयुक्त शकुंतला डामोर ने हॉस्टल अधीक्षिका चैनबती सैयाम को सस्पेंड कर दिया है।

महाराष्ट्र की राजनीति में शनिवार का दिन रहा ऐतिहासिक

अब सुनेत्रा संभालेंगी 'दादा' की विरासत, संकट ने सियासत में उच्चता दी

अजित की जगह अब उनकी पत्नी बनीं राज्य की डिप्टी सीएम

एजेंसी ▶▶ मुंबई

महाराष्ट्र में अजित पवार के निधन के बाद नए उपमुख्यमंत्री का शपथग्रहण शनिवार को पूरा हो गया। अजित की जगह अब उनकी पत्नी राज्य की डिप्टी सीएम बन गई हैं। लोकभवन में उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई गई।

इससे पहले उन्हें दोपहर में राकांपा विधायक दल का नेता चुन लिया गया। महाराष्ट्र के इतिहास में पहली बार कोई महिला डिप्टी सीएम बनी हैं।

पहली बार राज्य में कोई महिला उप मुख्यमंत्री बनीं

धाराशिव में जन्म

सुनेत्रा पवार का जन्म 1963 में उस्मानाबाद (अब धाराशिव) में एक मराठी परिवार में हुआ था। सुनेत्रा ने औरंगाबाद (अब छत्रपति संभाजीनगर) के एसबी कॉलेज से बी.कॉम की डिग्री हासिल की।

पार्टी नेताओं के साथ सुनेत्रा पवार

सामाजिक कार्यों में रहा ध्यान

एक राजनीतिक परिवार से आने के बावजूद सुनेत्रा राजनीति से दूर ही रहीं। पवार परिवार से जुड़ने के बाद भी उन्होंने अपना ध्यान सामाजिक कार्यों में लगाया और बारामती के करीब पवार खानदान के पैतृक गांव काठेवाड़ी में कई कार्य कराए। खासकर साफ-सफाई को लेकर। उनके कार्यों की वजह से 2006 में काठेवाड़ी को निर्मल ग्राम का दर्जा दिया गया और घोषित किया गया कि यह गांव खुले में शौच से मुक्त हो गया है। सुनेत्रा ने 2008 में बारामती में हाईटेक टेक्सटाइल पार्क बनवाने में भी अहम भूमिका निभाई। 65 एकड़ के इस पार्क को केंद्र की टेक्सटाइल पार्क स्कीम के जरिए स्थापित कराया गया और मौजूदा समय में यहां 15 हजार लोगों को नौकरी मिली है। इनमें से अधिकतर महिलाएं हैं, जो कपड़ा उद्योग, सिलाई, बुनाई और कढ़ाई में काम कर रही हैं।

पिता भी थे मजबूत नेता

उनके पिता बाजीराव पाटिल महाराष्ट्र के मजबूत नेता थे। भाई पदम सिंह बाजीराव पाटिल 1980 के दशक में महाराष्ट्र में सबसे ताकतवर नेताओं में से एक रहे। पदमसिंह कई बार विधायक रहने के साथ-साथ सांसद भी रहे। वे 80 के दशक में ही महाराष्ट्र के गृह मंत्री भी बने।

अजित से इस तरह की शादी

सुनेत्रा के 1983 में ग्रेजुएशन पूरा करने के बाद 1985 में उनकी शादी अजित पवार से हुई। पदमसिंह और शरद पवार भी अपनी अलग पहचान स्थापित कर चुके थे। दोनों ही नेताओं में अच्छी दोस्ती बाद में रिश्ते में बदली, जब पदमसिंह ने बहन सुनेत्रा का रिश्ता अजित से तय कर दिया। अजित और सुनेत्रा पवार के दो बेटे हुए। बड़े बेटे का नाम पार्थ पवार और छोटे बेटे जय हैं। जय फिलहाल राजनीति में नहीं हैं। जय उद्यमिता के क्षेत्र में अपना करियर बना रहे हैं।

सुनेत्रा का राजनीतिक इतिहास

सुनेत्रा के जीवन में एक बड़ा टर्निंग पॉइंट 2023 के अंत में आया, जब राकांपा का विभाजन हुआ। यहां से उनकी पहली बार सक्रिय राजनीति में एंट्री हुई। सुनेत्रा के चुनावी करियर की शुरुआत 2024 के लोकसभा चुनावों से हुई, जब वे बारामती निर्वाचन क्षेत्र से अजित गुट के टिकट पर उतरीं। इस चुनाव में उन्होंने अपनी ननद और शरद पवार की बेटी- सुप्रिया सुले के खिलाफ चुनाव लड़ा, जो पवार परिवार और पार्टी में विभाजन का प्रतीक बना। उन्हें हार का सामना करना पड़ा। लोकसभा चुनाव के बाद उन्हें जून 2024 में राज्यसभा के लिए नामित किया गया। अजित के निधन से खाली हुई जगह को भरने पर भी सवाल उठने लगे। उन्हें शनिवार को राकांपा विधायक दल का नेता चुन लिया गया।

खबर संक्षेप

युवती को कैब चालक ने भेजे अश्लील मैसेज

नई दिल्ली। इनड्राइव एप पर बुक कैब के चालक द्वारा युवती को अश्लील संदेश भेजने और फ्री राइड के बदले शारीरिक संबंध की मांग करने का मामला सामने आया है। घटना 27 जनवरी की रात की है। बलटाना निवासी युवती ने 28 जनवरी को सेक्टर-26 पुलिस को शिकायत दी।एफआईआर दर्ज नहीं की गई। पीड़िता का आरोप है पुलिस ने समझौता करवा दिया।

कंटेनर ने 2 ऑटो को मारी टक्कर, 5 मरे

आगरा। यहां के थाना खंदौली क्षेत्र में शनिवार को दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार कंटेनर ने दो ऑटो को रौंद दिया। हादसे में 5 लोगों के मौत हो गई, जबकि 3 लोग घायल बताए गए हैं। ये सभी जगन्नाथ यात्रा पर गए थे। ये सभी वापस ऑटो से आ रहे थे। ये सहपऊ के रहने वाले हैं। आगरा कैंट स्टेशन पर के बाद ये ऑटो से घर जा रहे थे।

सीयूईटी यूजी में आवेदन की तारीख आगे बढ़ी

नई दिल्ली। नेशनल टेस्टिंग एजेंसीने कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट अंडरग्रेजुएट 2026 के लिए रजिस्ट्रेशन की अंतिम तारीख बढ़ा दी है। अब उम्मीदवार 4 फरवरी रात 11:50 बजे तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। यह फैसला शिकायतों और अनुरोधों के बाद लिया गया है, ताकि अधिकतर छात्र बिना किसी तकनीकी परेशानी के आवेदन प्रक्रिया पूरी कर सकें।

जान्हवी हत्याकांड में दोस्त को उम्रकैद

मुंबई। यहां के चर्चित 2021 जाह्नवी कुकरेजा हत्याकांड में अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है। करीब 4साल बाद आए इस फैसले में अदालत ने पीड़िता के दोस्त श्री जोगधनकर को उम्रकैद की सजा सुनाई। दूसरी आरोपी दिया पाडलकर को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया गया। इसने शहर को झकझोर दिया था। हत्या में शामिल लोग मृतका के करीबी दोस्त थे।

संसद में जल्द लाए जाएंगे नए कृषि कानून

दुर्ग। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में किसानों से संवाद करते हुए घोषणा की कि किसानों को कानूनी सुरक्षा देने के लिए जल्द ही संसद में नए कानून लाए जाएंगे। नकली बीज, खाद और कीटनाशक बेचने वालों के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। सरकार का मुख्य उद्देश्य किसानों को धोखाधड़ी से बचाना है।

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कोलकाता के आनंदपुर में सीएम ममता को घेरा

मोमो फैक्ट्री में किसका था पैसा? सरकार ने भ्रष्टाचार छिपाने फैक्ट्री में लगवाई थी आग

बैरकपुर में भाजपा के कार्यकर्ता सम्मेलन में राज्य सरकार को बताया सबसे भ्रष्ट

ममता किसी भ्रम में न रहें

एजेंसी ▶▶ बैरकपुर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कोलकाता के आनंदपुर इलाके में वाओ मोमो फैक्ट्री व गोदाम में हाल में लगी भीषण अग्निकांड की घटना को लेकर शनिवार को ममता सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि यह आग कोई साधारण दुर्घटना नहीं है, बल्कि राज्य प्रशासन में फैले भ्रष्टाचार का नतीजा है।आगामी विधानसभा चुनाव से पहले शाह ने उत्तर 24 परगना जिले के बैरकपुर में भाजपा के कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते इस भीषण अग्निकांड पर दावा किया कि इसमें 25 लोगों की जान चली गई है और 27 लापता हैं। शाह ने ममता सरकार को कठघरे में लाया। शाह ने कहा कि यह हादसा क्यों हुआ? इस मोमो फैक्ट्री में किसका पैसा लगा हुआ है? फैक्ट्री के मालिक कौन हैं? मालिकों ने उड़ानों में किसके साथ यात्रा की है? मालिक को अभी तक गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया है?

अग्निकांड को लेकर ममता पर बरसे शाह

बंगाल के नेताओं ने गृहमंत्री शाह को सौंपी तस्वीर

आगजनी का विरोध किया तो पुलिस ने अत्याचार किया

शाह ने ममता सरकार से आग की इस घटना की निष्पक्ष एवं न्यायिक जांच कराने की मांग की। शाह ने कहा कि घटना के जिम्मेदार लोगों को जेल भेजा जाए। शाह ने कहा कि बंगाल में हमारे नेता अधिकारी और शमिक भट्टाचार्य पीड़ित परिवारों से मिलने गए थे। हमारे कार्यकर्ताओं ने घटना का विरोध किया और पुलिस ने उन पर अत्याचार किया।

इस बार ममता की विदाई तय

शाह ने राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले कुछ चुनावों के आंकड़े साफ संकेत दे रहे हैं कि 2026 में बंगाल में बदलाव तय है। 2021 के चुनाव का जिक्र करते हुए कहा कि उस चुनाव में भाजपा को 38 प्रतिशत वोट मिला था और 77 सीटें जीतकर सुवेंदु अधिकारी विपक्ष के नेता बने। ममता दीदी, हमें 38 से 45 प्रतिशत तक जाने में ज्यादा समय नहीं लगेगा। भाजपा बंगाल में सरकार बनाएगी। ममता पर तंज कसते हुए कहा कि वे भतीजे को अगला मुख्यमंत्री बनाने के सपने में भ्रम का शिकार हो गई हैं।

मतुआ समुदाय से कहा- किसी का नाम नहीं कटेगा

शाह ने मतुआ समुदाय के लोगों को भी भरोसा दिलाया। शाह ने कहा कि ममता व टीएमसी उन्हें यह कहकर डरा कर रही हैं कि एसआईआर के चलते उनके नाम मतदाता सूची से हटा दिए जाएंगे। उन्होंने साफ कहा कि एक भी मतुआ मतदाता का नाम सूची से नहीं हटेगा।कोई कुछ भी कोशिश कर लें, एसआईआर की प्रक्रिया जारी रहेगी और पूरी तरह पारदर्शी मतदाता सूची के साथ चुनाव कराए जाएंगे।

एनआरसी पर भी घेरा, अवैध लोगों का नाम कटेगा

गृह मंत्री ने कहा कि ममता बेनर्जी चाहे जितना एनआरसी का विरोध कर लें, लेकिन घुसपैठियों के नाम वोटर लिस्ट से हटाने ही होंगे। उन्होंने दावा किया कि यदि कोई घुसपैठिया बच भी जाता है, तो भाजपा का मुख्यमंत्री आकर उसे हटाने का काम करेगा।

भ्रष्टाचार पर खुली चुनौती वे टिकट न देकर दिखाएं

शाह ने ममता को भ्रष्टाचार के मुद्दे पर खुली चुनौती देते हुए कहा कि अगर उनमें सच में हिम्मत है, तो वे भ्रष्ट नेताओं को टिकट न देकर दिखाएं।

हाई कोर्ट ने भी माना, जमीन देने में नहीं कर रही थी सहयोग

शाह ने कहा कि उन्हें खुशी है कि अब कलकत्ता हाई कोर्ट ने भी यह माना है कि ममता सरकार बॉर्डर फेंसिंग के लिए जमीन देने में सहयोग नहीं कर रही थी। हाई कोर्ट ने बीएसएफ को तय समयसीमा के भीतर जमीन देने का आदेश दिया है, ताकि सीमा सुरक्षा मजबूत की जा सके।

'माटी-मानुष' के नारे पर तंज महिलाओं की सुरक्षा पर सवाल

शाह ने कहा कि ममता बेनर्जी माटी और मानुष का नारा देकर सत्ता में आई थीं, लेकिन आज महिलाएं असुरक्षित हैं, जमीन पर घुसपैठियों का कब्जा है और आम लोग तृणमूल सिंडिकेट से परेशान हैं।

केरल हाईकोर्ट का अहम फैसला

मेडिकल तरीके से गिराया जा सकेगा 31 हफ्ते का भ्रूण

अदालत ने इन आधारों पर दी गिराने की अनुमति इसके साथ ही मेडिकल टीम को ताकीद भी दी

एजेंसी ▶▶ तिरुवनंतपुरम

केरल हाईकोर्ट ने एक दंपती राहत दी है। कोर्ट ने उनके 31 हफ्ते से अधिक समय के भ्रूण का चिकित्सकीय गर्भपात कराने की अनुमति दी। यह भ्रूण दिमाग और सिर से जुड़ी जन्मजात गंभीर विकृतियों से पीड़ित है। जस्टिस शोभा अन्नम्मा ईप्पन ने मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट के आधार पर गर्भपात की इजाजत दी। बोर्ड ने राय दी थी कि अगर बच्चे का जन्म होता है तो वह गंभीर शारीरिक विकृतियों से ग्रस्त होगा। मेडिकल बोर्ड ने यह भी कहा कि गर्भावस्था को आगे बढ़ाना महिला के मानसिक स्वास्थ्य के लिए जोखिम भरा हो सकता है।कोर्ट ने मामले के तथ्यों, रिकॉर्ड पर मौजूद सामग्री, इस विषय से जुड़े स्थापित कानूनी सिद्धांतों और मेडिकल बोर्ड की सिफारिशों पर विचार किया। इसके बाद कोर्ट ने कहा कि यदि गर्भपात की अनुमति नहीं दी गई, तो इससे केवल नतीजे में देरी होगी और परिवार की तकलीफ और बढ़ेगी।

कोर्ट के निर्देश

कोट्टायम मेडिकल कॉलेज जरूरी कदम उठाए

कोर्ट ने कोट्टायम मेडिकल कॉलेज को गर्भपात कराने का निर्देश दिया। कोर्ट ने मेडिकल कॉलेज को तुरंत एक मेडिकल टीम गठित करने और प्रक्रिया को अंजाम देने के लिए जरूरी कदम उठाने को कहा। कोर्ट ने कहा कि मेडिकल टीम अपने विवेक और सर्वोत्तम निर्णय के अनुसार चिकित्सा विज्ञान में सुझाई गई सबसे उचित प्रक्रिया अपनाएगी, ताकि गर्भपात किया जा सके और पहली याचिकाकर्ता (महिला) की जान बचाई जा सके।

पहेल अंतिम स्कैन कर दोबारा की जाए पुष्टि

हाईकोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि गर्भपात से पहले अंतिम स्कैन कर भ्रूण की विकृतियों की दोबारा पुष्टि की जाए। अगर भ्रूण जीवित जन्म लेता है, तो अस्पताल उसे जीवित रखने के लिए सभी आवश्यक सहायता देगा, जिसमें इन्क्यूबेशन और किसी भी सुपर-स्पेशलिटी में इलाज शामिल है। बच्चे को सर्वोत्तम चिकित्सा उपचार दिया जाएगा और याचिकाकर्ता पति-पत्नी बच्चे की पूरी जिम्मेदारी लेंगे तथा इलाज का खर्च भी वहन करेंगे। याचिकाकर्ताओं ने कोर्ट को बताया था कि भ्रूण दिमाग और सिर की जन्मजात विकृतियों से पीड़ित है, जिनमें माइक्रोसेफली जैसे लक्षण शामिल हैं, जिससे गंभीर और जीवनभर रहने वाली शारीरिक व न्यूरोलॉजिकल विकलांगता की आशंका बहुत अधिक है।

पीएम श्री गुरु रविदास जी एयरपोर्ट, आदमपुर का करेंगे अनावरण, हलवारा में नए टर्मिनल का करेंगे उदघाटन

यह महान संत और समाज सुधारक के प्रति सम्मान का प्रतीक

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

संत गुरु रविदास जी की 649वीं जयंती पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को पंजाब का दौरा करेंगे। वे दोपहर में आदमपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे, जहां एयरपोर्ट का नया नाम 'श्री गुरु रविदास जी एयरपोर्ट, आदमपुर' अनावरण करेंगे। वे लुधियाना स्थित हलवारा एयरपोर्ट पर नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन भी करेंगे। इस पावन अवसर पर आदमपुर एयरपोर्ट का नामकरण उस महान संत और समाज सुधारक के प्रति सम्मान का प्रतीक है, जिनकी समानता, करुणा और मानवीय गरिमा की शिक्षाएं आज भी भारत के सामाजिक मूल्यों को प्रेरित करती हैं।

■ पंजाब का एविएशन इंफ्रास्ट्रक्चर

हरित और ऊर्जा-कुशल टर्मिनल

प्रधानमंत्री के सतत और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार विकास के विजन के अनुरूप इस टर्मिनल भवन में कई हरित और ऊर्जा-कुशल सुविधाएं शामिल की गई हैं।

नया और बड़ा सिविल एन्क्लेव विकसित किया

पीएमओ के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी द्वारा हलवारा एयरपोर्ट पर जिस नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन किया जाएगा, वह पंजाब के लिए एक नया एविएशन गेटवे साबित होगा। इससे लुधियाना और आसपास के औद्योगिक तथा कृषि क्षेत्रों की कनेक्टिविटी जरूरतों को बेहतर तरीके से पूरा किया जा सकेगा।

एटा और कच्छ को रामसर मान्यता मिलने पर पीएम ने जताई प्रसन्नता

प्रधानमंत्री ने उत्तर प्रदेश के एटा स्थित पटना बर्ड सेंचुरी और गुजरात के कच्छ स्थित छारी-ढांड को रामसर साइट के रूप में मान्यता मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि यह मान्यता जैव विविधता के संरक्षण और महत्वपूर्ण इकोसिस्टम की रक्षा के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। ये सुरक्षित आवास के रूप में आगे भी फलते-फूलते रहेंगे।

साध्वी बाईसा की मौत मामले में बड़ा खुलासा

पुलिस उसकी योग्यता की कर रही जांच

कंपाउंडर ने अपना जुर्म कबूला उन्हें कई इंजेक्शन लगाए गए

एसआईटी की तफ्तीश में चौंकाने वाला खुलासा

एजेंसी ▶▶ जोधपुर

साध्वी प्रेम बाईसा की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में विशेष जांच दल (एसआईटी) की जांच में चौंकाने वाली जानकारियां सामने आई हैं। एसआईटी की प्रमुख और एसीपी छवि शर्मा ने शुरुआती जांच में संकेत दिए हैं कि यह मामला केवल सामान्य इलाज तक सीमित नहीं है। पूछताछ में मुख्य आरोपी कंपाउंडर देवी सिंह ने अपना जुर्म स्वीकार करते हुए बताया कि उसने साध्वी को केवल एक इंजेक्शन नहीं, बल्कि एक से अधिक इंजेक्शन लगाए थे।

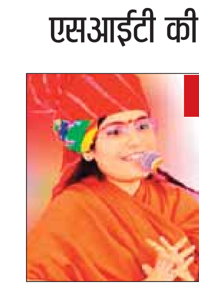

कई अन्य दवाएं भी दी थी

अब तक केवल 'डेक्सोना' इंजेक्शन की बात सामने आ रही थी, लेकिन उसने कुछ अन्य दवाएं भी शरीर में इंजेक्ट की थीं। उन अन्य इंजेक्शनों में कौन सा साल्ट था, उनकी मात्रा कितनी थी और वे किस उद्देश्य से दिए गए थे?

शक के दायरे में आश्रम के बैंक खाते

पुलिस आर्थिक एंगल को भी गंभीरता से देख रही है। आश्रम से जुड़े सभी आधिकारिक बैंक खातों को खंगाला जा रहा है. आश्रम से जुड़े प्रमुख व्यक्तियों के निजी बैंक खातों की भी जांच हो रही है ताकि संदिग्ध वित्तीय लेनदेन का पता लगाया जा सके।

उपराष्ट्रपति ने किया सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेले का उद्घाटन

'लोकल से ग्लोबल- आत्मनिर्भर भारत' पर दिया बल

उपराष्ट्रपति का स्वागत, दीप प्रज्वलन के साथ किया शुभारंभ

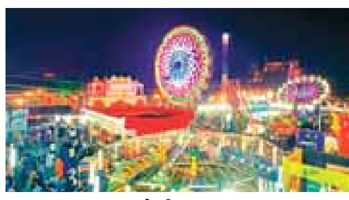

एजेंसी ▶▶ सूरजकुंड

गोहाना की प्रसिद्ध जलेबी की मिठास के बीच फरीदाबाद के सूरजकुंड में 39वें सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय आत्मनिर्भर शिल्प महोत्सव की शुरुआत हो गई। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने रविवार को 'लोकल से ग्लोबल- आत्मनिर्भर भारत' थीम पर आधारित इस महोत्सव का उद्घाटन किया। राधाकृष्णन के सूरजकुंड पहुंचने पर सीएम नायब सिंह सैनी ने उनका स्वागत किया।

कलाकारों ने दी रंगारंग प्रस्तुतियां

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रसिद्ध लोक कलाकारों और सांस्कृतिक समूहों ने रंगारंग प्रस्तुतियां दीं। यह शिल्प मेला 15 फरवरी तक चलेगा। आयोजन हरियाणा पर्यटन निगम के साथ केंद्रीय पर्यटन, वस्त्र, संस्कृति और विदेश मंत्रालयों के सहयोग से किया जा रहा है।

सैनी बोले- कला और शिल्प का महाकुंभ है यह मेला

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सूरजकुंड मेला कला और शिल्प का ऐसा महाकुंभ है, जिसकी पहचान न सिर्फ भारत बल्कि पूरी दुनिया में है। उन्होंने कहा कि यह मेला हमारी प्राचीन विरासत और आधुनिकता का अनूठा संगम है।

थीम पीएम मोदी के विजन का प्रतिबिंब

मुख्यमंत्री ने कहा कि 39वें सूरजकुंड मेले की थीम 'लोकल टू ग्लोबल' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस विजन को दर्शाती है, जिसके तहत देश के हर कोने में मौजूद हुनरमंद हाथों को वैश्विक बाजार से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक स्वतंत्रता नहीं, बल्कि अपनी संस्कृति, विरासत और परंपराओं पर गर्व करने का भाव भी है।

गोयल ने तमिलनाडु सरकार को घेरा

सीएम स्टालिन भ्रष्ट व भारत विरोधी, भाजपा की जीत तय

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि तमिलनाडु के लोग डीएमके से तंग हैं। यह एक अक्षम और 'भयंकर भ्रष्ट' सरकार है और यह तमिल विरोधी संस्कृति का प्रतिनिधित्व करती है। तमिलनाडु चुनाव प्रभारी गोयल ने कहा कि विधानसभा में भाजपा के लिए जीत कठिन नहीं होगी। यहां भाजपा को अभिनेता विजय को बुलाने की जरूरत नहीं है।

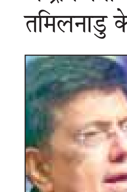

डीएमके सरकार अक्षम भ्रष्टाचार में डूबी

तमिलनाडु के प्रभारी मंत्री गोयल ने कहा कि डीएमके के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ विरोध की भावना है। यह एक अक्षम और महा भ्रष्ट सरकार है। स्टालिन पूरी तरह से तमिल विरोधी संस्कृति और भारत विरोधी रुख का प्रतिनिधित्व करते हैं। मुझे पूरी उम्मीद है कि एआईएडीएमके के नेतृत्व वाला एनडीए (जिसमें भाजपा भी शामिल है) गठबंधन यह चुनाव जीतेगा और अच्छी शासन व्यवस्था वापस लाएगा।

जबलपुर
रविवार 1 फरवरी 2026
माघ मास शुक्ल पक्ष-पूर्णिमा
वर्ष : 20, अंक : 273
पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

मौसम
अधि. 24
न्यून. 11

हरिभूमि
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

सुनेत्रा पवार ने महाराष्ट्र की पहली महिला उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली

अजित 'दादा' की कुर्सी संभालेंगी सुनेत्रा 'काकी'

- 28 जनवरी को अजित पवार की विमान हादसे में हुई थी मौत
- ठीक तीसरे दिन यानी 31 जनवरी को हो गया 'राजतिलक'
- आबकारी और खेल मंत्रालय संभालेंगी सुनेत्रा

पीएम नरेंद्र मोदी बोले- वे अजित दादा के सपनों को पूरा करेंगी

दुख के पहाड़ से घिरे और शोक में डूबे हम सभी को यह भी समझ नहीं आ रहा कि उन्हें बधाई कैसे दें?

एजेंसी ▸▸ मुंबई

अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार शनिवार को महाराष्ट्र की पहली महिला उपमुख्यमंत्री बन गईं। विमान हादसे में अजित पवार के निधन के बाद महाराष्ट्र सरकार में यह पद खाली हुआ था। सुनेत्रा पवार को एनसीपी (अजित पवार गुट) ने सर्वसम्मति से अपना नेता चुना। उपमुख्यमंत्री पद के साथ-साथ सुनेत्रा पवार राज्य सरकार में आबकारी और खेल मंत्रालय का प्रभार भी संभालती रहेंगी। महाराष्ट्र की राजनीति में शनिवार को एक ऐतिहासिक और भावनात्मक क्षण देखने को मिला, जब राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) की नेता और दिवंगत अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। मुंबई के लोक भवन में आयोजित समारोह में राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।

सुनेत्रा पवार

शपथ ग्रहण पर बोले शिंदे गुट के मंत्री

इंसान से ज्यादा जरूरी कुर्सी

महाराष्ट्र के मंत्री और शिवसेना नेता संजय शिरसाट ने अपने बयान में कहा कि 28 जनवरी को अजित पवार की विमान दुर्घटना में मौत के कुछ ही दिनों बाद नए उपमुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह को बाद में होना चाहिए था। उन्होंने दुख जताते हुए कहा कि इस घटनाक्रम से पता चलता है कि कुर्सी इंसान से ज्यादा जरूरी है। शिरसाट ने कहा कि ऐसा लगता है कि यह जल्दबाजी एनसीपी की कुछ अंदरूनी राजनीति का नतीजा है।

इंदौर में हुई क्षेत्र कार्यकारिणी की बैठक में कई निर्णय

हितानंद शर्मा की संघ में वापसी, अब मध्य क्षेत्र सह बौद्धिक प्रमुख का दायित्व

भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री की जिम्मेदारी फिलहाल क्षेत्रीय संगठन महामंत्री के पास रहेगी

हितानंद शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) ने प्रदेश की संगठन व्यवस्था में बड़े बदलाव किए है। भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा की राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ में वापसी हुई है, उन्हें मध्यक्षेत्र का सह बौद्धिक प्रमुख बनाया गया है। उनका केंद्र जबलपुर होगा। मप्र-छग के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री का दायित्व अजय जामवाल के पास है। ऐसे में फिलहाल मप्र में नवीन प्रदेश संगठन महामंत्री की नियुक्ति होने तक अजय जामवाल ही यह जिम्मेदारी संभालेंगे।

2022 में मिली थी जिम्मेदारी

हितानंद शर्मा मूलरूप से अशोकनगर के रहने वाले हैं और विद्या भारती संगठन से जुड़े थे। वर्ष 2020 में हितानंद शर्मा को भाजपा का प्रदेश सह संगठन मंत्री बनाया गया था। यह कदम उपचुनावों से पहले संगठन मजबूत करने के लिए उठाया गया था।

खबर संक्षेप

लकड़ी काटते समय ब्लास्ट युवक की मौत, जांच जारी

मुरैना। सिविल लाइन थाने के जौरी इलाके में लकड़ी काटते समय हुए ब्लास्ट से एक 35 वर्षीय युवक की मौत हो गई। ब्लास्ट के समय युवक गंभीर रूप से घायल हुआ, परिजन पुलिस को सूचना दिए बगैर ग्वालियर निजी हॉस्पिटल ले गए जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सिविल पुलिस और एफएसएल टीम के द्वारा जांच शुरू कर मौके से कुछ अवशेष भी जब्त किए हैं। बताया गया कि परिजन बार-बार अपना बयान बदल कर पुलिस से कुछ छुपा रहे हैं इसलिए पुलिस मामले को संदिग्ध मान रही है।

सीएम डॉ. यादव ने रीवा जिले के गुढ़ में राज्य सरकार के संकल्प का किया ऐलान

गुढ़ में 100 एकड़ में नए औद्योगिक क्षेत्र की सौगात, चित्रकूट धाम बनेगा 'भव्यतम'

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार को रीवा जिले में कई कार्यक्रमों में शामिल हुए। उन्होंने गुढ़ में 100 एकड़ क्षेत्र में नया औद्योगिक क्षेत्र बनाने की घोषणा की। बाबा भैरवनाथ मंदिर के नए भवन सहित 17 करोड़ 13 लाख लागत के विभिन्न कार्यों का लोकार्पण किया। बाबा भैरवनाथ मंदिर प्रांगण में विकास कार्यों के लिए 2 करोड़ रुपए की अतिरिक्त राशि दी जाएगी।

मंदिर प्रांगण में पुलिस चौकी और भैरवनाथ सरोवर का निर्माण होगा। गुढ़ में तीर्थयात्रियों के लिए विश्राम गृह, नई गोशाला बनाने के साथ ही स्व-सहायता समूह की महिलाओं को 2 करोड़ रुपए के हितलाभ वितरित किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रीवा जिले के गुढ़ विधानसभा क्षेत्र के बाबा भैरवनाथ मंदिर पहुंचें थे। उन्होंने लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित किया।

विंध्य की धरती पर उद्योग लगाने के लिए आ रहे हैं देशभर के निवेशक

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रीवा में विकास कार्यों का लोकार्पण करते हुए

गुढ़ मंदिर में स्थापित है भगवान भैरवनाथ की अद्भुत प्रतिमा

विधायक नागेंद्र सिंह ने कहा कि गुढ़ के मंदिर में विराजमान भगवान भैरवनाथ की यह प्रतिमा अद्भुत है। मुख्यमंत्री के विशेष सहयोग से भैरवनाथ मंदिर परिसर में विकास कार्यों को मूर्त रूप देना संभव हो पाया है। गुढ़ विधानसभा के तहत गुढ़ के समीप ग्राम खामडीह में मप्र शासन की एलएडी योजना के तहत भैरव बाबा मंदिर के जीर्णोद्धार एवं सामुदायिक भवन निर्माण कार्य पूर्ण होने पर भैरवनाथ लोक परिसर का भव्य लोकार्पण किया गया।

टी-20: न्यूजीलैंड को हराकर भारत ने 4-1 से जीती सीरीज

नई दिल्ली। भारत ने पांचवें और आखिरी टी-20 मुकाबले में शनिवार को न्यूजीलैंड को 46 रन से हराकर 5 मैचों की सीरीज 4-1 से अपने नाम की। ग्रीनफील्ड स्टेडियम में दर्शक अपने घरेलू सितारे संजू सैमसन से बड़ी पारी की उम्मीद लगाए थे, लेकिन इस मैच में ईशान किशन का बल्ला जमकर गरजा। ईशान किशन (103) की तूफानी बल्लेबाजी ने इस शाम को यादगार बना दिया। अपने करियर का पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक जड़ते हुए किशन ने न्यूजीलैंड के गेंदबाजों पर ऐसा कहर बरपाया कि भारत ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 271 रन का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया।

अमेरिका में जेफरी एपस्टीन से जुड़े दस्तावेज जारी

फाइल्स में सामने आया फिल्म निदेशक मीरा नायर का नाम, सूची में बिल गेट्स भी शामिल

अमेरिकी न्याय विभाग (डीओजे) ने शुक्रवार को एपस्टीन केस से जुड़े 30 लाख से ज्यादा पेजों के दस्तावेज जारी किए हैं, जिसमें 2,000 वीडियो और 1,80,000 तस्वीरें शामिल हैं

एजेंसी ▶▶ वाशिंगटन

अमेरिका में जेफरी एपस्टीन से जुड़े दस्तावेजों ने एक बार फिर तहलका मचा दिया है। अमेरिकी न्याय विभाग (डीओजे) ने शुक्रवार को एपस्टीन केस से जुड़े 30 लाख से ज्यादा पेजों के दस्तावेज जारी किए हैं, जिसमें 2,000 वीडियो और 1,80,000 तस्वीरें शामिल हैं। इन नए दस्तावेजों में न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी की मां और फिल्म निदेशक मीरा नायर का नाम भी सामने आया है। दस्तावेजों में दावा किया गया है कि मीरा नायर ने 2009 में अपनी फिल्म 'एमेलिया' के लिए आयोजित एक आफ्टर-पार्टी में शिरकत की थी।

मीरा नायर न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी की मां

मीरा की फिल्म की पार्टी यौन तस्करी की दोषी मैक्सवेल के यहां

फिल्म निदेशक मीरा नायर बेटे जोहरान ममदानी के साथ

ईमेल से हुआ पार्टी का खुलासा

यह जानकारी 21 अक्टूबर 2009 के एक ईमेल से सामने आई है। यह ईमेल अमेरिकी पब्लिसिटी मैनेजर पेगी सीगल ने जेफरी एपस्टीन को भेजा था। ईमेल पार्टी के ठीक बाद सुबह के समय भेजा गया था। इसमें पेगी सीगल ने लिखा है कि वह गिस्लीन मैक्सवेल (एपस्टीन की गर्लफ्रेंड और अपराधी) के मैनहट्टन टाउनहाउस से एक आफ्टर-पार्टी से लौटी हैं। पार्टी में पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन, अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस और मीरा नायर समेत कई बड़े नाम मौजूद थे।

इन मशहूर हस्तियों की तस्वीरें आईं

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन, पॉप स्टार माइकल जैक्सन, प्रिंस एंड्रयू और उनकी पत्नी सारा फर्ग्यूसन, अमेरिकी होस्ट ओप्रा विन्फ्रे, हॉलीवुड एक्टर केविन स्पेसी और क्रिस टकर, अरबपति रिचर्ड ब्रैंसनन।

बिल गेट्स को लेकर चौंकाने वाला दावा

एपस्टीन से जुड़े नए दस्तावेजों में माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स को लेकर भी सनसनीखेज खुलासा किए गए हैं। फाइलों में शामिल कुछ ईमेल ड्राफ्ट्स में आरोप लगाया गया है कि बिल गेट्स ने रूसी महिलाओं के साथ संबंध बनाए और कथित तौर पर यौन संचारित रोग (एसटीडी) हो गया था और उन्होंने तत्कालीन पत्नी मेलिंडा गेट्स को गुप्त रूप से एंटीबायोटिक्स देने की कोशिश की थी। ये दावे एपस्टीन की ओर से साल 2013 में खुद को लिखे गए ईमेल में सामने आए हैं। इन आरोपों की अभी तक पुष्टि नहीं हुई है। हालांकि गेट्स ने इन अपुष्ट दावों का खंडन करते हुए कहा कि दस्तावेजों से एपस्टीन की हताशा और उन्हें बदनाम करने के प्रयासों का पता चलता है।

दामाद के दबाव में थे ट्रंप

दस्तावेज में यह भी दावा किया गया है कि राष्ट्रपति ट्रंप अपने पहले कार्यकाल के दौरान अपने दामाद जैरेड कुशनर के दबाव में थे। कुशनर का ट्रंप के कारोबार और राष्ट्रपति के कामकाज दोनों पर बहुत ज्यादा दखल था। कुशनर के परिवार के भ्रष्टाचार, रूसी धन प्रवाह और कट्टर यहूदी चबाड नेटवर्क से संबंध थे।

करोड़पति था जेफ्री एपस्टीन

जेफ्री एपस्टीन न्यूयॉर्क का करोड़पति फाइनेंसर था। उसकी बड़े नेताओं और सेलिब्रिटीज से दोस्ती थी। उस पर 2005 में नाबालिग लड़की के साथ यौन उत्पीड़न का आरोप लगा। 2008 में उसे नाबालिग से सेक्स की मांग करने का दोषी ठहराया गया।

बलूचिस्तान में एकसाथ 12 जगहों पर बलूच लिबरेशन आर्मी का बड़ा हमला

10 पुलिसकर्मियों की मौत, डिप्टी कमिश्नर का किया अपहरण, जवाबी सैन्य कार्रवाई में 57 लड़ाके मारे गए

बीएलए ने कहा कि उसने सैन्य ठिकानों, पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को निशाना बनाया। साथ ही यह भी दावा किया कि मुख्य हाईवे बंद किए गए, ताकि सेना की कार्रवाई में बाधा डाली जा सके। बीएलए लड़ाकों ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर ये दावा किया है कि उन्होंने क्वेटा के एक बाजार इलाके पर कब्जा कर लिया है

एजेंसी ▶▶ इस्लामाबाद

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में शनिवार को बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने एक साथ 12 जगहों पर हमले किए। हमलों में कम से कम 10 सुरक्षाकर्मी की मौत हुई है। वहीं, पाकिस्तानी सुरक्षाबलों की जवाबी कार्रवाई में 57 लड़ाके भी मारे गए। एक सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि बलूच विद्रोहियों ने क्वेटा, पसनी, मस्तुंग, नुश्की और ग्वादर जिले में शनिवार सुबह 12 से ज्यादा जगहों पर एक साथ हमले किए। राजधानी क्वेटा में कम से कम 4 पुलिसकर्मी मारे गए। हालांकि यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि यह 4 पुलिसकर्मी उन 10 सुरक्षाकर्मियों में शामिल हैं या नहीं। क्वेटा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह भी बताया कि लड़ाकों ने नुश्की जिले के डिप्टी कमिश्नर का अपहरण कर लिया है।

बीएलए ने इसे 'ऑपरेशन हेरोफ' का नाम दिया है। पाकिस्तान के अधिकारियों के मुताबिक, इसके बाद देर रात से लेकर शनिवार दोपहर तक सुरक्षा बलों ने जवाबी अभियान चलाया। इन अभियानों के दौरान भारी गोलीबारी हुई और बड़ी संख्या में आतंकवादी मारे गए। पीएम शहबाज शरीफ ने बयान जारी कर दावा किया कि इन हमलों को नाकाम कर दिया गया है। उन्होंने इसके लिए सुरक्षा बलों की तारीफ भी की। उन्होंने कहा कि उन्हें और पूरे देश को अपने शहीदों पर गर्व है। देश से आतंकवाद के पूरी तरह खत्म होने तक यह लड़ाई जारी रहेगी।

क्वेटा, पसनी, मस्तुंग, नुश्की और ग्वादर में किया हमला

बीएलए ने इसे 'ऑपरेशन हेरोफ' का नाम दिया

क्वेटा में सुरक्षाकर्मी धमाके वाली जगह का निरीक्षण करते हुए

सबसे गरीब राज्य है बलूचिस्तान

बलूचिस्तान पाकिस्तान का सबसे गरीब प्रांत है, जबकि यहां प्राकृतिक संसाधनों की भरमार है। शिक्षा, रोजगार और आर्थिक विकास के मामले में यह देश के बाकी हिस्सों से काफी पीछे है। यह इलाका लंबे समय से हिंसा और विद्रोह से जूझ रहा है। यह खनिज संसाधनों से भरपूर दक्षिण-पश्चिमी प्रांत है, जिसकी सीमा अफगानिस्तान और ईरान से लगती है। यहां लड़ाके अक्सर सरकारी बलों, विदेशी नागरिकों और दूसरे प्रांतों से आए लोगों को निशाना बनाते हैं।

बलूचिस्तान की आजादी के लिए लड़ रहा बीएलए

बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) बलूचिस्तान का सबसे सक्रिय अलगाववादी संगठन माना जाता है। जो पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत की स्वतंत्रता के लिए लड़ रहा है। इसकी स्थापना 2000 के दशक की शुरुआत में हुई और इसे कई देशों द्वारा आतंकी संगठन भी घोषित किया गया है। पिछले कुछ वर्षों में बलूच अलगाववादियों ने दूसरे प्रांतों से आए पाकिस्तानी मजदूरों और विदेशी कंपनियों पर हमले तेज कर दिए हैं। उनका आरोप है कि ये लोग और कंपनियां बलूचिस्तान के संसाधनों का शोषण कर रही हैं। बीएलए अपनी गुरिल्ला शैली के लिए जाना जाता है। यानी पहाड़ी इलाकों में छिपकर सेना पर हमला करना और तुरंत वापस लौट जाना।

पीएम शहबाज का कबूलनामा

कर्ज के लिए भीख मांगने में शर्म से झुका सिर

पाक के पीएम शहबाज शरीफ ने हाल ही में कारोबारियों और निर्यातकों को संबोधित करते हुए देश की आर्थिक हालत पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि जब पाकिस्तान को गंभीर आर्थिक संकट का सामना करना पड़ा, तब उसे अपने मित्र देशों से कर्ज मांगना पड़ा, जिससे देश की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची। उन्होंने कहा कि कर्ज लेने की प्रक्रिया आसान नहीं होती। जब कोई देश कर्ज मांगता है तो उसे कई शर्तें और दबाव झेलने पड़ते हैं, जिनका कई बार कोई ठोस औचित्य भी नहीं होता। उन्होंने माना कि ऐसे हालात में देश को दूसरों की शर्तें माननी पड़ती हैं, चाहे वे उचित हों या नहीं।

पीएम मोदी से अरब लीग के विदेश मंत्रियों की मुलाकात

भारत-अरब विदेश मंत्रियों की दूसरी बैठक

पीएम मोदी ने अरब देशों के साथ नए 'अवसरों' की जताई उम्मीद

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

शनिवार को नई दिल्ली में भारत-अरब विदेश मंत्रियों की दूसरी बैठक (आईएएफएमएम) का आयोजन हुआ। इससे पहले अरब-लीग के विदेश मंत्रियों ने पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। पीएम मोदी ने एक्स पर कहा कि अरब लीग के विदेश मंत्रियों और प्रतिनिधिमंडलों का स्वागत करके अत्यंत प्रसन्नता हुई। अरब जगत भारत के विस्तारित पड़ोस का हिस्सा है, जो गहन सभ्यतागत बंधनों, जीवंत जन-संबंधों और अटूट भाईचारे के संबंधों के साथ-साथ शांति, प्रगति और स्थिरता के प्रति साझा प्रतिबद्धता से जुड़ा हुआ है। हमें विश्वास है कि प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, व्यापार और नवाचार में बढ़ा हुआ सहयोग नए अवसरों को खोलेगा।

भारत और यूएई ने की सह-अध्यक्षता

इस महत्वपूर्ण बैठक की सह-अध्यक्षता भारत और संयुक्त अरब अमीरात करेंगे। इसमें अरब लीग के सभी 22 सदस्य देशों के विदेश मंत्री और वरिष्ठ प्रतिनिधि, अरब लीग के महासचिव के साथ हिस्सा लिया। भारत-अरब विदेश मंत्रियों की यह बैठक लगभग एक दशक बाद हो रही है। इससे पहले पहली बैठक 2016 में बहरीन में आयोजित की गई थी। दूसरी भारत-अरब एफएमएम से मौजूदा सहयोग को आगे बढ़ाने के साथ-साथ भारत और अरब देशों के बीच साझेदारी को और गहरा करने की उम्मीद है।

जयशंकर से मिले सोमालिया के विदेश मंत्री

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोमालिया के विदेश मंत्री अब्दिसलाम अली से नई दिल्ली में मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच व्यापार, क्षमता निर्माण, शिक्षा, स्वास्थ्य, कांसुलर और बहुपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने पर व्यापक चर्चा हुई। दोनों देशों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने को लेकर उपयोगी और सकारात्मक बातचीत हुई।

खबर संक्षेप

किश्तवाड़ में मुठभेड़ जारी, 3 जवान घायल

किश्तवाड़। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के डोलगाम इलाके में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ जारी है। इस मुठभेड़ के दौरान 3 सुरक्षाकर्मी घायल हो गए हैं, जिन्हें इलाज के लिए उधमपुर के मिलिट्री अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस ऑपरेशन में भारतीय सेना की व्हाइट नाइट कॉर्प्स शामिल है।

दिल्ली के दंगे का आरोपी फैजान अदालत से बरी

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने 2020 के दिल्ली दंगों के दौरान दंगे और आगजनी के आरोपी फैजान को बरी कर दिया। अदालत ने अभियोजन पक्ष के मामले में गंभीर असंगतियों का हवाला देते हुए कहा कि एकमात्र पहचान करने वाले गवाह की गवाही पर भरोसा करना सुरक्षित नहीं होगा।

कांगो की खदान धंसकी 200 लोगों की मौत

कांगो। अफ्रीकी देश कांगो रिपब्लिकन के पूर्वी हिस्से में रुबाया कोल्टैन खदान में लैंडस्लाइड हो गया है, जिसमें 200 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है। यह हादसा बुधवार को हुआ, जब बारिश के मौसम में जमीन कमजोर हो गई और खदान ढह गई। गवर्नर के प्रवक्ता लुबुम्बा कंबेरे मुयिसा ने बताया कि इस लैंडस्लाइड में 200 से अधिक लोग मारे गए।

भारत में इजराइल के राजदूत रियूवेन अजार ने की पुष्टि

जल्द ही दोनों देशों के बीच होगा एफटीए, नियमों पर किए हस्ताक्षर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

इजराइल के राजदूत रियूवेन अजार

भारत में इजराइल के राजदूत रियूवेन अजार ने दोनों देशों के बीच के मजबूत संबंध का जिक्र करते हुए फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) पर जल्द समझौता होने की उम्मीद जताई है। इजराइली राजदूत ने जल्द व्यापार समझौता होने की पुष्टि करते हुए कहा कि इजराइल और भारत ने एफटीए पर बातचीत के लिए नियमों पर हस्ताक्षर किए हैं। उन्होंने कहा कि फरवरी महीने में एक भारतीय प्रतिनिधिमंडल तेल अवीव की यात्रा करने वाला है। इस दौरान फ्री ट्रेड डील पर बातचीत की जाएगी। उन्होंने कहा की शुरूआती बातचीत आसान मुद्दों पर की जाएगी और उसके बाद ज्यादा जटिल मुद्दों पर एक राय बनाने के लिए बातचीत की जाएगी। इजराइली राजदूत ने उम्मीद जताई है कि व्यापार डील पर इसी साल समझौता होने की पूरी उम्मीद है।

आईएमईसी बेहद अहम

इंडिया-मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर (आईएमईसी) पर बात करते हुए इजराइली राजदूत ने कहा कि यह बेहद अहम है। हम ट्रेड को आसान बनाने और सामान की लागत कम करने के लिए लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने में इजराइल जोर दे रहा है। इजराइल में हमारी एक टास्क फोर्स है जो लॉजिस्टिक्स से निपटने के लिए जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने पर काम कर रही है, क्योंकि हम ट्रेड को आसान बनाना चाहते हैं। हम सामान लाने-ले जाने की कीमत कम करना चाहते हैं और मुझे लगता है कि इससे सभी के लिए इकोनॉमिक खुशहाली आएगी।

गाजा में इजराइल के हमले में 2 परिवार के 12 लोगों की मौत

गाजा। गाजा में शनिवार को इजराइल ने हमला किया। इसमें 12 फिलिस्तीनियों की मौत हो गई, जिसमें 6 बच्चे भी शामिल हैं। गाजा पट्टी के अस्पतालों ने बताया कि हमले में 2 परिवारों के लोग मारे गए हैं। हमले उत्तरी और दक्षिणी गाजा में एक अपार्टमेंट बिल्डिंग और रिलीफ कैंप पर हुए। हमले की वजह से कैंप में आग लग गई। यह हमला ऐसे समय हुए जब रविवार को मिस्र बॉर्डर पर रफाह क्रॉसिंग खुलने वाली है, जो अमेरिका की मध्यस्थता वाले सीजफायर के दूसरे स्टेज का हिस्सा है। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय ने रिकॉर्ड किया है कि 10 अक्टूबर से सीजफायर शुरू होने के बाद इजराइली फायरिंग से 500 से ज्यादा फिलिस्तीनी मारे गए हैं।

अभ्यास 'अग्नि परीक्षा' से युद्ध की तैयारियों को दी धार

नई दिल्ली। भारतीय सेना और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) ने अरुणाचल प्रदेश में चार दिवसीय संयुक्त फायरिंग अभ्यास 'अग्नि परीक्षा' के दूसरे चरण (फेज-दो) का सफल आयोजन किया है। इस अभ्यास का उद्देश्य दोनों बलों के बीच समन्वय बढ़ाना और युद्धक तैयारियों को और अधिक मजबूत करना रहा। रक्षा प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल महेंद्र रावत ने शुक्रवार को बताया कि 'अग्नि परीक्षा' अभ्यास का दूसरा चरण 25 से 28 जनवरी के बीच अरुणाचल प्रदेश के तेजू क्षेत्र में आयोजित किया गया। इस चरण का मुख्य उद्देश्य अंतर-बल युद्धक तालमेल और परिचालन तत्परता को सुदृढ़ करना था।

पश्चिम एशिया में तनाव के बीच ईरान का बड़ा ऐलान

ईरान ने कहा अमेरिका से बातचीत के लिए तैयार, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुख्य मांगें की खारिज

अमेरिकी युद्धपोत के पास करेगा नौसैनिक अभ्यास

एजेंसी ▶▶ दुबई

अमेरिका ने ईरान की तरफ से अपना सबसे बड़ा बेड़ा भेजा है, जिससे पश्चिम एशिया में मौजूदा तनाव अपने चरम पर पहुंच गया है। वहीं ईरान ने भी मोर्चा संभालते हुए होर्मुज जलडमरूमध्य में दो दिवसीय नौसैनिक अभ्यास की घोषणा की है। इस पर अमेरिकी सेना के केंद्रीय कमान ने ईरानी सेना को चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि वह अमेरिकी युद्धपोतों के ऊपर से उड़ान भरने जैसे असुरक्षित युद्धाभ्यास को बर्दाश्त नहीं करेगा, जिसमें अमेरिकी जहाजों से टक्कर की दिशा में ईरानी स्पीडबोटों का आना भी शामिल है। वहीं इससे पहले ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि उनका देश निष्पक्ष और न्यायसंगत बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन उन्होंने ट्रंप की मुख्य मांगों को खारिज कर दिया। अराघची ने कहा कि रक्षा रणनीतियां और मिसाइल प्रणालियां कभी भी बातचीत का विषय नहीं होंगी।

अयातुल्ला खामनेई डोनाल्ड ट्रंप

ईरान के बंदर अब्बास में विस्फोट

ईरान के दक्षिणी बंदरगाह बंदर अब्बास में शनिवार को एक विस्फोट हुआ। ईरानी मीडिया ने कहा कि विस्फोट की जांच की जा रही है। बंदर अब्बास होरमुज की खाड़ी पर स्थित है, जो ईरान और ओमान के बीच एक अहम जलमार्ग है। दुनिया में जो तेल समुद्र के जरिए भेजा जाता है, 20 फीसदी इसी बंदरगाह से होकर गुजरता है।

ईरान का दावा- पहले से ज्यादा मजबूत हुए

ईरान के सेना प्रमुख अमीर हातमी ने दावा किया है इस संघर्ष से ईरानी सेना को अपनी ताकत और कमजोरियों को समझने का मौका मिला, साथ ही विरोधी पक्ष की रणनीति को भी बेहतर ढंग से परखा गया। इस युद्ध के बाद ईरान की मिसाइल प्रणाली, हवाई रक्षा और समग्र सैन्य क्षमता पहले से बेहतर और मजबूत स्थिति में है। उन्होंने इसे ईरान के लिए अनूठा अनुभव बताया, जिससे भविष्य में किसी भी हमले से निपटने की तैयारी और पुख्ता हुई है।

पूरी ताकत से दिया जाएगा जवाब

ईरान के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी और सर्वोच्च नेता के सलाहकार अली शमखानी ने कहा है कि किसी भी दुश्मन कार्रवाई का प्रभावी और डर पैदा करने वाला जवाब दिया जाएगा। उन्होंने साफ किया कि ईरान सिर्फ स.मुद्र तक ही सीमित नहीं रहेगा, बल्कि व्यापक और उन्नत सैन्य विकल्पों के लिए पूरी तरह तैयार है। शमखानी ने कहा कि फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी में अमेरिकी सैन्य मौजूदगी बढ़ने का मतलब यह नहीं कि अमेरिका को यहां बढ़त मिल गई है। यह हमारा क्षेत्र है, इसकी भौगोलिक स्थिति और ताकत को हम किसी भी बाहरी शक्ति से बेहतर जानते हैं।

नायडू से मिले फ्रांसीसी परिवहन मंत्री

विमानन साझेदारी पर हुई चर्चा एयर मोबिलिटी में करेंगे सहयोग

नायडू से फ्रांसीसी प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राम मोहन नायडू ने फ्रांस के परिवहन मंत्री फिलिप टाबारोट के नेतृत्व में आए फ्रांसीसी प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। यह बैठक फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की भारत की आगामी राजकीय यात्रा से ठीक पहले आयोजित की गई, जिसे भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी के लिहाज से अहम माना जा रहा है। मंत्री नायडू ने 'एक्स' पर लिखा कि फ्रांसीसी प्रतिनिधिमंडल से मिलकर उन्हें सम्मान महसूस हुआ। बैठक के दौरान भारत और फ्रांस के बीच लंबे समय से चली आ रही रणनीतिक साझेदारी को और सुदृढ़ करने के लिए हवाई कनेक्टिविटी बढ़ाने पर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ।

हाईकोर्ट ने हुक्का बार को लेकर स्पष्ट की नीति

प्रतिबंधित सामग्री या तंबाकू का उपयोग नहीं तो कोई कार्रवाई नहीं

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने अपने एक आदेश में साफ किया कि यदि हुक्के में किसी भी तरह की प्रतिबंधित सामग्री या तंबाकू का उपयोग नहीं किया जा रहा है, तो जिला प्रशासन उसके संचालन पर कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं कर सकता। जस्टिस बीपी शर्मा की सिंगल बेंच ने यह निर्देश दिए।मामला जबलपुर की एक निजी होटल की ओर से दायर याचिका से संबंधित था। होटल प्रबंधन ने हर्बल और फ्लेवर्ड हुक्का चलाने की अनुमति के लिए कोर्ट की शरण ली थी। याचिकाकर्ता की ओर से दलील दी गई कि सार्वजनिक स्थानों पर केवल उन्हीं हुक्कों पर प्रतिबंध लागू होता है जिनमें तंबाकू या अन्य नशीले पदार्थों का इस्तेमाल होता है। चूंकि उनके होटल में केवल हर्बल हुक्के का उपयोग किया जाएगा, इसलिए यह कानून के दायरे में आता है। कोर्ट ने यह

भी साफ किया है कि प्रशासन को समय-समय पर निरीक्षण करने की स्वतंत्रता रहेगी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हुक्के में तंबाकू युक्त प्रतिबंधित सामग्री का उपयोग तो नहीं हो रहा।

अवैध पिस्टल रखने वाले को तीन माह का कारावास

जबलपुर। जिला अदालत ने अवैध पिस्टल रखने के आरोपी जबलपुर निवासी तुषार पटेल का दोष सिद्ध पाया।अपर सत्र न्यायाधीश चंद्रकिशोर बारपेटे की अदालत ने इसी के साथ आरोपी को तीन माह के कारावास की सजा सुना दी। साथ ही तीन हजार रुपये जुर्माना लगाया।अभियोजन की ओर से अपर लोक अभियोजक राजकुमार गुप्ता ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि 31 दिसंबर, 2021 को विक्की पटेल अपने मोहल्ले में घूम रहा था। तभी तुषार पटेल वहां आकर पुरानी रंजिश पर से उसे गाली-गलौच करने लगा। उसने गाली देने से मना किया, तो उसे जान से मारने की नीयत से तुषार पटेल ने अपने पास रखी पिस्टल निकालकर उसके उपर फायर किया था। लिहाजा, लार्डगंज द्वारा आरोपी तुषार पटेल को गिरफ्तार कर उससे पिस्टल व दो जिंदा कारतूस जप्त किए।

मृत्युपूर्व बयान प्रस्तुत नहीं करना अभियोजन की बौद्धिक बेईमानी

जबलपुर।

हाई कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी के साथ निरस्त की राज्य की अपील

मप्र हाईकोर्ट ने राज्य शासन की ओर से दायर वह अपील निरस्त कर दी, जिसमें पत्नी की जलने से हुई मौत के बाद गैर-इरादतन हत्या और दहेज उत्पीड़न के मामले में आरोपी पति को ट्रायल कोर्ट द्वारा दोषमुक्त किए जाने को चुनौती दी गई थी। जस्टिस विवेक अग्रवाल व जस्टिस रामकुमार चौबे की डिवीजन बेंच ने अपने आदेश में कहा कि रिकार्ड देखने के बाद हम निराश हैं कि अभियोजना कितना बौद्धिक बेईमान हो सकता है। दरअसल, पन्ना निवासी कविता विश्वास को जलने के कारण 30 मई 2020 को अस्पताल में भर्ती किया गया था। उसने अपने मृत्युपूर्व बयान में कहा गया उस पर गर्म चाय गिर गई थी। इसके लिए कोई जिम्मेदार नहीं है। महिला की उपचार के दौरान 26 जून, 2020 को उनकी मौत हो गई। पुलिस ने पति प्रकाश विश्वास के विरुद्ध गैर-इरादतन हत्या और दहेज उत्पीड़न प्रकरण दर्ज कर न्यायालय में चालान पेश किया था। न्यायालय ने प्रकरण की सुनवाई करते हुए आरोपित को दोषमुक्त कर दिया था। हाई कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि महिला के बयान उसके माता-पिता और भाई की मौजूदगी में दर्ज किए गए थे। लेकिन अभियोजन ने यह बयान ट्रायल कोर्ट में पेश नहीं किया। हमारी राय है कि दोषमुक्त करने के आर्डर के विरुद्ध राज्य ने दूसरी अपीलों की तरह, यह अपील भी बिना सोचे-समझे दायर की है। हमने सरकारी वकील से अपील वापस लेने पर विचार करने के लिए कहा था, लेकिन उन्होंने कहा कि मौजूदा अपील वापस लेने के लिए कोई निर्देश नहीं हैं। हाई कोर्ट ने सुनवाई के बाद अपील को निरस्त कर दिया।

मुख्य सचिव सभी जिले के पेंशन अधिकारियों को सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों से अवगत कराएं

जबलपुर।

तृतीय व चतुर्थ श्रेणी कर्मियों से सेवानिवृत्ति के बाद रिकवरी निकालने के मामले में हाईकोर्ट का अहम निर्देश

मप्र हाईकोर्ट ने प्रदेश में तृतीय व चतुर्थ श्रेणी कर्मियों से सेवानिवृत्ति के बाद रिकवरी निकालने के मामले में महत्वपूर्ण फैसला दिया है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट व हाईकोर्ट के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद पेंशन अधिकारी नियमित रूप से पीपीओ जारी करते समय वसूली के आदेश पारित करते हैं। जस्टिस एमएस भट्टी की सिंगल बेंच ने मुख्य सचिव को आदेश दिए हैं कि वे सभी जिले के पेंशन अधिकारियों को सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों से अवगत कराएं। कोर्ट ने कहा कि मुख्य सचिव उक्त आदेश का पालन सुनिश्चित कराएं, ताकि भविष्य में अनावश्यक मुकदमेबाजी से बचा जा सके।

जबलपुर निवासी रोहणी प्रसाद पटेल की ओर से अधिवक्ता सचिन पांडे ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि याचिकाकर्ता 2017 में सब-इंस्पेक्टर के पद से सेवानिवृत्त हुआ। सेवानिवृत्ति के बाद रिकवरी निकाल दी। उन्होंने दलील दी कि सुप्रीम कोर्ट के रफीक मसीह और हाईकोर्ट के जगदीश प्रसाद के प्रकरण में स्पष्ट आदेश हैं कि सेवानिवृत्ति के बाद रिकवरी नहीं निकाली जा सकती, भले ही सेवा के दौरान अंडरटेकिंग भरी हो। कोर्ट ने याचिकाकर्ता के खिलाफ रिकवरी आदेश निरस्त कर दिया। कोर्ट ने कहा कि यदि याचिकाकर्ता से वसूली की गई है तो 6 फीसदी ब्याज के साथ उसे 60 दिन के भीतर लौटाएं।

भाजपा कार्यालय में पुष्पांजलि आज

जबलपुर। संत रविदास जी की जयंती के अवसर पर कल रविवार 1 फरवरी को प्रातः 11 बजे भाजपा कार्यालय रानीताल में पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी। भाजपा जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर ने सभी से उपस्थिति की अपील की है।

मैराथन बैठक: निगमायुक्त ने अधिकारियों को दिये कड़े निर्देश

विकास कार्यों और स्वच्छता में ढिलाई बर्दाश्त नहीं

जबलपुर। नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने शनिवार को अधिकारियों सहित ठेकेदार व कन्सलटेंट की लम्बी बैठक ली, लगभग 6 घंटे तक चली लम्बी बैठक में निगमायुक्त ने विभिन्न विभागों की बारी बारी से समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिये की विकास कार्यों में ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी अधिकारी अपने अपने विभाग से संबंधित प्रस्तावित एवं प्रचलित कार्यो को गंभीरता के साथ उच्चगुणवत्ता और समय सीमा में पूर्ण कराएं। कार्यो में लापरवाही करने वाले अधिकारियों कर्मचारियों तथा ठेकेदारों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जायेगी। निगमायुक्त ने अमृत फेस 1 एवं 2 के कार्यो की समीक्षा कर तेजगति से काम करने के निर्देश दिये। उन्होंने समीक्षा बैठक के दौरान पी.एम. स्वनिधि योजना के कार्यो की भी समीक्षा की और कार्यो में और गति लाने के निर्देश दिये। उन्होंने अधिकारियों कर्मचारियों से संबंधित लंबित प्रकरणों का निराकरण कराने तथा न्यायालयीन प्रकरणों पर भी विधिसम्मत कार्य करने के निर्देश दिये।

फील्ड पर उतरेंगे बड़े अधिकारी

समीक्षा बैठक के दौरान निगमायुक्त श्री अहिरवार ने निर्देशित किया कि आगामी स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर सभी नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों को प्रातःकाल वार्डो का भ्रमण करने और जमीनी धरातल पर स्थाई रूप से कार्य कराने के निर्देश दिये। उन्होंने सभी अपर आयुक्त, उपायुक्त और सहायक आयुक्तों को अपने-अपने प्रभार वाले क्षेत्रों और वार्डों का नियमित भ्रमण करने के भी निर्देश दिए।

चंडालभाटा प्रकरण का जल्द होगा निराकरण

बैठक में लंबे समय से लंबित चंडालभाटा के प्रकरणों पर भी विशेष चर्चा हुई। आयुक्त ने इन मामलों के त्वरित निराकरण के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी है। बैठक में समस्त अपर आयुक्त, उपायुक्त, सहायक आयुक्त, अधीक्षण यंत्री, कार्यपालन यंत्री, सभी विभागीय प्रमुख आदि उपस्थित रहे।

देह व्यापार में लिप्त विदेशी महिला गिरफ्तार

जबलपुर। इन दिनों विदेश से आकर विदेशी महिलाएं और युवतियां देह व्यापार में लिप्त पाई जा रही है ताजा मामला सामने आया है थाना माढ़ोताल की ग्रीन सिटी में जहां पर उज्बेकिस्तान की एक युवती को देह व्यापार करने के मामले में महिला थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है दरअसल महिला थाना प्रभारी को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्रीन सिटी में रहने वाला शिव चौधरी अपने मकान में देह व्यापार कर रहा है जिस सूचना पर महिला थाना प्रभारी और क्राइम ब्रांच की टीम ने अचानक उंसके मकान में दबिश दी जहां पर उज्बेकिस्तान की युवती सहित एक अन्य युवती देह व्यापार करती रंगे हाथ पकड़ी गई जिन्हें पुलिस ने थाने लाकर पूंछ तांछ की जिसमे विदेशी युवती ने बताया कि वह दिल्ली से जबलपुर आई है और इंडिया का कीमती पैसा कमाने के लिए उसने शिव चौधरी के साथ देह व्यापार करने की योजना बनाई और वह यह कार्य काफी लंबे समय से कर रही है इधर महिला थाना पुलिस देह व्यापार करती पकड़ी गई विदेशी महिला से उसका पासपोर्ट सहित भारत आने और जाने के दस्तावेज खंगालने में जुट गई है।

केंद्रीय आम बजट का सीधा प्रसारण आज

जबलपुर। देश का आम बजट 2026 को केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण कल रविवार 1 फरवरी को संसद में पेश करेंगी। भारतीय जनता पार्टी जबलपुर महानगर द्वारा केंद्रीय बजट का सीधा प्रसारण कल रविवार को प्रातः 10 बजे से रानीताल स्थित भाजपा कार्यालय सहित महानगर के सभी 18 मंडलो में किया जायेगा, बजट को क्षेत्रीय जनों के साथ जनप्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारी एवं भाजपा कार्यकर्ता देखेंगे। भाजपा जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर ने सभी से उपस्थित होकर बजट का सीधा प्रसारण देखने की अपील की है।

राधास्वामी सत्संग के लिए श्योदासपुरा पदमपुरा स्टेशन पर चार ट्रेनों का अस्थायी ठहराव

उधना–अयोध्या कैंट मध्य साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन का संचालन भी जारी

जबलपुर। राधास्वामी वार्षिक सत्संग (03–04 फरवरी 2026) के अवसर पर पश्चिम मध्य रेल ने श्योदासपुरा पदमपुरा स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा हेतु चार ट्रेनों को 2 मिनट का अस्थायी ठहराव देने का निर्णय लिया है। इसमें कोटा–सिरसा एक्सप्रेस (19807, 19813), कोटा–श्रीगंगानगर एक्सप्रेस (22981) और झालावाड़ सिटी–श्रीगंगानगर एक्सप्रेस (22997) शामिल हैं। साथ ही उधना–अयोध्या कैंट साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन (09093/09094) का संचालन 13 फरवरी से 28 मार्च 2026 तक किया जाएगा। इस ट्रेन का संत हिरदाराम नगर और बीना स्टेशनों पर ठहराव यात्रियों के लिए उपलब्ध रहेगा। ट्रेन में एसी-3 टियर, स्लीपर और जनरल कोच सुविधा मौजूद रहेगी।

गुप्त नवरात्रि में 151 मातृ शक्तियों का सुहागलों समारोह आयोजित

श्री दस मुखी माता महाकाली मठ, गोल बाजार में पूजन, हवन और भंडारे के साथ आयोजन

जबलपुर। श्री दस मुखी माता महाकाली मठ, गोल बाजार कछियाना में गुप्त नवरात्रि के समापन अवसर पर 151 मात्र शक्तियों का सुहागलो कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पूजन, हवन और भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें सभी मातृ शक्तियों ने अपने-अपने परिवार, देश और राष्ट्र की सुख-शांति की कामना की। श्री महंत योगी राजेश्वरानंद ने बताया कि यह आयोजन हर वर्ष गुप्त नवरात्रि पर किया जाता है और मातृ शक्तियों के उपस्थित होने से समारोह का विशेष महत्व बढ़ता है। इस अवसर पर अलका गर्ग, सविता साध्वी, नंदिता तिवारी, पूनम राठौर, सुनीता शुक्ला, सुषमा पटेल, संगीता पटेल, रेनू लखेरा सहित अन्य मातृ शक्तियां उपस्थित रहीं।

सडक़ों पर अवैध वाहनों की नो-एंट्री टोल पार करते ही पहुंचेगा ई-चालान

जबलपुर।

साल पुराने अनफिट वाहनों की भी खुलेगी पोल

मध्य प्रदेश की सडक़ों पर परमिट, बीमा और फिटनेस के बिना चलने वाले वाहनों की पहचान अब टोल बूथ पर की जा सकेगी। यह टोल प्लाजा में लगे कैमरों व फास्ट टैग से संभव होगा। टोल प्लाजा से वाहनों की वैधता की पहचान की जाएगी। वाहनों के दस्तावेज गड़बड़ मिले तो ई-चालान जारी होगा। इसके लिए मध्य प्रदेश परिवहन आयुक्त कार्यालय में ई-डिटेक्शन सेल को राष्ट्रीय सूचना केंद्र की ई-डिटेक्शन प्रणाली के माध्यम से ई-चालान जारी करने के लिए अधिकृत किया गया है।

स्वचालित रूप से ई-चालान जारी किया जाएगा

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र की ई-डिटेक्शन प्रणाली को प्रदेश में स्थित नेशनल हाइवे तथा स्टेट हाइवे के टोल प्लाजा एवं राज्य शासन के अन्य विभागों के साथ एकीकृत किया जाएगा। इसके बाद इन स्थलों से गुजरने वाले वाहनों की वैधता का सत्यापन ई-डिटेक्शन प्रणाली के माध्यम से स्वतः हो जाएगा, यदि कोई वाहन अवैध, बिना बीमा, बिना फिटनेस, बिना पीयूसी या बिना स्वामित्व के टोल पार करता है, तो उसके खिलाफ स्वचालित रूप से इलेक्ट्रानिक (ई-चालान) जारी किया जाएगा।

गड़बड़ी पर जारी होंगे चालान

चालान की कार्रवाई ई-डिटेक्शन सेल से होगी। जैसे ही वाहन के बीमा, फिटनेस, पीयूसी में गड़बड़ी मिली तो ई-चालान फोन, एसएमएस या ई-मेल के माध्यम से वाहन मालिक को भेजा जाएगा। इसमें उल्लंघन का विवरण, अभिलेख राशि और भुगतान की जानकारी होगी। वाहन मालिक को लाइसेंस के विरुद्ध ऑफलाइन अपील या भुगतान का विकल्प मिलेगा। पहले चरण में परमिट, बीमा और फिटनेस पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

दस्तावेज एक्सपायर्ड या अवैध तो वाहन डिफाल्टर के रूप में होगा चिह्नित

टोल प्लाजा पर गुजरते समय वाहन का कोई दस्तावेज एक्सपायर्ड या अवैध पाया जाता है, तो वाहन को डिफॉल्टर के रूप में चिह्नित कर तुरंत ई-चालान जारी किया जाएगा। यह प्रणाली पहले से ही ओडिशा, छत्तीसगढ़, बिहार और गुजरात जैसे राज्यों में सफलतापूर्वक लागू की जा चुकी है। राजस्थान में भी एनएचएआइ ने इसी तरह के स्मार्ट सिस्टम को कई टोल प्लाजा पर लागू करने की योजना बनाई है।

15 वर्ष पुराने वाहनों की भी होगी पहचान

यह प्रणाली 15 वर्ष से अधिक पुराने उन वाहनों की भी पहचान करेगी, जिनका पंजीयन प्रमाण पत्र समाप्त हो चुका है और समय पर नवीनीकरण नहीं कराया गया है। वाहन स्वामी, परिवहन सेवा पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन जुर्माना जमा कर सकेंगे।

स्वास्थ्य विभाग की हुई समीक्षा बैठक

जबलपुर।

कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग की गतिविधियों की समीक्षा की गई। इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक गहलोत, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सहित सभी संबंधित चिकित्सक मौजूद थे। बैठक में गृह आधारित शिशु एवं प्रसूता की मॉनिटरिंग पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही शिशु और मातृ मृत्यु दर की स्थिति व इसमें कमी लाने के लिए किये जा रहे प्रयासों की समीक्षा की गई। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में समय-समय पर लगने वाले टीकाकरण की चर्चा की गई। इस

दौरान बताया गया कि जबलपुर शहरी क्षेत्र कुंडम और पनागर में मीजल्स रूबेला के प्रकरण बढ़ रहे हैं। कलेक्टर सिंह ने इसकी रोकथाम व बचाव के लिए आवश्यक निर्देश दिये। बैठक में स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न गतिविधियों पर चर्चा की गई, जिसमें मधुमेह, बीपी, आयुष्मान, स्वास्थ्य केन्द्रों में सुरक्षा व सफाई कर्मी आदि से संबंधित विषय शामिल थे।

निगम ने की जगह-जगह अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई

जबलपुर।

नगर निगम द्वारा निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देशानुसार शहर में अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत आज शहर भर में जगह जगह अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गयी। कार्रवाई के संबंध में अपर आयुक्त अरविंद शाह एवं अतिक्रमण प्रभारी मनीष तड़से ने बताया कि आज शहर के विभिन्न हिस्सों में बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध कब्जों को जमींदोज कर दिया। अतिक्रमण प्रभारी मनीष तड़से ने बताया कि आज अभियान की शुरुआत बाजनामठ और जेडीए कॉलोनी गार्डन से हुई, जहाँ पूर्व से चिन्हित किए गए अतिक्रमणों को जेसीबी की मदद से हटाया गया। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक पार्कों और गार्डन की जमीन पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि गोल बाजार, छोटी लाइन फाटक से

लेकर रामपुर चौक तक सघन अभियान चलाकर फुटपाथ खाली कराए गए। एचडीएफसी बैंक गोलबाजार के पास बैंक के बाजू स्थित कंजरवेंसी को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। उन्होंने बताया कि हनुमानताल तालाब के किनारे किए गए अस्थाई अतिक्रमण को हटाया गया। साथ ही अनवर के बाड़े को पूरी तरह खाली कराया गया। चितरंजन दास वार्ड में शासकीय भूमि पर चोरी-छिपे किए जा रहे अवैध निर्माण को मौके पर पहुँचकर रुकवा दिया गया। तिलवारा में कम्युनिटी शौचालय के पास किए गए अस्थाई कब्जों को हटाकर रास्ता साफ किया गया।

मुनादी कर दी गई सख्त चेतावनी

अतिक्रमण प्रभारी मनीष तड़से ने बताया कि कार्रवाई के साथ-साथ निगम प्रशासन ने जन-जागरूकता और चेतावनी का सहारा भी लिया। तीन पत्ती, सिविक सेंटर, शास्त्री ब्रिज और मालवीय चौक जैसे व्यस्ततम इलाकों में लाउडस्पीकर के माध्यम से मुनादी की गई। व्यापारियों और नागरिकों को हिदायत दी गई है कि वे दोबारा अतिक्रमण न करें, अन्यथा भारी चालानी कार्रवाई के साथ-साथ कानूनी कदम भी उठाए जाएंगे। कार्यवाही के समय सहायक अतिक्रमण निरोधक अधिकारी अखिलेश सिंह भदौरिया, एकता रघुवंशी, सहायक परिवहन यातायात प्रबंधन अधिकारी दीपेंद्र सिंह रावत सहित दल प्रभारी जोसफ प्रवीण, अंकित पारस, वीरेंद्र मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

भविष्य की दिशा तय कर रहे सम्मेलन : आकर्षण महाराज

कंकाली मंदिर में महाकाली बस्ती का हिन्दू सम्मेलन

सिहोरा

सनातन धर्म की गरिमा और सांस्कृतिक विरासत को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से महाकाली बस्ती के विराट हिन्दू सम्मेलन का आयोजन संत आकर्षक जी महाराज,प्रांत प्रचारक ब्रजकांत जी, सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ अरुणा पांडे,राष्ट्रीय कवियत्री मणिका दुबे के आतिथ्य में कंकाली मंदिर में पूर्व विधायक दिलीप दुबे,नगर पालिका अध्यक्ष संध्या दुबे के संयोजन में आयोजित किया गया ।सम्मेलन के पहले मातृशक्ति ने गढ़िया मोहल्ला, झंडा बाजार,कटरा मोहल्ला से झांकी के साथ भव्य कलश यात्रा निकाली। कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में हिंदू सनातनी शामिल हुए जिससे पूरा क्षेत्र भगवामय नजर आया।

भव्य स्वागत और सांस्कृतिक प्रस्तुति

सम्मेलन की शुरुआत अतिथियों के गरिमामयी आगमन के साथ हुई। ढोल-नगाड़ों और पुष्पवर्षा के बीच मंचासीन अतिथियों का भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पवन म्यूज़िकल ग्रुप द्वारा प्रस्तुत हनुमान चालीसा एंव सुंदरकांड पाठ से हुआ इसी कड़ी में सांस्कृतिक सामाजिक कदम संस्था द्वारा लोक नृत्य के साथ बच्चों ने अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गये।

सनातन को साथ लेकर चलें

सम्मेलन के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय कथावाचक आकर्षण जी महाराज ने कहा कि हमें हमारे बच्चों को संस्कारवान बनाना होगा ताकि वे देश के विकास में भागीदार बनें। युवा पर्यावरण की रक्षा करने के साथ हमेशा सनातन को साथ लेकर चलें नहीं तो इसका अस्तित्व ही ख़तरे में पड़ जायेगा। इसी तरह प्रांत प्रचारक,ब्रजकांत,मणिका दुबे ने भी सम्मेलन को संबोधित किया। संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित ये सम्मेलन हिंदू धर्म की एकता,गौरवशाली विरासत और भविष्य की नई दिशा तय कर रहे हैं। इस अवसर पर जिला प्रचारक आतिश जी,जनपद पंचायत अध्यक्ष रश्मि मनेन्द्र अग्निहोत्री,पार्षद रीता शुक्ला,जवाहर कोल, शारदा बर्मन,लीला सुप्पी बर्मन,प्रमोद चौधरी,बेबी विनय पाल ज्योति सुनील चक्रवर्ती,शारदा बर्मन के साथ अनेक जनप्रतिनिधियों के साथ राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र की कई प्रमुख हस्तियां मौजूद रहीं।

काले कानून और यूजीसी का विरोध, 1 फरवरी को पुतला दहन

बरेला में सर्व ब्राह्मण समाज ने विरोध प्रदर्शन और बन्द का किया आह्वान

बरेला। सर्व ब्राह्मण समाज बरेला परिक्षेत्र ने 28 जनवरी को सिलुआ में बैठक कर काले कानून और यूजीसी के विरोध में एक फरवरी को पुतला दहन कार्यक्रम का आयोजन करने का निर्णय लिया। बैठक में बसन्त तिवारी के निवास स्थान पर नारायण तिवारी, राधेश्याम चौबे, वीरेंद्र चौबे, भगवानदास दुबे सहित अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। संचालक अरविन्द तिवारी ने सभी वक्ताओं को आमंत्रित कर सुझाव और विचार सुने। बैठक में उमाशंकर पाठक, अखिलेश नवेरिया, संजय दुबे, विनय तिवारी, ब्रजेश दुबे सहित कई सदस्य उपस्थित रहे। निर्णय लिया गया कि 1 फरवरी को दोपहर 12 बजे बरेला थाने के सामने सभी सवर्ण समाज के लोग एकत्रित होकर पुतला दहन करेंगे और विरोध प्रदर्शन करेंगे।

राज्य शिक्षक संघ का शिक्षक सम्मान समारोह आज

सिहोरा राज्य शिक्षक संघ द्वारा आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह दोपहर 12 बजे से सिहोरा में आयोजित है। इस समारोह में 200 शिक्षकों को संघ द्वारा उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया जाएगा। संघ के प्रांताध्यक्ष जगदीश यादव मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल होंगे कार्यक्रम की जानकारी देते हुए राज्य शिक्षक संघ सिहोरा के तहसील अध्यक्ष अरविंद उपाध्याय ने बताया कि यह जिला स्तरीय आयोजन सिहोरा के रुकमणी पैलेस में आयोजित होगा जिसमें अध्यापक संवर्ग से राज्य शिक्षा सेवा में नियुक्त शिक्षक संवर्ग की अनेक समस्याओं के निराकरण की दिशा में ठोस रणनीति तय की जाएगी। साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन एवं चुनौतियां विषय पर चिंतन मनन किया जाएगा। संघ ने सभी शिक्षक साथियों से सिहोरा पहुंचने की अपील की है।

ग्राम पुरवा में लगा स्वास्थ्य शिविर

बरेला। समीपस्त ग्राम पंचायत पूरवा में भारतीय हिंदू महासभा के तत्वाधान में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य शिविर में शहर से आए हुए डॉक्टरों द्वारा ग्रामीण क्षेत्र के लोगों की जांच कर, दवाएं दी गई।इस अवसर पर भारतीय हिंदू महासंघ के जिला अध्यक्ष रोहित सोनकर सहित ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना :

रामेश्वरम-मदुरई की तीर्थ यात्रा पर जाने के इच्छुक वरिष्ठ नागरिकों से 5 फरवरी तक आवेदन आमंत्रित

जबलपुर। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत जबलपुर से रामेश्वरम-मदुरई की तीर्थ यात्रा पर जाने के इच्छुक वरिष्ठ नागरिकों से 05 फरवरी तक आवेदन आमंत्रित किये गये है। जबलपुर से रामेश्वरम-मदुरई की तीर्थ यात्रा के लिए 19 फरवरी को स्पेशल ट्रेन रवाना होगी। जबलपुर के तीर्थ यात्रियों के लिए स्पेशल ट्रेन में 279 सीटे आरक्षित की गई है। कलेक्टर कार्यालय की धर्मस्व शाखा के अनुसार तीर्थ यात्रा पर जाने के इच्छुक वरिष्ठ नागरिकों को आवेदन दो प्रतियो में देने होंगे। रामेश्वरम-मदुरई की तीर्थ यात्रा पर जाने के इच्छुक वरिष्ठ नागरिकों को अपने आवेदन 5 फरवरी तक तहसील स्तर पर तहसीलदार रांझी, गोरखपुर एवं अधारताल तथा संबंधित मुख्य नगर पालिका अधिकारी या संबंधित मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत कार्यालय में जमा करना होंगे। आवेदन पत्र के साथ मूल निवासी के प्रमाण हेतु राशन कार्ड, ड्राइविंग लायसेंस, विद्युत देयक, मतदाता पहचान पत्र एवं शस्त्र लायसेंस में से कोई एक अथवा ऐसा प्रमाण संलग्न करना होगा जो शासन द्वारा स्वीकार्य हो। इसके साथ ही आधार कार्ड की छायाप्रति एवं नवीनतम रंगीन पासपोर्ट साइज के फोटो भी आवेदन पत्र के साथ संलग्न करना अनिवार्य होगा।

आज संत रविदास की 649वीं जयंती पर होंगे विविध कार्यक्रम

सिहोरा। वार्ड नंबर 9 चौधरी मोहल्ला में संत शिरोमणि रविदास जी की 649 वीं जयंती पर आज रविवार को अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।समाज के अशोक चौधरी ने बताया जयंती पर रविदास जी की पूजा अर्चना भंडारे के साथ हरदौल मंदिर,काल भैरव चौक, झंड़ा बाजार,आजाद चौक,गौरी तिराहा, पुराना बस स्टेंड से बाबाताल में संपन्न होगी।

बिछी तिराहे पर फायरिंग करने वाला आरोपी गिरफ्तार

पुरानी रंजिश में हत्या की नीयत से किया था हमला, कट्टा-कारतूस जब्त

मझौली

मझौली थाना क्षेत्र के बिछी तिराहे पर पुरानी रंजिश के चलते एक युवक पर जानलेवा हमला करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। थाना प्रभारी नेहरू सिंह खण्डाते ने बताया कि शनिवार दोपहर लगभग 2 बजे मणि शंकर गौड़ पर रोहित गौड़ ने कट्टे से फायर कर हत्या का प्रयास किया था, इसके बाद उसके साथ मारपीट भी की गई। घटना के बाद आरोपी फरार हो गया था। मुखबिर से सूचना मिलने पर पुलिस ने आरोपी रोहित कुमार पिता राजेंद्र कुमार, निवासी धनवाही मझौली को गिरफ्तार किया। आरोपी के पास से घटना में प्रयुक्त एक कट्टा एवं एक कारतूस जब्त किया गया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है कि उसने हथियार कहां से प्राप्त किया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी नेहरू सिंह खण्डाते, उप निरीक्षक सत्यनारायण कुशवाहा, सहायक उप निरीक्षक महेंद्र मिश्रा, प्रधान आरक्षक रामजी, दसेंद्र दीक्षित, आरक्षक सुनील, रोहित, प्रतिमा शर्मा एवं सैनिक श्री लाल पटेल की सराहनीय भूमिका

मझौली सीएचसी में महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर संकल्प सभा

कुष्ठ मुक्त भारत का संकल्प लेकर पखवाड़ा-2026 का हुआ शुभारंभ

मझौली। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मझौली में शुक्रवार को कुष्ठ पखवाड़ा-2026 का शुभारंभ एवं संकल्प सभा आयोजित की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य महात्मा गांधी के कुष्ठ मुक्त भारत के संकल्प को साकार करना रहा। कार्यक्रम में नगर परिषद मझौली के पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र चौरसिया, जिला पंचायत सदस्य राजेश सिंह ठाकुर, नगर परिषद उपाध्यक्ष गामा सोनकर, पार्षद मनोरंजन राय, बबलू दाहिया एवं बबलू जैन उपस्थित रहे। सभी जनप्रतिनिधियों ने महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलन किया। मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. दीपक गायकवाड़ ने अतिथियों का स्वागत किया। कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम की जानकारी गिरीश पालीवाल ने दी। कार्यक्रम का संचालन सुधीर गौतम ने किया। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं स्वास्थ्य कर्मियों ने कुष्ठ उन्मूलन की शपथ ली। बताया गया कि कुष्ठ पखवाड़ा 30 जनवरी से 13 फरवरी 2026 तक संचालित किया जाएगा, जिसके अंतर्गत संभावित रोगियों की पहचान एवं उपचार पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

जनभागीदारी से आत्मनिर्भर ग्राम निर्माण का संदेश

"ग्रामोदय से अभ्युदय": बरगी में विकास पखवाड़ा आयोजित

पनागर।

मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद (योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग, म.प्र. शासन) के तत्वावधान में "ग्रामोदय से अभ्युदय" अभियान के अंतर्गत सेक्टर धनगवां के ग्राम बरगी में ग्राम पंचायत स्तरीय विकास पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामों का सर्वांगीण विकास करते हुए प्रत्येक व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाना रहा। कार्यक्रम में जनभागीदारी को सशक्त करने, सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक जागरूकता बढ़ाने तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया गया। ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति की अध्यक्ष श्रीमती रोशनी काछी, कोषाध्यक्ष श्रीमती वर्षा, सहसचिव श्रीमती सोनम सहित समिति सदस्य उपस्थित रहे।

इस अवसर पर ग्राम सरपंच शैलेन्द्र, सचिव लखन, आदिवासी जन कल्याण एवं बाल उत्थान समिति धनगवां की सचिव श्रीमती विनीता आदिवासी तथा स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का सराहनीय सहयोग रहा। विकास पखवाड़ा कार्यक्रम उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ।

एम.पी. ट्रांसको खेलकूद प्रतियोगिता में खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

सुरभि सचान बनीं महिला बैडमिंटन चैंपियन, तबरेज चौधरी ने जीता टेबल टेनिस खिताब

जबलपुर। मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एम.पी. ट्रांसको) की वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता 2026 के तीसरे दिन विभिन्न स्पर्धाओं में खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। महिला बैडमिंटन एकल फाइनल में सुरभि सचान ने माया पटेल को 15–4, 15–7 से पराजित कर खिताब अपने नाम किया। पुरुष टेबल टेनिस एकल फाइनल में तबरेज चौधरी ने सुनील यादव को सीधे सेटों में हराकर चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया। पुरुष युगल कैरम में प्रणय जोशी एवं विकास श्रीवास्तव विजेता रहे, जबकि महिला युगल कैरम में निक्की कोष्टा और इंद्र शिवा सिंह ने खिताब जीता। 50 वर्ष से अधिक आयु वर्ग की सीनियर बैडमिंटन डबल्स स्पर्धा में राजीव अग्रवाल एवं विवेक अग्रवाल विजेता बने। कबड्डी मुकाबले में ई.एच.टी. जॉइंट्स टीम ने टेस्टिंग टाइटंस को 43–31 से हराया। प्रतियोगिता का समापन समारोह आज शाम 4 बजे प्रबंध संचालक सुनील तिवारी की उपस्थिति में होगा।

देवताल शैलपर्ण उद्यान में आज सामूहिक चित्रांकन

जबलपुर स्केचिंग समूह की पहल, कला के साथ स्वच्छता का संदेश

जबलपुर

जबलपुर स्केचिंग समूह के तत्वावधान में शहर के चित्रकार एवं कलाकार रविवार 1 फरवरी को शैलपर्ण उद्यान, देवताल में सामूहिक चित्रांकन एवं रेखांकन करेंगे। सुबह 9 बजे से प्रारंभ होने वाले इस आयोजन में कलाकार अपनी सुविधा अनुसार कैनवास पेंटिंग, वॉटर कलर एवं स्केचिंग करेंगे। यह सत्र दोपहर 12 बजे तक चलेगा। कार्यक्रम में वरिष्ठ चित्रकार अवधेश बाजपेई, ब्रजमोहन आर्य, आकांक्षा ठाकुर, मनोज विश्वकर्मा, परेश दत्त तिवारी सहित ललित कला महाविद्यालय के छात्र भाग लेंगे। चित्रांकन से पूर्व कलाकारों द्वारा उद्यान परिसर में फैले कचरे की सफाई भी की जाएगी। जबलपुर स्केचिंग समूह ने निर्णय लिया है कि भविष्य में प्रत्येक रविवार अथवा अवकाश के दिन शहर के विभिन्न स्थलों पर इस प्रकार के रचनात्मक आयोजन किए जाएंगे। इसमें रुचि रखने वाले सभी कलाकारों का स्वागत है।

शहर में तेज़ी से हो रहा विकास: महापौर अन्नू

सिविल लाइन में 60 लाख की सड़क निर्माण शुरू, गुणवत्ता से नहीं होगा समझौता

जबलपुर। नगर निगम द्वारा शहर में विकास कार्यों को तेज़ गति दी जा रही है। महापौर जगत बहादुर सिंह "अन्नू" ने केन्ट विधानसभा क्षेत्र के विधायक अशोक ईश्वरदास रोहाणी एवं निगमाध्यक्ष रिकुंज विज के साथ सिविल लाइन क्षेत्र में 60 लाख रुपये की लागत से निर्मित की जा रही सड़क का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सड़क निर्माण की गुणवत्ता की मौके पर जांच भी की गई। महापौर अन्नू ने अधिकारियों व ठेकेदारों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता एवं समय सीमा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। लापरवाही बरतने वाले ठेकेदारों एवं अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि अगले माह शहर में 6 करोड़ रुपये की लागत से डामरीकृत सड़कों का निर्माण किया जाएगा, जिसकी स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है। जर्जर सड़कों को प्राथमिकता दी जाएगी, जिससे यातायात व्यवस्था बेहतर होगी। निरीक्षण के दौरान संभागीय यंत्री अभिषेक तिवारी एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

श्रीमती रजनी निगम- चंद्रिका आश्रय परिसर गोरखपुर थाने के निकट निवासी श्री राजेंद्र कुमार निगम की धर्मपत्नी श्रीमती रजनी निगम (51) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री बिशन बिहारीलाल अगवाल- गुप्तेश्वर वार्ड निवासी श्री बिशन बिहारीलाल अग्रवाल (83) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री विजय कुमार चौधरी- बरगी हिल्स पुलिस थाने के पास निवासी श्री विजय कुमार चौधरी (56) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री कुलवंत सिंह दुग्गल- गोरखपुर सनातन धर्म मंदिर के पास निवासी श्री कुलवंत सिंह दुग्गल (82) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री दशरथ चौधरी- चेरीताल निवासी श्री दशरथ चौधरी (62) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री कपूरचंद राजपूत- शीतलामाई भटनागर अस्पताल के पीछे निवासी श्री कपूरचंद राजपूत (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री जगदीश सिंह तोमर- बीटी रोड गुलौआ गढ़ा निवासी श्री जगदीश सिंह तोमर (83) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री अशोक कोरी- बाबा टोला ठक्कर ग्राम निवासी श्री अशोक कोरी (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री केशव राव- प्रगति नगर तिलहरी निवासी श्री केशव राव (67) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती शिवरती बाई बंशकार- करियापाथर निवासी श्री मुन्ना बंशकार की धर्मपत्नी श्रीमती शिवरती बाई बंशकार का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती लक्ष्मी परिहार- उपहार अपार्टमेंट साउथ सिविल लाइन निवासी श्री सुभाष चंद्र परिहार की धर्मपत्नी श्रीमती लक्ष्मी परिहार (64) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती दुर्गा केशरवानी- हृदय नगर गुप्तेश्वर निवासी श्री राधेश्याम केशरवानी की धर्मपत्नी श्रीमती दुर्गा केशरवानी (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती सुधा मणियन- साकेत नगर रांझी निवासी श्री एसबीएस मणियन की धर्मपत्नी श्रीमती सुधा मणियन (71) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती कमला बाई रैदास- साहू मोहल्ला सिद्धबाबा वार्ड निवासी श्री बृजलाल रैदास की धर्मपत्नी श्रीमती कमला बाई रैदास (61) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री विनोद यादव- टेमर भीटा निवासी श्री विनोद यादव (52) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती मुन्नी बाई सोनकर- हनुमानताल थाने के पीछे निवासी श्री भरत लाल सोनकर की धर्मपत्नी श्रीमती मुन्नी बाई सोनकर (66) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती लता कुमारी- चंद्रलोक परिसर मानेगांव रांझी निवासी श्री शक्ति सिंह की धर्मपत्नी श्रीमती लता कुमारी (33) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि
बिजी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग

क्या कृषि नीति में बदलाव के बीज बो पाएगा बजट

उम्मीद है कि एक फरवरी को आने वाला बजट इस बार खेती को सिर्फ कल्याणकारी योजना न मानकर, इसे एक उत्पादक और तकनीकी-सक्षम क्षेत्र के रूप में विकसित करेगा।

बजट 2026 भारत की कृषि नीति में बदलाव के बीज बो सकता है। यह ऐसा क्षेत्र है जो भारत–अमेरिका व्यापार वार्ताओं में एक प्रमुख विवाद बिंदु बनकर उभरा है। खेती के मुद्दे पर ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पलटवार करने का फैसला किया। 7 अगस्त को दिल्ली में ट्रंप द्वारा टैरिफ की घोषणा के एक दिन बाद, उन्होंने कहा कि भारत अपने किसानों, डेयरी क्षेत्र और मछुआरों के कल्याण से कभी समझौता नहीं करेगा। अब सबकी निगाहें इस बात पर हैं कि सीतारमण अपने बही-खाते में भारत के अन्नदाताओं के लिए क्या खोलती हैं। क्या बजट 2026 केवल लेखा-जोखा संतुलित करेगा या घरेलू प्राथमिकताओं और वैश्विक व्यापार दबावों के बीच फंसे इस क्षेत्र के लिए किसी बड़े पुनर्संतुलन का संकेत देगा।

कृषि क्षेत्र
सेंट्रल डेस्क

समय की आवश्यकता

2050 तक भारत की जनसंख्या 1.6 अरब तक पहुंचने का अनुमान है। ऐसे में खाद्य और पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ ही सतत विकास तथा एसडीजी लक्ष्यों के अनुरूप देश की कृषि निर्यात क्षमता को खोलना और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। विशेषज्ञ इस चुनौती से निपटने के लिए 4पी दृष्टिकोण की जरूरत बताते हैं।

प्रोड्यूज (उत्पादन): अनुसंधान एवं विकास में निवेश के जरिए अधिक उत्पादन

प्रोसेस (प्रसंस्करण): मूल्य संवर्धन और अवसंरचना के माध्यम से अधिक उत्पादन मूल्य

प्राइस (कीमत): कुशल आपूर्ति श्रृंखला और बेहतर मूल्य प्राप्ति के जरिए अधिकतम मूल्य

प्रोटेक्ट (संरक्षण): दीर्घकालिक स्थिरता के लिए संसाधनों की लचीली और टिकाऊ सुरक्षा

प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाएं

2026 में भारत वैश्विक मंच पर दो प्रमुख उपलब्धियों के साथ प्रमुख भूमिका में होगा। संयुक्त राष्ट्र ने 2026 को अंतरराष्ट्रीय महिला किसान वर्ष घोषित किया है, जो कृषि-खाद्य प्रणालियों में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका और कृषि व ग्रामीण आजीविका में लैंगिक अंतर को पाटने की तत्काल आवश्यकता को मान्यता देता है। भारत अपनी अध्यक्षता में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा, जो अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने का अवसर देगा। आगामी केंद्रीय बजट महिला-नेतृत्व वाली कृषि पहलों के लिए संसाधन आवंटित कर व वैश्विक कृषि-खाद्य निर्यात में भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने वाले कार्यक्रमों को सशक्त बनाएगा।

अधिक धन की संभावना

पिछले केंद्रीय बजट में कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के लिए आवंटन वित्त वर्ष 2025 में 1.52 लाख करोड़ और वित्त वर्ष 2026 में 1.37 लाख करोड़ रुपये निर्धारित किया गया था, जबकि एमएसपी और इनपुट सब्सिडी सहित क्षेत्र पर वास्तविक प्रभावी व्यय 3.91 लाख करोड़ से अधिक रहा। अनुमान है कि इस क्षेत्र के लिए आवंटन में उत्तर की ओर बढ़त हो सकती है। अधिक आवंटन उभरते क्षेत्रों को प्रोत्साहन देगा और निर्यात लक्ष्यों, आत्मनिर्भरता, अनुसंधान एवं विकास तथा तकनीक-आधारित खेती को समर्थन प्रदान करेगा। यह बजट ऐसे समय में आ रहा है जब कृषि क्षेत्र सुस्ती के दौर से गुजर रहा है।

परिवहन में सड़ते अरबों रुपये

मजबूत अनाज उत्पादन के बावजूद भारत में भंडारण और लॉजिस्टिक्स की कमी के कारण फल और सब्जियों जैसी वस्तुओं का 15% से 20% तक नुकसान हो जाता है। पीडीएस भी रिसाव, अवसंरचना की कमी और बर्बादी जैसी चुनौतियों से जूझ रहा है। यह कृषि उत्पादकता के लिए बड़ी बाधाएं हैं। आगामी बजट में फसल कटाई के बाद प्रबंधन हेतु कोल्ड चेन, आधुनिक गोदाम, प्रसंस्करण इकाइयां और डिजिटल आपूर्ति-श्रृंखला प्रबंधन जैसी कृषि अवसंरचना में निवेश तेज किया जाना चाहिए। मूल्य स्थिरीकरण कोष (पीएसएफ) का विस्तार होना चाहिए। इसका उपयोग पहले से प्याज और दाल की कीमतों को स्थिर करने के लिए किया जा रहा है। अन्य सस्ती आवश्यक वस्तुओं जैसे दाल, आटा और चावल की उपलब्धता नेटवर्क को मजबूत करना, निम्न-आय वर्ग के लिए वहनीयता बनाए रखने में मदद करेगा।

खाद्य सुरक्षा के लिए कदम

सरकार के राष्ट्रीय खाद्य तेल–तिलहन मिशन और आत्मनिर्भर दाल मिशन, आत्मनिर्भरता की स्पष्ट दिशा दर्शाते हैं। इसमें तिलहन के लिए 2030–31 तक 10,103 करोड़ रुपये का प्रावधान है। उत्पादन को 39 मिलियन टन से बढ़ाकर लगभग 70 मिलियन टन करने का लक्ष्य रखा गया है। इसमें 40 लाख हेक्टेयर धान-परती भूमि को तिलहन के तहत लाने की योजना शामिल है। इसी प्रकार 1,000 करोड़ के समर्थन वाले दाल मिशन का लक्ष्य 2027 तक चयनित दालों में आत्मनिर्भरता हासिल करना है, जिसके तहत 126 लाख क्विंटल प्रमाणित बीजों का वितरण और 88 लाख मुफ्त बीज किट उपलब्ध कराई जाएंगी। बजट में इन प्रयासों को और मजबूत करना चाहिए, खासकर इसलिए क्योंकि भारत अभी भी अपनी खाद्य तेल आवश्यकता का लगभग 60% आयात करता है और दालों का भी बड़ा हिस्सा बाहर से लाता है। खाद्य और पोषण सुरक्षा की शुरुआत खेतों से होती है। भारतीय कृषि में पैमाना भी है और स्थायित्व भी। बजट 2026 यह तय करेगा कि सरकार पुरानी लकीरों पर ही हल चलाती रहेगी या इस क्षेत्र को वैश्विक स्तर पर बड़ी फसल काटने में मदद करेगी।

कीटनाशक देश को खाद्य सुरक्षा देने में भी अहम फसल सुरक्षा के लिए स्पष्ट नियमों की दरकार

खाद्य सुरक्षा
सेंट्रल डेस्क

भारतीय कृषि एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ी है। एक ओर देश आत्मविश्वास के साथ स्वयं को वैश्विक खाद्य महाशक्ति, दुनिया के लिए एक विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता और कृषि विनिर्माण के केंद्र के रूप में स्थापित करने की बात करता है। दूसरी ओर फसल सुरक्षा, किसानों की स्थिरता और खाद्य मूल्य संतुलन की रीढ़ से जुड़ा नीतिगत पारिस्थितिकी तंत्र सक्रिय परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। जैसे-जैसे केंद्रीय बजट 2026 नजदीक आ रहा है, यह समय अधिक स्पष्टता, विश्वास और विज्ञान-आधारित निर्णय प्रक्रिया के प्रति नए सिरे से प्रतिबद्धता का अवसर प्रदान करता है। पिछले वर्ष के दौरान फसल सुरक्षा पर सार्वजनिक विमर्श विशेष रूप से सक्रिय रहा है। कीटनाशकों पर अक्सर केवल जोखिम के दृष्टिकोण से चर्चा होती है, जबकि फसल हानि रोकने, किसानों की आय की रक्षा करने और खाद्य मुद्रास्फीति को नियंत्रित रखने में उनकी भूमिका पर अपेक्षाकृत कम ध्यान दिया जाता है। यह असंतुलन ऐसे समय में सामने आता है जब भारतीय किसान हर वर्ष कीटों, रोगों और खरपतवारों के कारण 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की फसलें खो देते हैं। यह ऐसी हानि है जिसे खाद्य सुरक्षा और निर्यात नेतृत्व की आकांक्षा रखने वाला कोई भी देश अनदेखा नहीं कर सकता।

सही संतुलन की जरूरत

प्रस्तावित कीटनाशक प्रबंधन विधेयक, 2025 का उद्देश्य भारत की नियामकीय रूपरेखा को आज की वास्तविकताओं के अनुरूप बनाना है। निगरानी को मजबूत करने, अनुपालन में सुधार लाने और किसानों व उपभोक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने का इरादा समयानुकूल और आवश्यक है। हालांकि, सभी बुनियादी सुधारों की तरह इसका वास्तविक प्रभाव इस बात पर निर्भर करेगा कि इन उद्देश्यों को व्यवहार में कितनी प्रभावी ढंग से लागू किया जाता है। इस दृष्टि से प्रस्तावित कीटनाशक प्रबंधन विधेयक को ऐसे बजट का पूरक समर्थन मिल सकता है, जो नियामकीय क्षमता, आधुनिक परीक्षण अवसंरचना और कुशल मूल्यांकन समयसीमा को सुदृढ़ करे। ये कदम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि नई रूपरेखा सुरक्षित कृषि की ओर पुल का काम करे। इसलिए बजट से फसल सुरक्षा क्षेत्र एक मूलभूत आर्थिक वास्तविकता की स्पष्ट स्वीकृति चाहता है। असल में उपज की रक्षा करना उतना ही

महत्वपूर्ण है जितना उसका उत्पादन करना। इसलिए फसल सुरक्षा उत्पाद उत्पादकता बनाए रखने में अनिवार्य भूमिका निभाते हैं। उन्हें आवश्यक कृषि इनपुट के रूप में मान्यता देना कृषि लचीलापन और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा में उनके योगदान को बेहतर ढंग से प्रतिबिंबित करेगा।

किसान-केंद्रित सुधार होगा जीएसटी को तर्कसंगत बनाना

बजट की सबसे तात्कालिक अपेक्षाओं में से एक है फसल सुरक्षा उत्पादों पर जीएसटी को अधिकतम 5% तक तर्कसंगत बनाना, ताकि उन्हें अन्य उर्वरकों (बायोस्टिमुलेंट/जैविक उत्पादों) के समान स्तर पर लाया जा सके। ऐसा कदम किसानों पर लागत के दबाव को कम करेगा और उच्च गुणवत्ता वाले वैध उत्पादों की उपलब्धता बढ़ाकर जिम्मेदार उपयोग को प्रोत्साहित करेगा। इस दृष्टि से यह रियायत से अधिक एक किसान-केंद्रित सुधार है, जो कृषि मूल्य श्रृंखला में उत्पादकता, सुरक्षा और अनुपालन को मजबूत करता है।

विनिर्माण का अवसर

नए फसल सुरक्षा अणुओं के निर्माण के लिए लक्षित प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) ढांचा वैश्विक स्तर के निवेश आकर्षित करने, घरेलू विनिर्माण क्षमताओं को गहरा करने और भारत को अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखलाओं में अधिक मजबूती से एकीकृत करने में मदद कर सकता है। यह केवल आयात प्रतिस्थापन का मामला नहीं, बल्कि वैश्विक बाजारों के लिए भारत को एक विश्वसनीय और प्रतिस्पर्धी उत्पादक के रूप में स्थापित करने का अवसर है।

नवाचार को वित्तीय समर्थन

फसल सुरक्षा नवाचार विज्ञान-प्रधान, पूंजी-आधारित और स्वाभाविक रूप से दीर्घकालिक प्रक्रिया है। एक नए अणु के विकास में एक दशक से अधिक समय लग सकता है, जिसके लिए सतत निवेश और नियामकीय निश्चितता आवश्यक है। यद्यपि भारत ने विभिन्न क्षेत्रों में नवाचार को मान्यता देने में प्रगति की है, फिर भी कृषि अनुसंधान एवं विकास के लिए वित्तीय समर्थन को और मजबूत करने की गुंजाइश है। भारत फसल सुरक्षा को किसान लचीलापन, निर्यात वृद्धि और खाद्य सुरक्षा के लिए एक रणनीतिक साधन के रूप में सुदृढ़ कर सकता है, यह सुनिश्चित करते हुए कि वित्तीय और नियामकीय ढाँचे राष्ट्रीय महत्वाकांक्षा के अनुरूप आगे बढ़ें। लिया गया निर्णय न केवल उद्योग के परिणामों को प्रभावित करेगा, बल्कि भारत की कृषि अर्थव्यवस्था की दीर्घकालिक स्थिरता और प्रतिस्पर्धात्मकता को भी आकार देगा।

इंश्योरेंस सेक्टर्स को भी चाहिए बड़ी राहत

बीमा
सेंट्रल डेस्क

इंश्योरेंस सेक्टर को बजट 2026 से काफी उम्मीदें हैं। बढ़ती मेडिकल लागत, कम इंश्योरेंस कवरेज और महंगे प्रीमियम को देखते हुए इस सेक्टर को बजट से बड़ी राहत मिलने की उम्मीद भी की जा रही है। इंश्योरेंस सेक्टर को बजट से कई उम्मीदें होती हैं, खासकर टैक्स छूट और पॉलिसीधारकों के लिए सुविधाओं में वृद्धि की ऐसे में आइए जानते हैं इस बजट में इंश्योरेंस सेक्टर के लिए क्या कुछ खास पेश हो सकता है। एक फरवरी को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण केंद्रीय बजट 2026 पेश करने वाली है। ऐसे में अब देखना यह है कि बजट 2026 में वित्त मंत्री क्या क्या ऐलान करती हैं और इन ऐलानों से आम लोगों और अलग अलग सेक्टर्स को क्या क्या लाभ मिलता है। बात करें इंश्योरेंस सेक्टर की तो इंश्योरेंस सेक्टर को बजट 2026 से काफी उम्मीदें हैं। बढ़ती मेडिकल लागत, कम इंश्योरेंस कवरेज और महंगे प्रीमियम को देखते हुए इस सेक्टर को बजट से बड़ी राहत मिलने की उम्मीद भी की जा रही है।

- वित्त मंत्री एक फरवरी को कर सकती हैं बड़े ऐलान

सेक्शन 80डी की टैक्स सीमा

इलाज और मेडिकल खर्च लगातार तेजी से बढ़ रहे हैं। बावजूद इसके इनकम टैक्स एक्ट की धारा 80डी के तहत हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम पर मिलने वाली 25,000 रुपये की टैक्स कटौती सीमा कई सालों से बिना बदलाव के बनी हुई है। ऐसे में इस समय में यह सीमा आम लोगों को पर्याप्त राहत नहीं देती है। ऐसे में अब उम्मीद है कि सरकार इस बजट में इस सीमा को 25,000 रुपये से बढ़ाकर 50,000 रुपये कर सकती है।

टर्म इंश्योरेंस पर फोकस

भारत में आज भी बड़ी संख्या में लोगों के पास पर्याप्त लाइफ इंश्योरेंस सुरक्षा कवर नहीं है। रिपोर्ट्स के अनुसार, देश में करीब 17 ट्रिलियन डॉलर का मॉर्टलिटी प्रोटेक्शन गैप मौजूद है यानी लोगों को जितनी जीवन बीमा सुरक्षा की जरूरत है, उसके मुकाबले लगभग 83 प्रतिशत जरूरतें अब भी पूरी नहीं हो पाई हैं। ऐसे में सरकार को टर्म इंश्योरेंस को प्रोत्साहन देना चाहिए। इसके लिए हेल्थ इंश्योरेंस पर टैक्स छूट, टर्म इंश्योरेंस प्रीमियम पर अलग टैक्स छूट मिलनी चाहिए।

जीएसटी और इंश्योरेंस प्रीमियम

इंश्योरेंस सेक्टर लंबे समय से जीएसटी से जुड़ी राहत की मांग कर रहा है. बीमा कंपनियां केवल जीएसटी से छूट नहीं, बल्कि पूरे सेक्टर को जीरो-रेटेड दर्जा दिए जाने की मांग कर रही हैं। अगर इंश्योरेंस को जीरो-रेटेड किया जाता है, तो कंपनियां अपने रोजमर्रा के खर्चों पर चुकाए गए टैक्स का इनपुट टैक्स क्रेडिट ले सकेंगी। इससे यह अतिरिक्त टैक्स बोझ प्रीमियम में नहीं जोड़ा जाएगा और ग्राहकों को कम प्रीमियम देना पड़ेगा।

यह भी चाहिए

- **टैक्स छूट:** इंश्योरेंस पॉलिसियों पर टैक्स छूट की सीमा बढ़ाने की मांग।
- **पॉलिसीधारकों के लिए सुविधाएं :** पॉलिसीधारकों के लिए क्लेम सेटलमेंट प्रक्रिया को सरल बनाने और अधिक सुविधाएं प्रदान करने की उम्मीद।
- **इंश्योरेंस पेनेट्रेशन बढ़ाना :** इंश्योरेंस सेवाओं को अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए सरकार से समर्थन की उम्मीद।
- **नियमों में बदलाव :** इंश्योरेंस सेक्टर को अधिक लेबल प्लेयरों को आकर्षित करने और विकास को बढ़ावा देने के लिए नियमों में बदलाव की उम्मीद।

यह भी जानिये

किस वित्त मंत्री ने पेश किए कितने बजट

भारत में हर साल 1 फरवरी के केंद्रीय बजट पेश किया जाता है। यह बजट भारत के वित्त मंत्री द्वारा पेश किया जाता है। हर साल की तरह इस साल भी केंद्रीय बजट 2026 आने वाली 1 फरवरी को भारत, की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किया जाएगा। 1947 में आजादी के बाद से अब तक भारत के कई वित्त मंत्रियों ने संसद में बजट पेश किए हैं। कुछ वित्त मंत्री थोड़े समय के लिए रहे और कम बजट पेश किए। वहीं, कुछ वित्त मंत्री लंबे समय के लिए रहें और उन्होंने कई बजट पेश किए। आज हम आपको इसी के बारे में बताने वाले हैं। हम आपको बताएंगे कि 1947 में आजादी के बाद से भारत के किन वित्त मंत्रियों ने कितने बजट पेश किए। आइए जानते हैं पूरी जानकारी।

आजादी के बाद पहला बजट

- आर. के. शनमुखम चेट्टी आजादी के बाद भारत के पहले वित्त मंत्री थे. उन्होने 26 नवंबर 1947 में स्वतंत्र भारत का पहला बजट पेश किया था। आर. के. शनमुखम चेट्टी एक वकील और इकोनॉमिस्ट भी थे।
- भारत के सबसे ज्यादा बजट पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई ने पेश किए हैं. उन्होंने कुल 10 बजट पेश किए हैं। हालांकि, यह 10 बजट उन्होंने लगातार पेश नहीं किए। उन्होंने पहले 1959 से 1964 के बीच 6 बजट पेश किए और 1967 से 1969 के बीच 4 बजट पेश किए।
- पी चिदंबरम भारत के पूर्व वित्त मंत्री रहे हैं। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान कुल 9 बजट पेश किए। उन्होंने अपना पहला बजट 1996 में पेश किया था. वहीं साल 2004 से 2008 के बीच उन्होंने 5 बजट पेश किए. बाद में वह साल 2009 में एक बार फिर वित्त मंत्री बनें और उन्होंने साल 2013 से 2014 के बीच बजट पेश किए।
- पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने भी भारत में बजट पेश किए हैं। उन्होंने पहले वित्त मंत्री के रूप में भी कार्यकाल संभाला था। इस दौरान उन्होंने कुल 8 बजट पेश किए थे। उन्होंने पहले 3 बजट साल 1982 से 1984 के बीच पेश किए। वहीं साल 2009 से 2011 के बीच उन्होंने 5 बजट पेश किए।
- निर्मला सीतारमण भारत की वर्तमान वित्त मंत्री है और वह साल 2019 से इस पद पर है। अब तक वहां 8 बजट पेश कर चुकी हैं और आने वाली 1 फरवरी को वह 9वां बजट पेश करने वाली हैं।

बजट से कंपनियों को बड़ी उम्मीद, अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने का खाका तैयार

बजट में इन सेक्टर्स पर फोकस बढ़ेगा तो बदलेगी ग्रोथ की तस्वीर लॉजिस्टिक कॉस्ट घटेगी, निवेश बढ़ेगा और रोजगार पैदा होंगे

इंफ्रास्ट्रक्चर, मैन्युफैक्चरिंग, ग्रीन एनर्जी और एमएसएमई पर भी ध्यान दे केंद्र सरकार

इन्फ्रा
सेंट्रल डेस्क

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी को आम बजट पेश करेंगी। इस बजट से भारतीय कंपनियों को कई बड़ी उम्मीदें हैं। उद्योगों से जुड़े विशेषज्ञों का कहना है कि केंद्र सरकार को इस बार बजट में इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने, मैन्युफैक्चरिंग में वैल्यू एडिशन बढ़ाने, ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने और एमएसएमई सेक्टर को सस्ता और आसान कर्ज दिलाने पर खास फोकस करना चाहिए, ताकि लॉजिस्टिक कॉस्ट घटे और बिजनेस की रफ्तार बनी रहे। इंडस्ट्री के एक्सपर्ट्स का कहना है कि मौजूदा वैश्विक हालात में ग्रोथ बनाए रखने के लिए शॉर्ट टर्म राहत से ज्यादा जरूरी है कि अर्थव्यवस्था की बुनियाद को मजबूत किया जाए। कंपनियों का भरोसा बढ़ेगा व लंबे समय में देश की प्रतिस्पर्धा क्षमता भी बेहतर होगी।

ग्लोबल तनाव बढ़ा रहे चुनौतियां

अमेरिका के बढ़ते टैरिफ, लगातार चल रहे जियो-पॉलिटिक्स तनाव और सप्लाई चेन में बदलावों की वजह से कंपनियों के लिए अब लागत को काबू में रखना, नीति की स्थिरता और प्रोजेक्ट्स को समय पर पूरा करना बहुत अहम हो गया है। यही वजह है कि निवेश और व्यापार से जुड़े फैसले पहले से ज्यादा सोच-समझकर लिए जा रहे हैं।

भारत की स्थिति बेहतर

दुनिया भर में कंपनियों को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन भारत की घरेलू अर्थव्यवस्था पहले की तुलना में मजबूत स्थिति में है। इसकी वजह सरकार का पब्लिक इन्वेस्टमेंट पर लगातार फोकस, टैक्स सुधार और कंपनियों की बेहतर बैलेंस शीट है। अब चुनौती यह है कि इस मजबूती को लंबे समय तक टिकाऊ ग्रोथ में बदला जाए और मैन्युफैक्चरिंग व एक्सपोर्ट को और मजबूत किया जाए।

कम हुई लॉजिस्टिक कॉस्ट

पिछले एक दशक में सरकार ने सड़क, रेलवे और इंफ्रास्ट्रक्चर में लगातार निवेश बढ़ाया है, जिससे कनेक्टिविटी बेहतर हुई है। वित्तवर्ष 18 से वित्तवर्ष 26 के बीच इंफ्रास्ट्रक्चर पर बजट सपोर्ट करीब 12% सीएजीआर से बढ़ा है। इसका असर यह हुआ है कि देश की लॉजिस्टिक कॉस्ट घटकर अब करीब 7.97% रह गई है। चूंकि रेलवे सामान ढोने का सबसे सस्ता जरिया है, इसलिए बजट में रेलवे की क्षमता बढ़ाने और प्राइवेट सेक्टर के लिए कार्गो सुविधा बढ़ाने पर जोर जारी रहना चाहिए। इसके साथ ही सड़कों पर कैपेक्स बनाए रखते हुए बीओटी मॉडल के जरिए निजी निवेश को भी बढ़ावा देना जरूरी है।

मैन्युफैक्चरिंग को मजबूत करने की जरूरत

भारत में मैन्युफैक्चरिंग का योगदान जीडीपी में अभी करीब 17% है, जबकि सरकार का लक्ष्य इसे 25% तक ले जाना है। पीएलआई स्कीम (1.9 लाख करोड़, 14 सेक्टर) से कुछ फायदा जरूर हुआ है, लेकिन अब भी लोकल मैन्युफैक्चरिंग, लागत और एग्जिक्यूशन से जुड़ी कई चुनौतियां बनी हुई हैं। इसलिए बजट में रिसर्च एंड डेवलपमेंट, टेक्निकल स्किल और इनोवेशन पर टैक्स छूट या इंसेंटिव देने की जरूरत है, खासतौर पर इलेक्ट्रॉनिक्स, ईवी, डेटा सेंटर, एनर्जी स्टोरेज और सोलर जैसे सेक्टरों में।

ग्रीन एनर्जी पर भरोसेमंद पॉलिसी जरूरी

भारत ने 2030 तक जीडीपी की एमिशन इंटेंसिटी 45% घटाने, 500 जीडब्ल्यू नॉन-फॉसिल पावर कैपेसिटी हासिल करने और 2070 तक नेट-जीरो बनने का लक्ष्य रखा है। अब कंपनियों को जरूरत है स्पष्ट पॉलिसी और लॉन्ग टर्म फंडिंग की, ताकि वे भरोसे के साथ ग्रीन प्रोजेक्ट्स में निवेश कर सकें। बजट से उम्मीद है कि ग्रीन इन्वेस्टमेंट के लिए बेहतर फाइनेंसिंग सिस्टम बने, क्लीन एनर्जी क्लस्टर विकसित हों और प्रोजेक्ट्स को तेजी से लागू किया जा सके।

एमएसएमई को सस्ता और आसान लोन मिलना जरूरी

एमएसएमई सेक्टर देश के जीडीपी का करीब 30% और एक्सपोर्ट का 45% योगदान देता है, लेकिन इन्हें अब भी महंगा कर्ज और पेमेंट डिले जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। बजट में ऐसे कदम जरूरी हैं, जिससे एमएसएमई को तेजी से और कम ब्याज पर लोन मिल सके। इसके साथ ही मुद्रा योजना के तहत लोन की सीमा बढ़ाने की जरूरत है, क्योंकि प्रोजेक्ट्स की लागत अब पहले से कहीं ज्यादा हो चुकी है।

इन क्षेत्रों को भी चाहिए बूस्ट

फार्मा और मेडटेक को लेकर बड़ी उम्मीद

बजट 2026 में सरकार को फार्मा और मेडिकल डिवाइस सेक्टर में आत्मनिर्भरता पर जोर देना चाहिए। उनका सुझाव है कि मेडिकल डिवाइस सेक्टर के लिए 10,000 करोड़ रुपये का पीएलआई पैकेज दिया जाना चाहिए, जिससे ऑन्कोलॉजी, इमेजिंग और इम्प्लांट जैसे सेगमेंट में घरेलू मैन्युफैक्चरिंग बढ़े। जीवन कसारा के मुताबिक, अगर यह पीएलआई सपोर्ट मिलता है, तो भारत की मेडिकल डिवाइसेज में 70% तक की आयात निर्भरता घट सकती है और 2030 तक देश में 1.2 लाख करोड़ रुपये का घरेलू उत्पादन खड़ा किया जा सकता है।

भारत में वायुमार्गीय यात्रा अप्रत्याशित रूप में असुरक्षित हुई है, इसमें संदेह नहीं है। प्रतिवर्ष कोई न कोई विमान दुर्घटना हो रही है, जो मानव को आधुनिकता तथा विज्ञान के अभिशाप से निरंतर परिचित करा रही है। बढ़ती आबादी, मध्यम वर्ग का विस्तार, व्यापार और पर्यटन में वृद्धि तथा क्षेत्रीय कनेक्टिविटी की बढ़ती मांग ने हवाई यात्रा को अब केवल लग्जरी नहीं, बल्कि जरूरत बना दिया है। वहीं, देखने में आता है कि राजनीतिक दबाव या समय की कमी के कारण विमान चालक प्रतिकूल मौसम में भी उड़ान भरने का जोखिम उठाते हैं, जबकि मौसम की प्रतिकूलता की स्थिति में राजनीतिक दबाव की तुलना में उड्डयन मानकों का कठोरतापूर्वक पालन सुनिश्चित होना अधिक महत्वपूर्ण होना चाहिए। कह सकते हैं कि एविएशन सेक्टर में एक तरफ विकास की अपार संभावनाएं हैं तो दूसरी तरफ चुनौतियां भी मौजूद हैं। इसके लिए सरकार को इस क्षेत्र में कनेक्टिविटी के साथ-साथ सिस्टम और सुरक्षा को भी मजबूत बनाना होगा, ताकि विमान हादसों पर यथासंभव रोक लगाई जा सके। दीर्घकालिक नीति, स्थिर निवेश, कौशल विकास, तकनीकी नवाचार और पर्यावरण-अनुकूल दृष्टिकोण अपनाकर ही इस क्षेत्र को वास्तव में सशक्त बनाया जा सकता है। इसी का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

चुनौतियों से घिरीं वायुमार्गीय यात्राएं

विश्लेषण

विकेश कुमार बडोला

वरिष्ठ पत्रकार

हाल ही में हुई विमान दुर्घटना में महाराष्ट्र के उप-मुख्यमंत्री अजित पवार की असामयिक मृत्यु ने देश में वीआईपी वायु यात्रा और वायु मार्गों के सुरक्षा प्रबंधन पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। भारत जैसे विशाल तथा सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश में राजनीतिक गतिविधियों और शासन के सुचारू संचालन के लिए आज विमान यात्रा एक आवश्यकता बन चुकी है, किंतु आवश्यकता के बढ़ने पर भी अधि संख्या में होने वाली विमान यात्राओं की शत-प्रतिशत सुरक्षा सुनिश्चित नहीं हो सकी है।

विमानों के माध्यम से वायुमार्गीय यात्रा अप्रत्याशित रूप में असुरक्षित हुई है, इसमें संदेह नहीं है। प्रतिवर्ष कोई न कोई विमान दुर्घटना हो ही रही है, जो मानव को आधुनिकता तथा विज्ञान के अभिशाप से निरंतर परिचित करा रही है। सीडीएस विपिन रावत का हेलिकॉप्टर, गुजरात में बोइंग विमान और अब महाराष्ट्र में अजित पवार का निजी विमान, सभी भयंकर रूप में दुर्घटनाग्रस्त हुए हैं। उप-मुख्यमंत्री अजित पवार की विमान दुर्घटना में असामयिक मृत्यु ने देश में वीआईपी वायु यात्रा और वायु मार्गों के सुरक्षा प्रबंधन पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। भारत जैसे विशाल तथा सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश में राजनीतिक गतिविधियों और शासन के सुचारू संचालन के लिए आज विमान यात्रा एक आवश्यकता बन चुकी है, किंतु आवश्यकता के बढ़ने पर भी अधि संख्या में होने वाली विमान यात्राओं की शत-प्रतिशत सुरक्षा सुनिश्चित नहीं हो सकी है।

हवाई पट्टियों का समुचित प्रबंधन

नवीन विमान दुर्घटना ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया है। यह घटना केवल एक व्यक्तिगत क्षति नहीं है, बल्कि इसने हमारे देश के विमानन सुरक्षा नवाचार तथा विशेष रूप में लघु नगरों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित हवाई पट्टियों के समुचित प्रबंधन पर एक बड़ा प्रश्नचिह्न लगा दिया है। अजित पवार की मृत्यु ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वायुमार्गीय वीआईपी आवागमन की समयावधि में सुरक्षा के उच्चतम मानकों में थोड़ी सी भी चूक प्राणघाती सिद्ध हो सकती है। अभी भारत में कई ऐसी हवाई पट्टियां हैं जो जनपदीय प्रशासन के अधीन हैं, जहां नागरिक उड्डयन महानिदेशालय के निर्दिष्ट मानकों का पूर्ण पालन प्रायः चुनौतीपूर्ण होता है।

इस स्थिति में हवाई पट्टियों का समुचित संचालन अत्यावश्यक हो जाता है, और ऐसा होने पर ही वायुमार्ग का आवागमन सुरक्षा की परिधि में हो सकता है। विमान दुर्घटनाओं की त्रासदी के आलोक में, वीआईपी आवागमन को सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित करने के लिए अनेक कार्य करने होंगे। इसके लिए सर्वप्रथम विमानन के बुनियादी ढांचे का आधुनिकीकरण आवश्यक है।

नेविगेशन की सुविधाएं नगण्य

देश में अधिसंख्य अस्थायी अथवा लघु आकार की हवाई पट्टियों पर रात्रि में विमान को उतारने की सुविधाएं व प्रबंधकीय व्यवस्थाएं अपर्याप्त हैं। प्रतिकूल वातावरण में नेविगेशन की सुविधाएं नगण्य हैं। जो सुविधाएं हैं, वे भी पुरानी हैं। इस दिशा में जो भी सुधार किए जाने हैं, वे तत्काल प्रभाव से युद्ध स्तर पर किए जाने चाहिए। इसके अंतर्गत सभी सक्रिय हवाई पट्टियों पर सटीक दृष्टिकोण पथसंकेतक लगाये जाएं। आधुनिक प्रकाश प्रणाली स्थापित की जाएं। रनवे की सतह और उसकी लंबाई का नियमित रूप में सुरक्षा परीक्षण अनिवार्य हो। मौसम संबंधी पूर्वानुमान प्रणाली को दुर्घटनाओं की चुनौतियों के अनुसार सुदृढ़ किया जाना चाहिए। पहाड़ी या तटीय क्षेत्रों में, जहां मौसम क्षण-प्रतिक्षण परिवर्तित होता रहता है, वहां के लिए विशिष्ट पूर्वानुमान प्रणालियां सुव्यवस्थित ढंग से क्रियान्वित हों। उड़ानों के लिए केवल सामान्य मौसमीय जानकारी पर निर्भर रहने की तुलना में, हवाई पट्टियों पर प्रतिक्षण की मौसमीय जानकारी देने वाले स्वचालित मौसम सूचना प्रणालियां स्थापित की जाएं। विमान चालकों को उड़ान भरने से ठीक पहले मौसम की उपयुक्त जानकारी सुनिश्चित की जाए।

उड्डयन मानकों का पालन

प्रायः देखने में आता है कि राजनीतिक दबाव या समय की कमी के कारण विमान चालक प्रतिकूल मौसम में भी उड़ान भरने का जोखिम उठाते हैं। जबकि मौसम की प्रतिकूलता की स्थिति में राजनीतिक दबाव की तुलना में उड्डयन मानकों का कठोरतापूर्वक पालन सुनिश्चित होना अधिक महत्वपूर्ण होगा। वीआईपी आवागमन का अंतिम निर्णय विमान चालक के स्तर पर होना चाहिए। वहीं निश्चित करें कि उड़ान भरी जानी है अथवा स्थगित करनी है। यदि विमान चालक मौसम या तकनीकी कारणों से उड़ान भरने से मना करता है, तो बिना किसी प्रशासनिक दबाव के उसे स्वीकार किया जाना चाहिए। इसके लिए सुरक्षा संबंधी अतिरिक्त समय-निर्धारण की कार्यसंस्कृति विकसित की जाए, जिसमें निर्धारण हेतु निर्णायक की भूमिका में विमान चालक ही हो। उड्डयन संबंधी जो भी मानक संचालन प्रक्रिया निर्धारित है, उसका हर परिस्थिति में कठोरतापूर्वक पालन हो। वैसे तो नागरिक उड्डयन महानिदेशक के पास वीआईपी आवागमन के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश होते हैं, किंतु धरातल पर इनका पालन नहीं होता। देखा गया है कि राजनीतिक मनमर्जी ऐसे दिशा-निर्देशों का पालन नहीं करने देती। इस स्थिति पर उड्डयन संबंधी नियमों का कठोर नियंत्रण सुनिश्चित होना चाहिए।

ईंधन गुणवत्ता की सघन जांच

उड़ान से पूर्व विमानों की तकनीकी उपयुक्तता का प्रमाणपत्र तथा ईंधन की गुणवत्ता की द्विस्तरीय सघन जांच होनी चाहिए। विमान को भूमि पर उतारने तथा उड़ान की समयावधि में विमान स्थल के कर्मचारियों और अग्निशमन संसाधनों की उपलब्धता अत्यंत अनिवार्य हो। विमान चालकों का प्रशिक्षण यदि गुणवत्तापूर्ण होगा तथा यदि उनके अधि कार्यघंटों को ध्यान में रख समुचित विश्राम देने का प्रबंधन नियमित होगा, तो भी दुर्घटनाओं की संभावनायें कम होंगी।

चालकों को हो विशेष अनुभव

देखा जाता है कि प्रायः एक ही चालक दल निरंतर कई यात्राओं में उड़ान व्यस्त होता है। यह स्थिति तत्काल प्रभाव से बदली जानी चाहिए। वीआईपी उड़ानों के लिए चालकों का विशेष अनुभव भी निर्धारित होना चाहिए। उन्नत संचार तकनीकों की भी वायुमार्गीय विमान यात्रा को सुरक्षित करने में व्यापक भूमिका हो सकती है।

इसके साथ ही, ध्यान रहे कि जिनके पास इनके संचालन का कार्यदायित्व हो, वे कार्य के प्रति निष्ठापूर्वक होकर समर्पित रहें।

संभावनाओं के साथ चुनौतियां भी कम नहीं

दृष्टिकोण

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ

भारत का एविएशन सेक्टर दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में से एक है। पिछले कुछ सालों में हवाई यात्रा करने वाले लोगों की संख्या बहुत बढ़ी है, लेकिन विमानों की कमी एक बड़ी समस्या बनी हुई है। इस साल एविएशन सेक्टर का भविष्य मिश्रित दिखाई देता है। एक तरफ विकास की संभावनाएं हैं, दूसरी तरफ चुनौतियां - जैसे विमान और पायलटों की कमी तथा वित्तीय नुकसान। सबसे पहले, विमानों की कमी की वजह समझते हैं। भारत में एयरलाइंस जैसे इंडिगो, एयर इंडिया और स्पाइसजेट तेजी से फैल रही हैं। विमान बनाने वाली कंपनियां जैसे बोइंग और एयरबस समय पर विमान नहीं दे पा रही हैं। सप्लाई चेन की समस्या, कच्चे माल की कमी और मजदूरों की कमी से उत्पादन प्रभावित हो रहा है। जानकारों का मानना है, 2026 में घरेलू हवाई यात्री ट्रैफिक में सिर्फ 0-3% की बढ़ोतरी हो सकती है। वैश्विक स्तर पर देखें तो अंतरराष्ट्रीय हवाई परिवहन संघ (आईएटीए) की रिपोर्ट कहती है कि 2026 में हवाई यात्री ट्रैफिक में 4.9% की बढ़ोतरी होगी। भारत इसमें बड़ा योगदान देगा, क्योंकि यहां अर्थव्यवस्था मजबूत है और मध्यम वर्ग बढ़ रहा है। 2026 में एविएशन सेक्टर कैसा रहेगा? सकारात्मक पक्ष से शुरू करें। बोइंग ने घोषणा की है कि 2026 में भारतीय एयरलाइंस को 25 नए विमान दिए जाएंगे। यह क्षमता बढ़ाएगा और कनेक्टिविटी बेहतर होगी। कुल मिलाकर, भारत का फ्लीट 2026 में 100 से ज्यादा विमानों से बढ़ सकता है। एयरबस का अनुमान है कि 2035 तक भारत का कमर्शियल फ्लीट तीन गुना होकर 2250 विमानों तक पहुंच जाएगा। अभी यह 850 के आसपास है। यूनियन बजट में एविएशन पर फोकस है। इंफ्रास्ट्रक्चर सुधार, एयरपोर्ट क्षमता बढ़ाना और सुरक्षा पर जोर दिया जा रहा है। विंग्स इंडिया 2026 जैसे इवेंट में नए सौदे और निवेश की बात हो रही है। बोइंग का कहना है कि 2044 तक भारत और दक्षिण एशिया को 3300 नए विमानों की जरूरत होगी, जिसमें 90% सिंगल-आइसल जेट होंगे। इससे रोजगार बढ़ेगा और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, लेकिन चुनौतियां भी कम नहीं हैं। विमानों की कमी से एयरलाइंस ग्रोथ नहीं कर पा रही हैं। जानकारी के अनुसार, 2026 में वैश्विक स्तर पर 120 बिलियन डॉलर के नए विमान डिलीवर होंगे। भारत में पायलटों की कमी एक बड़ी समस्या है। बिजनेस एविएशन में पायलट शॉर्टेज और मेंटेनेंस की दिक्कतें हैं। 2035 तक 35,000 पायलटों की जरूरत होगी, अभी सिर्फ 12,000 हैं। टेक्निकल स्टाफ भी तीन गुना बढ़ाना पड़ेगा। अब बात सुधार की। एविएशन सेक्टर में सुधार के लिए कई कदम उठाए जा सकते हैं। सबसे पहले, सरकार को इंफ्रास्ट्रक्चर पर और निवेश करना चाहिए। इकोनॉमिक सर्वे 2025-26 में कहा गया है कि एविएशन, पोर्ट्स और शिपिंग में मजबूत ग्रोथ होगी, और जीडीपी ग्रोथ 7% तक पहुंच सकती है। 10 सालों में 200 एयरपोर्ट हो सकते हैं, अभी 150 हैं। मेक इन इंडिया के तहत विमान पार्ट्स बनाने वाली फैक्टरियां लगाएं। बोइंग और एयरबस से ज्यादा पार्टनरशिप करें। पायलट ट्रेनिंग के लिए नए संस्थान खोलें। मेंटेनेंस के लिए स्पेयर पार्ट्स की लोकल सप्लाई चेन बनाएं। टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करें, जैसे एआई से उड़ान शेड्यूल ऑप्टिमाइज करें और साइबर सिक्योरिटी मजबूत करें। एयरलाइंस को फाइनेंशियल सपोर्ट दें, जैसे टैक्स छूट। सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल (एसएएफ) पर फोकस करें ताकि पर्यावरण सुरक्षित रहे। 2025 में हुई दुर्घटनाओं से सीखें और ट्रेनिंग प्रोग्राम चलाएं। कुल मिलाकर, अगर ये सुधार किए गए तो 2027 में ट्रैफिक 6-8% बढ़ सकता है। इस बाबत ईमानदारी से प्रयास किए जाने जरूरी हैं। बेशक, 2026 में भारत का एविएशन सेक्टर चुनौतियों से भरा रहेगा, लेकिन विकास की राह पर है। विमानों की कमी से निपटने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। अधिकतर एयरलाइंसों का अपने मुसाफिरों को लेकर रवैया कोई बहुत सही तरह का नहीं रहता। राजधानी के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर ही अराजकता फैली रहती है। मुसाफिरों को यहां से वहां धक्के खाने पड़ते हैं। अगर सरकार, एयरलाइंस और मैन्युफैक्चरर्स मिलकर काम करें तो भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा एविएशन मार्केट बन सकता है। यह न सिर्फ अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगा बल्कि लाखों लोगों को रोजगार देगा। उम्मीद है कि आने वाले महीनों में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे।

बोइंग का कहना है कि 2044 तक भारत और दक्षिण एशिया को 3300 नए विमानों की जरूरत होगी, जिसमें 90% सिंगल-आइजल जेट होंगे। इससे रोजगार बढ़ेगा और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, लेकिन चुनौतियां भी कम नहीं हैं। विमानों की कमी से एयरलाइंस ग्रोथ नहीं कर पा रही हैं।

हवाई आधारभूत संरचना में मजबूती लाना जरूरी

मुद्दा

वरिष्ठ पत्रकार

योगेश कुमार सोनी

बीती 28 जनवरी को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार का विमान हादसे में निधन हो गया। इस घटना से पूरे राजनीतिक जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अनुसार विजिबिलिटी कम होने की वजह से बारामती में रनवे नहीं दिखा और लैंडिंग की कोशिश नाकाम हो गई थी, इसलिए यह हादसा हुआ। इस घटना के बाद से सवाल उठ रहे हैं कि विमान दुर्घटना की जांच को लेकर भारत में इसके लिए कितना इंफ्रास्ट्रक्चर है? और यह सच संपूर्ण रूप से बाहर आ पाता है या नहीं कि दुर्घटना किस वजह से हुई? कमर्शियल से लेकर प्राइवेट प्लेन तक दुर्घटनाओं की चपेट में आ रहे हैं। जबकि भारत ही नहीं, पूरी दुनिया में प्लेन का सफर सबसे ज्यादा जोखिम भरा माना जाता है। चूंकि यदि छोटी सी भी घटना या प्लेन में कोई कमी हो जाए तो निश्चित तौर पर मौत तय है और इसलिए प्लेन की पूरी तरह से जांच होनी अनिवार्य होती है। इस क्षेत्र के विशेषज्ञों का मानना यह है कि जिस स्तर पर भारत की जनसंख्या बढ़ी और हर तरह के विमान में बढ़ोतरी हुई, उस स्तर पर सिस्टम अपडेट व अपग्रेड नहीं हुआ। आंकड़ों के अनुसार पिछले पांच साल में भारत में कुल 53 हवाई हादसे हुए हैं। इन हादसों में कुल 320 से ज्यादा लोगों की जान गई है। जबकि करीब 180 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

वहीं, साल 1947 से लेकर अब तक हुए हादसों में 2,000 से अधिक लोगों की जान गई है। भारत में कुल 487 हवाई अड्डे और हवाई पट्टियां हैं जिनमें से भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण 137 का प्रबंधन करता है इनमें 34 अंतरराष्ट्रीय और कई घरेलू हवाई अड्डे शामिल हैं और भारत में लगभग 148 परिचालन हवाई अड्डे हैं, जो यात्रियों को कनेक्टिविटी प्रदान करते हैं। यह कमर्शियल व प्राइवेट दोनों के लिए हैं। देश में लगभग हर वर्ष एक बड़ा विमान हादसा हो रहा है। इससे तंत्र प्रणाली को सबक लेना चाहिए, चूंकि केवल बजट पारित करने के अलावा हाई टेक सिस्टम के साथ अपडेट होने की जरूरत है। विशेषज्ञों के अनुसार खासतौर पर टेकऑफ और लैंडिंग के दौरान मौसम का असर सबसे घातक साबित होता है। मौसम सीधे तौर पर विमान की विजिबिलिटी बैलेंस, इंजन कैपेसिटी और पायलट के निर्णय को प्रभावित करता है। खराब मौसम में एक छोटी-सी चूक भी बड़ी दुर्घटना में बदल सकती है। एक्सपर्ट्स के अनुसार किसी भी फ्लाइट के कुल समय का केवल 5 से 6 प्रतिशत हिस्सा टेकऑफ और लैंडिंग में लगता है लेकिन 70 प्रतिशत से ज्यादा हवाई हादसे इसी चरण में होते हैं और इसके लिए हम किसी भी रूप में अपडेट नहीं हो पाते। यही कारण है कि हम विमान के हादसे की सही से जांच नहीं कर पाते। इसकी वजह से अधिकतर मामलों में सच सामने आ ही नहीं पाता। हमारा इंफ्रा उतना मजबूत नहीं है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय मुख्य काम हवाई अड्डों की योजना, सुरक्षा, विमान नियम बनाना और हवाई यातायात सेवाओं की देखरेख करना है, लेकिन इतने बड़े मंत्रालय के पास अधिकतर अपने कार्य से संबंधित उत्तर नहीं होता तो इसमें आम आदमी को सही उत्तर कहां से मिलेगा। यदि भारत में इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़े तो उसके लिए हमारे पास अधिकतर रूट पर बहुत ज्यादा विकल्प नहीं है और स्थिति तो यह भी है कि बड़े-बड़े एयरपोर्ट के पास तक कॉलोनियां बसी हुई हैं। हम हादसों से पहले कभी जागते नहीं और कुछ दिन मात्र अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर फिर से पुराने ढर्रे पर चल पड़ते हैं। बहरहाल, कोई भी सरकार नहीं चाहती कि इस तरह के हादसे हों, लेकिन यदि किसी घटना की आशंका जिस वजह से ज्यादा हो, उस पर गंभीरता दिखाना सरकार का कर्तव्य माना जाता है। उड्डयन तंत्र प्रणाली को लेकर भी अब सजग होना अनिवार्य है। हमारे देश में हर रोज लगभग 6 लाख लोग हवाई सफर करते हैं। हवा में यात्रा करना भरोसा होता है सिस्टम पर, चूंकि एक विमान में 600 तक लोगों के बैठने की क्षमता होती है और उसके संचालित करने के लिए टीम होती है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि बीते दशक भर में हमारे देश में सड़कों पर बहुत बड़े स्तर पर काम हुआ है और हम इसी तरह की उम्मीद हवाई यात्रा की तंत्र प्रणाली के लिए करते हैं ,चूंकि अब हवाई सफर करने वालों की संख्या हर रोज बढ़ रही है।

विशेषज्ञों का मानना यह है कि जिस स्तर पर भारत की जनसंख्या बढ़ी और हर तरह के विमान में बढ़ोतरी हुई, उस स्तर पर सिस्टम अपडेट व अपग्रेड नहीं हुआ।

कनेक्टिविटी के साथ-साथ सिस्टम पर भी ध्यान दे सरकार

व्यवस्था

रवि शंकर

स्वतंत्र पत्रकार

भारतीय एविएशन सेक्टर तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन क्रैश, साइबर अटैक, तकनीकी खराबियों और उड़ानों में अव्यवस्था ने सुरक्षा पर सवाल खड़े किए हैं। बजट 2026 से उम्मीद है कि सरकार कनेक्टिविटी के साथ-साथ सिस्टम और सुरक्षा को भी मजबूत करेगी।

भारतीय एविएशन के लिए बीता हुआ साल बेहद मुश्किल साल रहा। एयर इंडिया का एक जानलेवा हादसा, एयरलाइंस और एयरपोर्ट सिस्टम पर साइबर अटैक, लगातार टेक्निकल खराबियां और दिसंबर में इंडिगो की बड़ी गड़बड़ी ने दिखा दिया कि सिस्टम कितना नाजुक हो गया है। इंडियन एविएशन सेक्टर आज जिस स्थिति में खड़ा है, उसे देखकर यह स्पष्ट हो जाता है कि भारत की आसमान में उड़ान भरने की महत्वाकांक्षा और उसकी जमीनी हकीकत के बीच बेहद गहरा अंतर है। बीते दशक में भारत ने एविएशन के बुनियादी ढांचे, एयरपोर्ट्स, क्षेत्रीय संपर्क और यात्रियों की संख्या के लिहाज से अभूतपूर्व बढ़ोतरी दर्ज की है, लेकिन एयरलाइंस के ऑपरेशन्स, फाइनेंशियल स्टेबिलिटी और कम्पेटिटिव एनवायरमेंट के मोर्चे पर तीव्र संकट से गुजर रहे है। सवाल अहम है कि क्या भारत की एविएशन इंडस्ट्री जितनी तेजी से बढ़ रही है, उतनी ही तेजी से उसे सुरक्षित रखने वाले सिस्टम भी मजबूत हो रहे हैं? पहले चर्चा सिर्फ विस्तार (एक्सपेंशन) की होती थी, अब बात दबाव और जोखिम की होने लगी है।

यह विरोधाभास जितना चौंकाने वाला है, उतना ही चिंताजनक भी। भारत में एविएशन सेक्टर में विकास की अपार संभावनाएं हैं, लेकिन यह विकास टिकाऊ तभी होगा, जब मार्केट स्ट्रक्चर हेल्दी हो, नीतियां संतुलित हों और रेगुलेशन स्ट्रॉन्ग हो। आज की स्थिति में इंडिगो जैसी कंपनियों की मोनोपोली जितनी यात्रियों के लिए हानिकारक है, उतनी ही उद्योग के लॉन्ग टर्म फ्यूचर के लिए भी। भारतीय एविएशन सेक्टर को गौर से देखें तो यह दुनिया का सबसे तेजी से बढ़ता एविएशन मार्केट है, जो अभी मुख्यतः इंडिगो और एयर इंडिया पर ही टिका है। भारी संख्या में फ्लाइट पैसेंजर होने के बावजूद दूसरी कोई एयरलाइंस इस इंडस्ट्री में प्रभावी नहीं है। एविएशन एक्सपर्ट के मुताबिक, यह कोई सामान्य समस्या नहीं है, बल्कि खराब पॉलिसी का नतीजा है। पिछले 20 सालों में जब भी जेट एयरवेज या किंगफिशर जैसी बड़ी एयरलाइंस डूबीं, तो उस समय भी सरकार की ओर से इन कंपनियों को बचाने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। अगर सरकार समय से कदम उठाती तो संभवतः आज हजारों नौकरियां सुरक्षित और हमारी हवाई क्षमता बेहतर होती। सरकार एविएशन सेक्टर में किसी भी तरह के नए निवेश को आकर्षित करने में विफल रही है। आज, सरकार की बहुप्रचारित 'उड़ान' योजना का हश्र देखिए। दावा था 2,500 रुपये में हवाई यात्रा का, लेकिन दिसंबर 2025 में सरकार खुद 1500 किमी से कम की उड़ानों के लिए 18,000 रुपये तक की कैपिंग (सीमा) लगा रही है। एकाधिकार की प्रवृत्ति को रोकने के लिए और अधिक एयरलाइंस की सख्त जरूरत है। वर्तमान में, भारतीय घरेलू विमानन बाजार पर मुख्य रूप से दो बड़े समूहों का वर्चस्व है, जिससे प्रतिस्पर्धा का संतुलन बिगड़ गया है। बाजार का लगभग 90 फीसदी हिस्सा केवल इन दो समूहों (इंडिगो और टाटा) के नियंत्रण में है। भारत में और एयरलाइंस की सख्त आवश्यकता है। नई एयरलाइंस न केवल किराया कम करने में मदद करेंगी, बल्कि परिचालन संकट के समय बाजार को स्थिरता भी प्रदान करेंगी। भारत का एविएशन उद्योग सालाना 10 से 12 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है, यह दुनिया में सबसे तेज़ ग्रोथ है। उस हिसाब से नए निवेश को आकर्षित करना चाहिए। मौजूदा हालात से बचने के लिए सरकार को अपना लागत ढांचा तर्कसंगत बनाना चाहिए। अभी बेइंतहां टैक्स है, एयरपोर्ट ऑपरेटर्स यात्रियों से तरह-तरह के शुल्क ले रहे हैं। जीएसटी आदि के नाम पर भी तरह तरह के टैक्स हैं। इन सारी वजहों से इस सेक्टर पर नए निवेश नहीं आ पा रहे हैं।

दूसरी सलाह है, बाज़ार हिस्सेदारी की सीमा तय की जानी चाहिए और 30 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी की इजाज़त नहीं दी जानी चाहिए। भारत यदि विश्व का तीसरा सबसे बड़ा एविएशन मार्केट बनना चाहता है तो उसे नीतियों को विस्तार से परे जाकर गहराई में सुधारना होगा। सबसे पहला उपाय होना चाहिए, एटीएफ को जीएसटी में लाना, दूसरा डीजीसीए को अधिक स्वायत्त, सशक्त और उत्तरदायी संस्था बनाया जाए, तीसरा यात्रियों को यूरोपीय मॉडल की तरह मुआवजे का कानूनी अधिकार मिले और चौथा नए खिलाड़ियों के प्रवेश को सरल बनाया जाना चाहिए, ताकि प्रतिस्पर्धा बनी रहे। भारत का एविएशन सेक्टर आज आईसीयू में है। हमने 'प्रतिस्पर्धा' को मारकर 'एकाधिकार' को चुना है। 2009 के 'राष्ट्रीय परिवहन विकास नीति समिति' ने जिस वर्ल्ड क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर का सपना देखा था, उसे आज 'सेल्फी पॉइंट्स' और महंगे एयरपोर्ट बर्गर में बदल दिया गया है।

आज की स्थिति में इंडिगो जैसी विमान कंपनियों की मोनोपोली जितनी यात्रियों के लिए हानिकारक है, उतनी ही उद्योग के लॉन्ग टर्म फ्यूचर के लिए भी है।

एविएशन सेक्टर : थोड़ा है और थोड़े की जरूरत है

विस्तार

सुशील देव

स्वतंत्र पत्रकार

निश्चित तौर पर भारत का एविएशन सेक्टर यानी उड्डयन क्षेत्र बीते एक दशक में तेजी से विकसित हुआ है। बढ़ती आबादी, मध्यम वर्ग का विस्तार, व्यापार और पर्यटन में वृद्धि तथा क्षेत्रीय कनेक्टिविटी की बढ़ती मांग ने हवाई यात्रा को अब केवल लग्जरी नहीं, बल्कि जरूरत बना दिया है। आज हवाई सफर समाज के हर वर्ग की पहुंच में आता दिखाई दे रहा है।

यह बदलाव भारत की बदलती आर्थिक और सामाजिक तस्वीर को भी दर्शाता है। हाल के वर्षों में केंद्र सरकार ने देशभर में हवाई अड्डों के बुनियादी ढांचे के विस्तार पर विशेष जोर दिया है। पटना, दतिया, सतना, अमरावती, तूतीकोरिन, पूर्णिया, नवी मुंबई और गुवाहाटी जैसे शहरों में नए एयरपोर्ट और आधुनिक टर्मिनल सुविधाओं का विकास किया गया है। इससे क्षेत्रीय कनेक्टिविटी मजबूत हुई है और बिहार, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र तथा तमिलनाडु जैसे राज्यों में आर्थिक गतिविधियों को गति मिली है। सरकार और निजी क्षेत्र की साझेदारी ने इस सेक्टर को नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ाया है। इसके बावजूद यह कहना जल्दबाजी होगी कि हम पूरी तरह संतुष्ट स्थिति में पहुंच चुके हैं। इस क्षेत्र में अभी कई बुनियादी जरूरतें और कमियां मौजूद हैं। सीनियर एविएशन कंसल्टेंट जी. एस. बाबा के अनुसार, हम प्रगति के रास्ते पर जरूर हैं और संभावनाएं भी बहुत हैं, लेकिन कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं पर गंभीरता से काम करने की आवश्यकता है। सबसे पहले विमानों की संख्या बढ़ाने की जरूरत है। इसके साथ पायलटों के प्रशिक्षण, तकनीकी दक्षता और रखरखाव ढांचे को मजबूत करना भी उतना ही आवश्यक है। सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल की दिशा में तेज प्रगति भी समय की मांग है। विमानों की उपलब्धता के संदर्भ में भी बड़ा अंतर दिखाई देता है। वर्तमान जरूरतों और भविष्य की मांग को देखते हुए बेड़े के विस्तार की आवश्यकता है। ऐसे में 'मेक इन इंडिया' के तहत विमान निर्माण और एयरोस्पेस विनिर्माण को बढ़ावा देने के प्रयास सकारात्मक संकेत देते हैं। पायलट प्रशिक्षण और तकनीकी कौशल विकास के लिए समर्पित समझौते (एमओयू) और प्रशिक्षण ढांचे का विस्तार भी उत्साहजनक कदम है। साथ ही भारत में एमआरओ (मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहाल) सुविधाओं का विकास इस क्षेत्र को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। एयरपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर इस सेक्टर की रीढ़ है। यदि हम घरेलू यातायात को बेहतर ढंग से विकसित और व्यवस्थित कर लें, तो आत्मनिर्भर एविएशन प्रणाली बनाना कठिन नहीं होगा।सरकार द्वारा छोटे एयरपोर्ट के विकास और छोटे विमानों के संचालन को बढ़ावा देना एक प्रभावी रणनीति साबित हो सकती है। क्षेत्रीय कनेक्टिविटी योजना 'उड़ान' के माध्यम से टू-टियर और थ्री-टियर शहरों को जोड़ने का प्रयास सराहनीय है। इससे न केवल यात्रियों को सुविधा मिलती है, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था और रोजगार के अवसर भी बढ़ते हैं। सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल और पर्यावरण-अनुकूल नीतियों पर काम भी भविष्य की जरूरतों के अनुरूप है।हालांकि चुनौतियां भी कम नहीं हैं। कई एयरलाइंस आर्थिक दबाव का सामना कर चुकी हैं। ईंधन की ऊंची कीमतें, जटिल टैक्स ढांचा, सीमित एयरपोर्ट स्लॉट, परिचालन लागत और प्रशिक्षित मानव संसाधन की कमी विकास की गति को प्रभावित करती है। छोटे हवाई अड्डों की व्यावसायिक व्यवहार्यता भी एक गंभीर प्रश्न है, वहां इंफ्रास्ट्रक्चर तो बन जाता है, पर यात्री संख्या और उड़ानों की निरंतरता सुनिश्चित करना चुनौती बना रहता है। सुरक्षा और पर्यावरणीय संतुलन भी इस क्षेत्र की अनिवार्य जरूरतें हैं। बढ़ते हवाई यातायात के साथ सुरक्षा मानकों को और सख्त करना होगा। एयर ट्रैफिक मैनेजमेंट, विमान रखरखाव और तकनीकी निगरानी को विश्वस्तरीय बनाना आवश्यक है। साथ ही कार्बन उत्सर्जन कम करने और हरित ईंधन के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए ठोस कदम उठाने होंगे। यह भी जरूरी है कि एविएशन सेक्टर केवल महानगरों तक सीमित न रहे। उत्तर-पूर्व, पहाड़ी और दूरदराज क्षेत्रों में हवाई संपर्क जीवनरेखा का काम कर सकता है। मेडिकल इमरजेंसी, आपदा प्रबंधन और आवश्यक सेवाओं के लिए यह बेहद महत्वपूर्ण है। इसलिए नीतियों में लाभ के साथ सामाजिक उपयोगिता को भी बराबर महत्व मिलना चाहिए। भारत जैसा विशाल और उभरती अर्थव्यवस्था वाला देश अभी एविएशन संभावनाओं का केवल एक छोटा हिस्सा ही उपयोग कर पाया है। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि भारत का एविएशन सेक्टर सही दिशा में आगे बढ़ रहा है, लेकिन यात्रा अभी अधूरी है। दीर्घकालिक नीति, स्थिर निवेश, कौशल विकास, तकनीकी नवाचार और पर्यावरण-अनुकूल दृष्टिकोण अपनाकर ही इस क्षेत्र को वास्तव में सशक्त बनाया जा सकता है।

दीर्घकालिक नीति, स्थिर निवेश, कौशल विकास, तकनीकी नवाचार और पर्यावरण-अनुकूल दृष्टिकोण अपनाकर ही इस क्षेत्र को वास्तव में सशक्त बनाया जा

ओबीसी आरक्षण प्रकरण में राज्य सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय में रखा प्रभावी रूप से पक्ष

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

ओबीसी आरक्षण से संबंधित प्रकरण में सर्वोच्च न्यायालय में राज्य सरकार की ओर से पूरी तैयारी के साथ सशक्त पक्ष रखा जा रहा है।

इसी क्रम में 29 जनवरी 2026 को राज्य सरकार की ओर से एडिशनल सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज, स्टैंडिंग कॉउंसल मृगांक एलकर, अतिरिक्त महाधिवक्ता धीरेंद्र सिंह परमार, स्टैंडिंग कॉउंसल हरमीत सिंह रूपराह एवं शासकीय अधिवक्ता राजन चौरसिया सम्पूर्ण तैयारी के साथ न्यायालय में उपस्थित थे।

- प्रिंट एवं सोशल मीडिया में प्रकाशित तथ्यहीन एवं भ्रामक रिपोर्टिंग को न्यायालय ने लिया गंभीरता से

सर्वोच्च न्यायालय में राज्य सरकार की ओर से उपस्थित अधिवक्तागण।

प्रकरण की विस्तृत सुनवाई 4 फरवरी को होगी

सर्वोच्च न्यायालय की बेंच केवल इस सप्ताह के लिए गठित थी। न्यायालय से अवगत कराया गया कि उक्त प्रकरण की विस्तृत सुनवाई 4 फरवरी को की जाएगी। राज्य सरकार की ओर से न ही समय मांगा गया और न ही सुनवाई को आगे बढ़ाने का कोई अनुरोध किया गया।

एडिशनल सॉलिसिटर जनरल नटराज ने 29 जनवरी को न्यायालय में हुई सुनवाई के संबंध में तथ्यहीन एवं भ्रामक रिपोर्टिंग के संवेदनशील मुद्दे को न्यायालय के संज्ञान में लाया गया। उन्होंने कहा कि न्यायालयों में विचाराधीन प्रकरणों के संबंध में मीडिया के समक्ष पार्टी प्रवक्ताओं की तरह जानकारी प्रस्तुत करना न्यायालय की गरिमा के विरूद्ध है। एडिशनल सॉलिसिटर जनरल नटराज ने मीडिया के समक्ष संबंधित एडवोकेट के शासकीय अधिवक्ताओं की अनुपस्थिति बताने और न्यायाधिपतियों के नाम के उल्लेख को भी न्यायालयीन गरिमा के विरूद्ध बताने पर समग्र निर्देश प्रसारित करने का आग्रह किया। इसे न्यायालय ने गंभीरता से लेते हुए आगामी 4 फरवरी 2026 को होने वाली सुनवाई के दौरान इस विषय को संज्ञान लेने की बात कही है।

पिछड़ा वर्ग के युवाओं के लिए विदेश में रोजगार के अवसरों का बढ़ा दायरा, हर वर्ष 600 युवाओं को विदेश भेजने का लक्ष्य

मप्र कैबिनेट ने 'पिछड़ा वर्ग के बेरोजगार युवक-युवतियों को विदेश में रोजगार उपलब्ध कराने की योजना–2022' में महत्वपूर्ण संशोधनों को मंजूरी दी है। अब यह योजना 'अन्य पिछड़ा वर्ग के युवाओं के लिए विदेश में रोजगार नियोजन योजना–2026' के नाम से संचालित की जाएगी। सरकार ने इस योजना के तहत जापान के साथ अन्य देशों में भी रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। इस योजना से प्रदेश के युवाओं को जापान के साथ दुनिया के अन्य देशों में भी रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। युवाओं को अलग-अलग मान्य कार्यक्रमों के माध्यम से विदेश भेजा जाएगा। योजना के तहत हर वर्ष पिछड़ा वर्ग के 600 युवाओं को विदेश भेजने का लक्ष्य रखा गया है। पहले युवाओं को केवल 'टेक्निकल इंटर्न ट्रेनिंग प्रोग्राम' के तहत जापान भेजा जाता रहा है।

योजना के लिए पात्रता, मप्र का मूल निवासी होना अनिवार्य

इस योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक का मप्र का मूल निवासी होना अनिवार्य है। साथ ही अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) का नॉन-क्रीमीलेयर जाति प्रमाण-पत्र आवश्यक होगा। प्रशिक्षण के चयन के समय आयु 17 से 40 वर्ष के बीच होनी चाहिए, जबकि विदेश में नौकरी ज्वॉइन करते समय न्यूनतम आयु 18 वर्ष पूर्ण होना आवश्यक है। आवेदक के विरुद्ध कोई आपराधिक प्रकरण दर्ज या विचाराधीन नहीं होना चाहिए तथा संबंधित ट्रेड/कौशल के अनुसार न्यूनतम शैक्षणिक एवं तकनीकी योग्यता अनिवार्य होगी।

महिलाओं और दिव्यांगजनों को आरक्षण, प्रशिक्षण शुल्क सरकार वहन करेगी

योजना के अंतर्गत 35 प्रतिशत सीटें बेटियों के लिए और 6 प्रतिशत सीटें दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित की गई हैं। प्रति युवा अधिकतम 2 लाख रुपए तक का प्रशिक्षण शुल्क सरकार द्वारा वहन किया जाएगा। प्रशिक्षण पूर्णतः आवासीय होगा। यदि हॉस्टल सुविधा उपलब्ध नहीं होती है, तो प्रशिक्षुओं को 2,000 रुपए प्रतिमाह किराया भत्ता प्रदान किया जाएगा। सर्टिफिकेशन परीक्षा के पहले प्रयास की फीस भी संस्था द्वारा वहन की जाएगी।

12 माह का समग्र प्रशिक्षण कार्यक्रम

युवाओं को कुल 12 माह का प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिसमें सॉफ्ट स्किल्स, डोमेन-स्पेसिफिक स्किल्स तथा संबंधित देश की विदेशी भाषा का प्रशिक्षण शामिल होगा। योजना के वित्तपोषण के लिए बजट के अतिरिक्त सोशल इम्पैक्ट बॉण्ड (एसबीआई) और कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) फंड का भी उपयोग किया जाएगा।

खबर संक्षेप

निगम के सेवानिवृत्त 6 कर्मचारियों को दी विदाई

भोपाल। नगर निगम में सेवा से सेवानिवृत्त हुए 6 कर्मचारियों को शुक्रवार को उपायुक्त हीरेन्द्र सिंह कुशवाह ने शॉल, श्रीफल से सम्मानित कर विदाई दी। माता मंदिर हर्षवर्धन काम्प्लेक्स स्थित निगम कार्यालय में आयोजित विदाई समारोह में सुषमा रानी श्रीवास्तव, निहाल सिंह, जफ़र खां, मदनलाल, मो जफर के अलावा सेवानिवृत्त अधिकारी-कर्मचारी कल्याण समिति के अध्यक्ष एस नजीर अहमद आदि मौजूद रहे।

महात्मा गांधी को मौन धारण कर दी श्रद्धांजलि

भोपाल। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि (शहीद दिवस) पर शुक्रवार को मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के गोविंदपुरा स्थित मुख्यालय में कार्मिकों द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर अधिकारियों, कर्मचारियों ने मौन धारण कर बापू के सत्य, अहिंसा और सद्भाव के संदेश को याद किया। महात्मा गांधी के आदर्श आज भी समाज और देश को सही दिशा देने में महत्वपूर्ण हैं। सभी ने उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

मानव अधिकार आयोग की समझी कार्यप्रणाली

भोपाल। मप्र मानव अधिकार आयोग ने शीतकालीन इंटर्नशिप का आयोजन किया। इसमें विद्यार्थियों को मानव अधिकार एवं आयोग की कार्यप्रणाली, विधि विषयों पर रिसोर्स पर्सन ने प्रशिक्षण दिलाया। आयोग के अध्यक्ष डॉ. अवधेश प्रताप सिंह ने विद्यार्थियों को पूर्ण लगन से प्रशिक्षण के लिए निर्देशित किया। रीना शर्मा, उप पुलिस अधीक्षक, मप्र मानव अधिकार आयोग ने विद्यार्थियों को गोविंदपुरा थाना, सीसीटीएनएस, एससीआरबी, डायल-112, एमपी एफएसएल, डीएनए लैब, केन्द्रीय जेल, मध्यप्रदेश विधानसभा एवं ब्रह्माकुमारी संस्थान का भ्रमण कराते हुए कार्यप्रणाली से अवगत कराया। प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले 33 विद्यार्थियों को आयोग की ओर से प्रमाण-पत्र दिए गए।

एमपी में ई-एचआरएमएस का पहला चरण फरवरी से

भोपाल। मध्य प्रदेश में अब पुलिसकर्मियों और अफसरों को अब अगले महीने से छुट्टी या प्रतिनियुक्ति पर जाने के लिए लिखित में आवेदन नहीं देना पड़ेगा। अब उन्हें ऑनलाइन अपना आवेदन देना होगा। सर्विस बुक में अपनी सजा आदि भी पुलिसकर्मी किसी भी समय देख सकेंगे। इन दिनों सर्विस बुक को डिजिटल रूप में अपलोड करने का कामअपने आखिरी चरण में पहुंच गया है, अब तक एक लाख से ज्यादा पुलिसकर्मियों का रिकॉर्ड ई -एचआरएमएस पोर्टल पर अपलोड किया जा चुका है, जबकि इस सुविधा का पहला चरण फरवरी के पहले हफ्ते से शुरू होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन ने राज्य स्तरीय पुष्प महोत्सव का किया शुभारंभ

राज्य सरकार किसानों को दे रही है फूलों की खेती के लिए तकनीकी प्रशिक्षण, अनुदान

पुष्प महोत्सव के तीन दिन तक जारी रहने की घोषणा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राज्य स्तरीय पुष्प महोत्सव के माध्यम से किसानों को व्यवसायिक स्तर पर फूलों की खेती के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। राज्य के किसान पुष्प उत्पादन से अपनी आय बढ़ा रहे हैं। इस आयोजन में पुष्प उत्पादक किसान, नर्सरी संचालक और खरीदार तीनों एक स्थान पर जुटे हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को बाजार की संभावनाओं और फूलों की खेती की जानकारी प्रदान की जा रही है। प्रदेश में फूलों की खेती का रकबा निरंतर बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को शासकीय गुलाब उद्यान, लिंक रोड-एक में कृषक कल्याण वर्ष-2026 के तहत आयोजित राज्य स्तरीय पुष्प प्रदर्शनी को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और किसानों, नर्सरी संचालकों तथा पुष्प प्रेमियों से चर्चा की। उन्होंने पुष्प प्रदर्शनी में विभिन्न वर्गों के लिए हुई विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार तथा विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किए। इस अवसर पर प्रदेश में उद्यानिकी गतिविधियों पर केन्द्रित लघु फिल्म का प्रदर्शन हुआ। कार्यक्रम में कृषि मंत्री एदल सिंह कंषाना, उद्यानिकी मंत्री नारायण सिंह कुशवाह, उद्यानिकी आयुक्त अरविंद दुबे व अन्य अधिकारी मौजूद थे।

फूलों की जानकारी लेते सीएम डॉ. यादव।

पुष्प उत्पादन से किसानों की बढ़ रही है नकद आय

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के 40 हजार किसान पुष्प उत्पादन से जुड़े हैं और 45 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में फूलों का उत्पादन हो रहा है। हर साल लाखों टन फूल गुजरात, महाराष्ट्र सहित विदेशों में भी भेजे जा रहे हैं। राज्य सरकार किसानों को पुष्प उत्पादन के लिए तकनीकी प्रशिक्षण और अनुदान में सहायता प्रदान कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मप्र देश का दूसरा सर्वाधिक पुष्प उत्पादक राज्य है। वर्ष 2021-22 तक राज्य में फूलों की खेती का रकबा 37 हजार हेक्टेयर था, जो अब बढ़कर 44 हजार हेक्टेयर हो चुका है।

किसानों की आय बढ़ाने के लिए उन्हें उद्यानिकी पर भी फोकस

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए उन्हें उद्यानिकी, दुग्ध उत्पादन, मत्स्य उत्पादन जैसे सभी क्षेत्रों की योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। कृषि कल्याण वर्ष में राज्य सरकार अलग-अलग 16 विभागों को एक साथ जोड़कर कार्य कर रही है। सिंचाई कृषि का आधार है, राज्य के किसानों को सूक्ष्म सिंचाई योजना के लिए पर्याप्त अनुदान दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्यान्न उद्यम योजना के माध्यम से हितग्राहियों को 45 प्रतिशत तक सब्सिडी मिल रही है। किसानों को पॉली, सेडनेट हाउस स्थापित करने में भी अनुदान दिया जा रहा है।

विभाग नवाचारी कार्यक्रमों के साथ आगे बढ़ रहा

उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री नारायण सिंह कुशवाहा ने कहा कि कृषक कल्याण वर्ष में उद्यानिकी विभाग लगातार नवाचारी कार्यक्रमों के साथ आगे बढ़ रहा है। इस पुष्प प्रदर्शनी में किसानों का मार्गदर्शन करने के लिए उद्यानिकी विभाग के विशेषज्ञ उपस्थित हैं। किसान प्रदर्शनी का लाभ उठाएं और आय बढ़ाएं। आयुक्त उद्यानिकी अरविंद दुबे ने कहा कि किसानों को औद्योगिक स्तर पर उपयोगी फूलों की खेती की तकनीक से अवगत कराया जा रहा है। किसान की आय बढ़ाने के लिए 3 वर्षों का रोडमैप तैयार किया है।

नोहलेश्वर महोत्सव होगा भव्य और ऐतिहासिक

सीएम डॉ. मोहन करेंगे 5 दिवसीय नोहलेश्वर महोत्सव का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

संस्कृति, पर्यटन और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सांस्कृतिक रूप से चरमोत्कर्ष पर है। मुख्यमंत्री के इन प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए बुंदेलखंड के दमोह जिले में नोहटा स्थित नोहलेश्वर मंदिर परिसर में प्रतिवर्ष मनाया जाने वाला नोहलेश्वर महोत्सव इस वर्ष अधिक भव्यता के साथ मनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री 11 से 15 फरवरी 2026 तक चलने वाले इस 5 दिवसीय महोत्सव का शुभारंभ करेंगे। इस महोत्सव में कला, संस्कृति, साहित्य एवं भक्ति संगीत जगत की ख्यातनाम हस्तियां अपनी प्रस्तुतियां देंगी। राज्य मंत्री लोधी ने बताया कि बुंदेलखंड की धार्मिक आस्था के इस केंद्र पर होने जा रहे नोहलेश्वर महोत्सव में प्रसिद्ध गायक कैलाश खेर जहां भक्ति गीत प्रस्तुत करेंगे, वहीं भगवान भोलेनाथ के शिव तांडव नृत्य, शास्त्रीय नृत्य, जय श्रीराम नृत्य नाटिका आदि मनभावन प्रस्तुतियां होंगी। अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में जहां हरिओम पवार, जानी बैरागी जैसे राष्ट्रीय कवि रचनापाठ करेंगे। समापन समारोह में प्रसिद्ध भजन गायिका सुश्री आशा वैष्णव प्रस्तुति देंगी।

आयोजन को लेकर व्यापक तैयारियां

राज्य मंत्री लोधी ने बताया कि संस्कृति विभाग की ओर से इस समूचे आयोजन को लेकर व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रहीं हैं। इसमें यहां आने वाले प्रदेश और देश के श्रद्धालुओं को किसी तरह की असुविधा न हो, स्थानीय प्रशासन भी इस आयोजन को और भव्यता देने के लिए पूरी तरह जुटा हुआ है। उन्होंने कहा कि नोहलेश्वर महोत्सव की शुरुआत 2 वर्ष पूर्व की गई थी। इस वर्ष यह महोत्सव अपनी भव्यता और विशेषता के साथ प्रारंभ होने जा रहा है। मप्र का बुंदेलखंड अपने गौरवशाली इतिहास और समृद्धशाली परंपराओं के लिए समूचे भारत में अपनी अलग पहचान रखता है। बुंदेलखंड की शौर्य गाथाएं एवं सांस्कृतिक कला कौशल का वर्णन देश के साहित्यकारों, कवियों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से बखूबी किया है, यहां की पुरातन संस्कृति आज भी लोगों को अपनी ओर आकर्षित करने का कार्य करती है। राज्य मंत्री लोधी ने कहा कि हमारा प्रयास कि नोहलेश्वर महोत्सव के माध्यम से प्रदेश और देश में बुंदेलखंड की विशेष पहचान बने।

एक दिवसीय दौरे पर रायपुर पहुंचे केन्द्रीय मंत्री शिवराज ने कहा

केंद्र और राज्य सरकार के रोडमैप की बात की

छग को कृषि और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में अग्रणी बनाने का लक्ष्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि हमारा लक्ष्य छत्तीसगढ़ को कृषि और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाना है। एक दिवसीय प्रवास पर पहुंचे चौहान ने स्वामी विवेकानंद विमानतल पर चर्चा में कहा कि छत्तीसगढ़ के विकास के लिए केंद्र और राज्य सरकार के साझा रोडमैप की बात की।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में कृषि सुधारों, ग्रामीण विकास योजनाओं और किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में राज्य सरकार के प्रयासों की सराहना भी की। केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान ने दुर्ग जिले में प्रगतिशील किसानों से मुलाकात की और उनके अनुभवों को साझा किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के किसान अपनी मेहनत और उन्नत कृषि पद्धतियों से एक मिसाल पेश कर रहे हैं। विकसित भारत जी रामजी योजना के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि इसके तहत गाँवों को स्वावलम्बी, गरीबी मुक्त और रोजगार युक्त बनाया जाएगा। योजना के तहत मनरेगा की तर्ज पर रोजगार के दिनों को 100 से बढ़ाकर 125 दिन किया गया है। इस योजना को लेकर कांग्रेस केवल 'विरोध के लिए विरोध' की मानसिकता से ग्रस्त है। केन्द्रीय मंत्री ने पिछली सरकार पर प्रधानमंत्री आवास योजना में कोताही बरतने का आरोप लगाते हुए कहा कि वर्तमान सरकार ने 18 लाख आवासों के निर्माण में तेजी लाई है। रविवार को प्रस्तुत होने जा रहे केन्द्र सरकार के आगामी बजट के बारे में चौहान ने विश्वास व्यक्त किया कि यह बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' के सपने को साकार करने की दिशा में एक बड़ा कदम होगा और किसानों व आम जनता के लिए लाभकारी सिद्ध होगा।

पुराने विवाद के चलते युवक की हत्या

बिलासपुर। पचरी घाट के पास एक निर्माणाधीन पुल पर हुए विवाद में 25 वर्षीय युवक सानू हुसैन की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने इस मामले में मुख्य आरोपी विकास तिवारी सहित कुछ अन्य संदिग्धों को हिरासत में लिया है। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला है कि यह हत्या पुराने विवाद के संबंध में समझौता करने के दबाव से जुड़ी है। थाना कोतवाली क्षेत्र में वारदात की सूचना पर पुलिस टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। घायल युवक तत्काल हॉस्पिटल ले जाया गया। दुर्भाग्यवश, रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। मृतक की पहचान सानू हुसैन, उम्र 25 वर्ष, निवासी जूना बिलासपुर के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

तीन लाइनें पूरी तरह अवरुद्ध, यातायात पूरी तरह प्रभावित

मालगाड़ी के दो डिब्बे अचानक पटरी से उतरे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

मनेन्द्रगढ़-दर्रीटोला से टाईगर हिल्स की ओर जा रही एक मालगाड़ी के दो डिब्बे अचानक पटरी से उतर गए। यह घटना नागपुर चौकी क्षेत्र में हुई, जिसके कारण रेल मार्ग पर तीनों लाइनें पूरी तरह अवरुद्ध हो गईं। इस हादसे के परिणामस्वरूप रेल यातायात व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई है, जिससे ट्रेनों के संचालन में विलंब हुआ।

रेलवे प्रशासन ने तत्काल राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, मालगाड़ी के डिब्बों के पलटने से रेल पटरियों को काफी नुकसान पहुंचा है। घटना के तुरंत बाद, प्रभावित लाइन पर ट्रेनों का आवागमन रोक दिया गया। मलबे को हटाने और पटरियों की मरम्मत के लिए विशेष टीमों को मौके पर भेजा गया। इस कारण कई यात्री ट्रेनें और मालगाड़ियां अपने गंतव्य से पहले ही रोक दी गई हैं, जिससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रेलवे ने वैकल्पिक मार्गों से ट्रेनों को चलाने की व्यवस्था की है, लेकिन इसमें भी समय लग रहा है।

रेलवे ने दिए कारणों की जांच के आदेश

रेल मंत्रालय ने इस दुर्घटना के कारणों की जांच के आदेश दिए हैं। प्रारंभिक जांच में किसी तकनीकी खराबी या मानवी भूल की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, पूरी रिपोर्ट आने के बाद ही दुर्घटना के असल कारणों का पता चल पाएगा। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से सहयोग की अपील की है और उन्हें किसी भी असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया है। प्रभावित क्षेत्र में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं और यातायात को सुचारू बनाने के लिए युद्धस्तर पर कार्य जारी है।

नारायणपुर प्रवास के दौरान आईटीबीटी बटालियन परिसर नारायणपुर में जवानों से की चर्चा

मुख्यमंत्री साय ने सुरक्षा बल के जवानों से मुलाकात कर की हौसला अफजाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ 0000

छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय ने नारायणपुर प्रवास के दौरान आईटीबीटी बटालियन परिसर नारायणपुर में जवानों से मुलाकात कर उनका हौसला बढ़ाया। आईटीबीटी, सीआरपीएफ, कोबरा बटालियन, बीएसएफ, डीआरजी, सीएएफ़ के जवानों एवं अधिकारियों से मुलाकात और बस्तर की शांति और सुरक्षा के स्थापना में उनके योगदान की सराहना करते हुए सुरक्षा बल के जवानों की हौसला अफजाई की। मुख्यमंत्री साय एवं मत्रीगणों ने बटालियन परिसर में जवानों के साथ रात्रि भोज किया और उनसे आत्मीय चर्चा की। मुख्यमंत्री ने जवानों से चर्चा करते हुए कहा कि नैसर्गिक संसाधनों से और सांस्कृतिक

विरासत से परिपूर्ण बस्तर के कई इलाकें माओवाद आतंक के चलते विकास की मुख्यधारा से अलग-थलग पड़े थे। आप सबके अदम्य साहस, शौर्य, पराक्रम के कारण ही यहां शांति और सुरक्षा का वातावरण निर्मित हुआ है और विकास कार्यों को गति मिली है। उन्होंने देश की सुरक्षा में सुरक्षा बलों के जवानों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि कठिन परिस्थितियों में सेवा कर रहे जवानों का मनोबल बनाए रखना हम सबकी प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने जवानों को भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार उनके कल्याण और सुविधाओं के लिए निरंतर प्रयासरत है। जवानों ने भी मुख्यमंत्री के साथ अपने अनुभव साझा किए और इस आत्मीय मुलाकात को प्रेरणादायक बताया। वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि सुरक्षा बलों के जवानों द्वारा केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के संकल्प को यहां साकार करने का काम पूरी दृढ़ता से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अब बम गोलियों की आवाज की जगह अब आमजन की चहल-पहल, स्कूलों में ककहरा की गूंज और गांवों में मांदर की थाप सुनाई दे रही हैं। कार्यक्रम में अतिथियों ने जवानों को उपहार भेंट किए। सुरक्षा बलों के वरिष्ठ अधिकारियों ने मुख्यमंत्री और मंत्रियों को स्मृति चिह्न भेंट किए।

सीएम ने रात्रि भोज में जवानों को परोसा भोजन

आईटीबीटी बटालियन परिसर में आईटीबीटी, सीआरपीएफ, कोबरा, बीएसएफ, डीआरजी और सीएएफ़ के हमारे वीर जवानों के साथ रात्रि भोजन परोसने का अवसर मिला। जवानों की थालियों में भोजन परोसते हुए उनके साहस, शौर्य और राष्ट्र सेवा के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का प्रयास किया। नक्सल गतिविधि को नियंत्रण के लिए सुरक्षा कैम्प स्थापित कर केंद्रीय सुरक्षा बलों और राज्य के सुरक्षा बलों के दस्तों को तैनात किया गया है। आईजी सुंदरराज पी ने कार्यक्रम की रूपरेखा और बस्तर संभाग में शांति के लिए जवानों के योगदान की सराहना की। कार्यक्रम में पुलिस बैंड ने स्वागत में सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी।

अब अबूझमाड़ क्षेत्र दे रहा शांति और सद्भाव का सशक्त संदेश

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि कभी माओवादियों का गढ़ माने जाने वाला अबूझमाड़ क्षेत्र आज शांति और सद्भाव का एक सशक्त संदेश पूरे देश और दुनिया को दे रहा है। नारायणपुर जिले में आयोजित 'अबूझमाड़ शांति हाफ मैराथन 2026' के अवसर पर उन्होंने कहा कि यह वही क्षेत्र है जो पहले नागरिकों और सुरक्षा कर्मियों के लिए भी दुर्गम था, लेकिन अब सुरक्षा स्थिति में सुधार और सकारात्मक माहौल के कारण एक बड़ा बदलाव आया है। मुख्यमंत्री साय ने मैराथन को हरी झंडी दिखाते हुए इस दौड़ में प्रतीकात्मक रूप से भाग लिया। इस कार्यक्रम में कई आत्मसमर्पित नक्सली भी प्रतिभागी के रूप में शामिल हुए। उन्होंने विजेताओं को दिए जाने वाले पदकों का भी अनावरण किया। सीएम साय ने इस बात पर जोर दिया कि आज हजारों लोग यहां इकट्ठा हुए हैं, जो सामान्य स्थिति और आत्मविश्वास की वापसी को दर्शाता है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि देश से नक्सलवाद को समाप्त करने का लक्ष्य इस साल 31 मार्च तक पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने विश्वास जताया कि बस्तर संभाग, जिसमें नारायणपुर सहित सात जिले शामिल हैं, पूरी तरह से माओवादी हिंसा से मुक्त हो जाएगा।

सिध्द चक्र महामंडल विधान में मुनि प्रमाण सागर जी के प्रवचन

सिध्द चक्र मुक्ति यात्रा का मानचित्र

जबलपुर। सिद्धों की आराधना करते करते अपने भीतर के उस सिद्ध परमात्मा की तरफ दृष्टि जगा लूं, सिद्ध चक्र महामंडल विधान करने का यही उद्देश्य है, उपरोक्त उदगार मुनि श्री प्रमाण सागर महाराज ने विधान के प्रथम दिवस व्यक्त किये। मुनि श्री ने कहा कि इस महामंडप मेंबैठकर बड़ा अच्छा लग रहा है,ऐसा प्रतीत हो रहा है,मानो हम साक्षात सिद्धों के इस महान सिद्धायतन में विराजमान है, मुनि श्री ने कहा कि इसे केवल आठ दिवसीय अनुष्ठान के रूप में न देखें,सच्चे अर्थों में देखा जाए तो यह अनुष्ठान हमारे जीवन के रूपांतरण की प्रक्रिया है,इसमें अंतर्निहित संदेशों और संकेतों को समझकर हम अपने जीवन में आमूलचूल रूपांतरण घटित कर सकते हैं, सिद्ध चक्र महामंडल विधान जैन धर्म का सबसे श्रेष्ठ तथा महिमाशाली विधान है सिद्ध चक्र महामंडल विधान का एक रूप हमें बाहर दिख रहा है,और दूसरा रूप जिसे हमें पहचानना है, सिद्ध चक्र यानी सिद्धों का समूह एक चित्र नहीं हमारीमुक्ति यात्रा का मानचित्र है,इसमें उन सब शक्तियों को अंतर्निहित किया गया है। जिससे एक आत्मा परमात्मा को प्राप्त करती है। उस मंडल की संरचना यहां रखी गई। इसका मांत्रिक, यांत्रिक और तांत्रिक जगत में तो महत्व है ही। इसका आध्यात्मिक

मूल्य भी बहुत ज्यादा है.मुनिश्री ने आगे कहा कि निरहम, यह एक ऐसा बीज है जो केवल ज्ञान को प्रकट करता है हम लोग जब भगवान के पंच कल्याणक में ज्ञान कल्याणक की प्रारंभिक क्रिया शुरू करते हैं तो सबसे पहले नाभि में इसी बीज को अंकित करते हैं क्योंकि यह केवल ज्ञान का बीज है।कर्म के हनन के लिए अपने भीतर ऐसी शक्ति को जो उद्घाटित करते हैंउनके जीवन में ही अध्यात्म का प्रकाश प्रकट होता है।इसके चारों तरफ 'अ' से लेकर 'ह' तक सारे अक्षर है। 'अ' 'आ' 'इ' आदि थोड़ा मुझे मंडल देना।

मुनी श्री ने मंडल की व्याख्या करते हुये कहा कि आप लोग के पास मंडल है। और इस मंडल में मुख्य रूप से पंच परमेष्ठी है। इसमें आप स्क्रीन में देखिए सबसे बाहरी हिस्से में यहां विभिन्न प्रकार के मंत्रों के साथ पंच परमेष्ठी की आराधना, सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान, सम्यक चारित्र और सम्यक तपकी बात यानी पांच परमेष्ठी और चार आराधना नौ पद की मूल आराधना है।इसके चारों तरफ अनाहत विद्या करके नमोकार मंत्र की पूरी चर्चा है और 'अ' से लेकर 'ह' तक सभी अक्षरों का विन्यास है।

इस बात का प्रतीक है कि संसार के जितने भी मंत्र हैं वे 'अ' से लेकर के 'ह' तक ही बने।मुनी श्री ने कहा कि सिध्द चक्र की साधना का यह फल कहा गया है कि जो नित्य सिद्ध चक्र की आराधना करता है वह शीघ्र ही मुक्ति को प्राप्त करता है। सिद्ध चक्र की आराधना महामंडल 108 के साथ होना था, यहां आज देखिए एक दो नहीं बल्कि122 मंडल के साथ पहली बार होने जा रहा है,विधान एक पूजन मात्र नहीं है, उन्होंने पूजन और विधान में अंतर है?जहां केवल पूजा की प्रक्रिया हो उसका नाम पूजन, लेकिन पूजन के साथ जहां जप, आराधनाऔर हवन हो उसका नाम विधान। सिद्ध चक्र आत्मा की शुद्ध, बुद्ध, निरंजन और पवित्र अवस्था का नाम है।हमें अपने भीतर उसे उद्घाटित करने का भाव जगाने चाहिए तथा एक आध्यात्मिकदृष्टि के साथ देखने की कोशिश कीजिए। केवल बाहर की क्रियाओं में मत उलझिए,अंदर की प्रक्रिया को जानने की कोशिश कीजिए। राष्ट्रीय प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी एवं सुवोध कामरेड ने बताया कि प्रातःकालीन बेला में 6:30 बजे मंगलाष्टक के साथ अभिषेक एवं शांतिधारा की गई. तत्पश्चात विधान प्रारंभ हुआ एवं आठ अधर्य समर्पित किये गये, तथा मध्यान्ह में शंकासमाधान कार्यक्रम संपन्न हुआ।

लेफ्टिनेंट जनरल पी.एस. शेखावत का मध्य भारत एरिया से पोस्टिंग ऑउट

जबलपुर में हुआ गरिमामय सैन्य समारोह का आयोजन

जबलपुर। स्थित मध्य भारत एरिया मुख्यालय में जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल पी.एस. शेखावत के पोस्टिंग आउट के अवसर पर एक गरिमामय सैन्य समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर उन्होंने वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। समारोह में वरिष्ठ अधिकारी, जूनियर कमीशंड अधिकारी एवं जवान उपस्थित रहे।लेफ्टिनेंट जनरल शेखावत 01 जनवरी 2024 से 31 जनवरी 2026 तक मध्य भारत एरिया के जीओसी रहे। उनके कार्यकाल में क्षेत्र की परिचालन तत्परता, प्रशिक्षण, प्रशासन एवं लॉजिस्टिक्स को सुदृढ़ किया गया तथा उच्च स्तरीय सैन्य अभ्यास आयोजित हुए। 1987 में मैकनाइज़्ड इन्फेंट्री रेजिमेंट में कमीशन प्राप्त करने वाले लेफ्टिनेंट जनरल शेखावत ने सेना मुख्यालय में DG DC&W और नेशनल डिफेन्स अकादमी, खड़कवासला में चीफ इंस्ट्रक्टर सहित कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। उन्होंने सैनिकों, भूतपूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण हेतु अनेक योजनाओं का नेतृत्व किया।

समारोह के दौरान उन्होंने लेफ्टिनेंट जनरल हरबिंदर सिंह वांद्रा को पदभार सौंपा। अब वे मुख्यालय दक्षिण-पश्चिमी कमान में चीफ ऑफ स्टाफ के रूप में कार्यरत होंगे।

एपीएन सीबीएसई स्कूल में हुआ कक्षा 12वीं का विदाई समारोह

जबलपुर। ए.पी.एन. सीबीएसई सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल में कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पूजन-अर्चन के साथ किया गया। विद्यालय परिवार द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि संस्था अध्यक्ष चमन श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को आशीर्वचन देते हुए कहा कि सफलता के लिए यह जानना आवश्यक है कि कब, क्या और कैसे बोलना है। उन्होंने कहा कि विदाई का यह क्षण भावुक होने के साथ-साथ नए अवसरों की शुरुआत भी है, जहाँ विद्यार्थी अपने ज्ञान और संस्कारों से विद्यालय का नाम रोशन करेंगे। द्वितीय चरण में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर दिव्य श्रीवास्तव को मिस्टर ए.पी.एन. एवं आयूषी मित्रा को मिस ए.पी.एन. चुना गया। कार्यक्रम में संस्था प्रबंधक तुलसी दास द्रविड, रजिस्ट्रार मानवेन्द्र सिंह, प्राचार्या डॉ. सोनल खरे, सीबीएसई प्रभारी प्राचार्य करन खुराना सहित अनेक गणमान्य अतिथि एवं शिक्षक उपस्थित रहे। मंच संचालन प्रियंका श्रीवास्तव ने किया।

आगासौद में रामकथा महोत्सव जारी

जबलपुर। समीपस्थ ग्राम आगासौद में 28 जनवरी से रामकथा महोत्सव का आयोजन जारी है, जो पिछले 11 वर्षों से नियमित रूप से संपन्न हो रहा है। कथा वाचक जगद्गुरु विष्णु देवाचार्य, मिथिला पीठाधीश्वर, नेपाल एवं श्रीमती संध्या तिवारी (मानस मोहिनी), ओरछा म.प्र. ने भक्तिमय कथाओं के माध्यम से रामरस वर्षा कर उपस्थित श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध किया। समिति सदस्यों और आसपास के ग्रामवासियों के सहयोग से कार्यक्रम का आयोजन भव्य ढंग से किया जा रहा है। व्यास पीठ पूजन का विधिवत आयोजन ठा. सुभाष सिंह और ठा. रज्जन सिंह बैस द्वारा संपन्न किया गया। कार्यक्रम में ठा. रमेश सिंह सेंगर, सरकार सिंह, प्रेम सिंह सिसौदिया सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कथा का समापन 1 फरवरी को होगा।

नगर निगम विद्यालय गोविंदगंज में हुआ 12वीं का विदाई समारोह

जबलपुर। नगर निगम विद्यालय गोविंदगंज में कक्षा 12वीं के छात्रों का विदाई समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. सुभाष तिवारी (एम.आई.सी. सदस्य), पार्षद श्रीमती कविता रैकवार, पूर्व प्राचार्य विमला चौबे सहित कई विद्यालय पदाधिकारी एवं गणमान्य उपस्थित थे। विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए और उनके उज्वल भविष्य की कामना की गई। इस अवसर पर रंग-बिरंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। 11वीं कक्षा के छात्रों ने 12वीं के छात्रों को मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया। विद्यालय की श्रेष्ठ छात्राओं माही सोनी, मैंनाज वाणी, रेनू कोरी एवं सर्वोच्च अंक प्राप्त जानकी कोस्टा, तहजीब बानो, कोमल चौधरी सहित अन्य छात्रों को अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। शाला प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र पांडेय ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

किसानों के खेत का आर्गेनिक कार्बन कम से कम 1% होगा तभी स्वस्थ फसल उत्पादन संभवः डा संजय सिंह कृषि वैज्ञानिक

जबलपुर। आज किसान सेवा संगठन की युवा विंग ने जबलपुर में सप्तम स्थापना दिवस का वार्षिक उत्सव का आयोजन किया। आयोजन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कलेक्टर राघवेंद्र सिंह अध्यक्षता डॉ एसपी गौतम पूर्व अध्यक्ष लोक सेवा आयोग मध्य प्रदेश एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में जवाहरलाल नेहरू के विश्वविद्यालय से वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर संजय सिंह उपस्थित रहे । भारत कृषक समाज के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष केके अग्रवाल ने कलेक्टर का स्वागत करते हुए कलेक्टर जबलपुर तथा कृषि विभाग द्वारा किसान हित में किए जा रहे कार्यों एवं शासकीय योजनाओं को गति देने हेतु युवाओं का आवाहन एवं प्रोत्साहन किया।

कार्यक्रम इसी दौरान कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉक्टर एसपी गौतम ने अपने उद्बोधन में कहा कि कृषि में मिट्टी महत्वपूर्ण है मिट्टी में सुक्ष्म जीवों की उपलब्धता निरंतर काम हो रही है जिससे फसल उत्पादकता गुणवत्ता कम होती जा रही है।आज की इस आधुनिक डिजिटल इंडिया में कृषि को नई आधुनिक तरीकों की जरूरत है जो हमारे युवा पीढ़ी दे

सकती है।

कृषि संगोष्ठी के दौरान वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉक्टर संजय सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि आने वाले 10 वर्ष में भारत का कृषि क्षेत्र तकनीकी रूप से बहुत मजबूत और सक्षम होगा वह इसलिए क्योंकि अब आईटी सेक्टर इंजीनियरिंग सेक्टर युवा पीढ़ी पढ़ी-लिखी लॉबी है वह भारत के कृषि कार्यों में रुचि ले रही है। आगे कहा कि मिट्टी में ऑर्गेनिक कार्बन जितना ज्यादा होगा मिट्टी उतनी अधिक शुद्ध और सूक्ष्म जीवों की उपलब्धता तय करती है। अभी जो भारत में कृषि हो रही है वह पंरपरागत तौर तरीकों से बुजुर्ग लोग कृषि कर रहे हैं। लेकिन अब युवा हाथों में जब कृषि आएगी तो निश्चित रूप से उसका रकवा बढ़ेगा और गुणवत्ता पर लाभकारी असर पड़ेगा । कृषि करने की आधुनिक नई योजनाओं पर काम होगा जिससे गुणवत्ता पूर्ण फसल और अधिक उत्पादन के कारण किसान आर्थिक रूप से मजबूत और खुशहाल होगा। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज कैमिकल इस्तेमाल के कारण गुड बैक्टिरियल और केंचुआ भारत की खेती से लगातार कम होते जा रहे हैं। किसान भारत की रीढ़ की हड्डी है और किसान मजबूत है तो पूरा भारत मजबूत है। कैमिकल इस्तेमाल के कारण फसल उत्पादन एवं गुणवत्ता निम्न होने से अधिकतर व्यक्तियों में शक्कर एवं रक्तचाप की बीमारियां बढ़ती जा रही है। इसलिए किसानों को कैमिकल मुक्त खेती पर फोकस करना चाहिए।

महिला एवं बाल विकास कर्मचारी कल्याण संघ का 2026 वार्षिक कैलेंडर विमोचित

जबलपुर। महिला एवं बाल विकास तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी कल्याण संघ, जबलपुर द्वारा वर्ष 2026 का वार्षिक कैलेंडर 31 जनवरी को विमोचित किया गया। इस अवसर पर माननीय विधायक श्री नीरज सिंह एवं उपसभापति श्रीमती सुनीता दाहिया विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में संघ के संरक्षक योगेन्द्र दुबे, मार्गदर्शक राकेश राव, प्रांतीय संयुक्त सचिव राखी खम्परिया, अध्यक्ष रज्जन बाबू दाहिया, उपाध्यक्ष नीलेश यादव सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। विमोचित कैलेंडर में वर्ष 2026 के सभी शासकीय और ऐच्छिक अवकाशों के साथ संघ के पदाधिकारियों और सदस्यों का विवरण शामिल है।

एमपी ट्रांस्को और महाराष्ट्र बैंक के बीच एमओयू हस्ताक्षरित

जबलपुर। मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एम.पी. ट्रांसको) ने अपने कार्मिकों के लिए अन्य बैंको से वेतन प्राप्त करने के विकल्प में बढ़ोतरी करते हुए बैंक आफ महाराष्ट्र के साथ एक एम ओ यू में हस्ताक्षर किए हैं जिसके अंतर्गत बैंक ऑफ महाराष्ट्र अब सैलरी वेरियेंट के हिसाब से गवप्राइड सैलरी सेविंग अकाउण्ट स्कीम बैंकिंग सेवाओं के अंतर्गत मिलने वाली सुविधाएं प्रदान करेगा।

एमपी ट्रांसको के मुख्य वित्तीय अधिकारी मुकुल मेहरोत्रा ने बताया कि इसके लिए पिछले दिनों बैंक ऑफ महाराष्ट्र और एम.पी. ट्रांसको के बीच एम.ओ.यू. साइन किया गया, जिसमें बैंक ऑफ महाराष्ट्र द्वारा सैलरी खाता स्कीम के अंतर्गत अधिक से अधिक सुविधाएं प्रदान की गई है।

श्री मुकुल महरोत्रा ने आगे जानकारी दी कि इस समझोते के तहत बैंक ऑफ महाराष्ट्र, एम.पी. ट्रांसको के खाता धारक कार्मिकों को नई विशेष हितकारी सुविधाएं, जिनमें सामान्य मृत्यु बीमा 10 लाख तक, हवाई दुर्घटना बीमा कवर, दुर्घटना (मृत्यु) बीमा कवर, विकलांगता बीमा कवर, विभिन्न लोनों के प्रोसेसिंग फीस में छूट, चिकित्सा बीमा इत्यादि का लाभ प्रदान करेगा।

महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर गरिमामय श्रद्धांजलि कार्यक्रम

जबलपुर। हितकारिणी सभा और महाकोशल शहीद स्मारक ट्रस्ट ने आयोजित किया कार्यक्रम, गांधी जी के संदेशों को जन-जन तक पहुँचाया राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर हितकारिणी सभा और महाकोशल शहीद स्मारक ट्रस्ट द्वारा शहीद स्मारक, सेठ गोविंददास रंगमंच, गोल बाजार में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत हितकारिणी महिला महाविद्यालय से पदयात्रा से हुई, जिसमें छात्र-छात्राओं ने गांधी जी के संदेशों को पोस्टर और जयघोष के माध्यम से प्रस्तुत किया। पुष्पांजलि, दीप प्रज्वलन और सरस्वती पूजन के बाद कार्यक्रम में नाट्य प्रस्तुतियाँ, लेख वाचन और गांधी जी के जीवन पर आधारित प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि मान बाबू विश्वमोहन ने महिलाओं के उत्थान और शिक्षा पर जोर दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अंशुल मिश्रा ने किया और महाकोशल शहीद स्मारक ट्रस्ट के प्रबंध सचिव आर.के. टेहनगुरिया ने आभार व्यक्त किया।

किसान नवाचार और जैविक खेती अपनाएंः कलेक्टर

जबलपुर। किसान सेवा संगठन की युवा विंग, किसान सेवा सेना के सप्तम स्थापना दिवस पर भंवरताल कला वीथिका में कृषि संगोष्ठी, प्रशिक्षण एवं कृषक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने किसानों को पारंपरिक खेती से हटकर नवाचार और जैविक खेती अपनाने, तथा पराली प्रबंधन में युवाओं की सक्रिय भूमिका निभाने पर जोर दिया। पूर्व कुलपति डॉ. एस.पी. गौतम एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. संजय कुमार ने किसानों को वैज्ञानिक विधि से खेती करने और उच्च गुणवत्ता वाले बीजों का चयन करने की सलाह दी। इस अवसर पर कैलाश यादव, अर्चना सोनी, पंचम हल्दकार, रामदीन पटेल, सपना काछी एवं अंशु माला धगट को उत्कृष्ट जैविक और नवाचार खेती के लिए कलेक्टर द्वारा प्रशस्ति पत्र, मोमेंटो और शॉल-श्रीफल से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जिले भर के कृषक प्रतिनिधि एवं संगठन पदाधिकारी उपस्थित थे।

नर्मदा पंचकोषी परिक्रमा आज

जबलपुर। प्रत्येक माह की पूर्णिमा को हरे कृष्णा आश्रम से भेड़ाघाट से निकाली जाने वाली नर्मदा पंचकोषी परिक्रमा माघ पूर्णिमा पर 1 फरवरी रविवार प्रातः 7:30 बजे पूज्य संत महात्माओं के सानिध्य में निकाली जाएगी. आश्रम के संस्थापक स्वामी रामचंद्र दास जी महाराज द्वारा बद्रीनाथ धाम से पूजित गोमती चक्र का वितरण किया जाएगा. नर्मदा पंचकोषी परिक्रमा बेनगंगा पुल पंचवटी 64 योगिनी धुआंधार कल्याण तपोवन लामेटा घाट नाव पार करके शनि मंदिर डुडुवारा इमलिया न्यू भेड़ाघाट से सिद्धन माताजी आश्रम के सामने से नाव पार करके हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट में विशाल भंडारे के साथ समापन होगा. उपस्थिति के अपील शीर्ष अग्रवाल एडवोकेट करन पटेल ने की है।

5 फरवरी से शादियों की फिर धूम... जुलाई तक हैं शुभ मुहूर्त

सिर्फ होलाष्टक के कारण कुछ दिन रहेगी रोक

जबलपुर।

अभी शादियों का धूम-धड़ाका 4 फरवरी से फिर शुरू हो रहा है और उसके बाद फिर जुलाई तक शुभ मुहूर्त हैं। हालांकि होलाष्टक के कारण कुछ समय तक शुभ कार्य नहीं होंगे। शहरभर के मैरिज गार्डन, होटल पहले से ही बुक हो गए हैं, जो सोने-चांदी की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी के चलते आभूषणों की खरीदी घट गई है और सस्ती व आर्टिफिशियल ज्वैलरी का चलन भी एकाएक बढ़ गया है। बायपास से लेकर प्रमुख मार्गों पर शादियों के आयोजन के चलते यातायात जाम की स्थिति भी रहेगी, क्योंकि अधिकांश गार्डनों और होटलों में पार्किंग की भी पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। फरवरी माह में शादियों के लगभग एक दर्जन अच्छे मुहूर्त पंडितों के मुताबिक

बताए गए हैं और शुक्र देव के उदय के साथ ये शुभ कार्य शुरू हो जाएंगे, जो जुलाई तक जारी रहेंगे।वैसे तो कई समाजों में शादियां हो रही है और अधिक मास में भी शादियां हुई, लेकिन हिन्दू समाज में शुभ मुहूर्त में ही शादियों का अधिक चलन है। पंडितों-ज्योतिषियों से मुहूर्त निकलवाकर ही शादियां की जाती है और अब 4 फरवरी से शादियों का दौर शुरू हो रहा है और इसमें 5 के अलावा 6, 8, 10, 12, 14 सहित अन्य मुहूर्त हैं। मौसम के हिसाब से भी जनवरी और फरवरी में सबसे अधिक लोग शादियां करना पसंद करते हैं और फरवरी में वैलेंटाइन-डे पर भी शादियां अधिक होती है। मार्च में भी कुछ शादियों के अच्छे मुहूर्त हैं, तो अप्रैल, मई, जून की गर्मियों में भी शादियां होंगी। जुलाई में अवश्य 4 या 5 मुहूर्त अच्छे बताए गए हैं, जो कि 1, 6, 7 और 11 जुलाई को आ रहे हैं। बीच में होलाष्टक के कारण अवश्य मांगलिक कार्यों पर रोक रहेगी और 24 फरवरी से होलाष्टक शुरू होगा, जिससे होली की तैयारियां भी शुरू हो जाती है और मांगलिक कार्य 3 मार्च तक नहीं होंगे। इसके अलावा मार्च की अन्य तारीखों में शुभ मुहूर्त हैं। हालांकि शादियों के लिए महीनों पहले से ही बुकिंग का सिलसिला शुरू हो जाता है। मैरिज गार्डन, होटल, टेंट, हलवाई, कैटरिंग, बैंड-बाजा, घोड़ी से लेकर डेकोरेटर, वीडियोग्राफर सहित अन्य बुकिंग होती है। इंदौर में तो अब हाई-फाई शादियों का चलन भी बढ़ गया है, जो बड़ी-बड़ी इवेंट कम्पनियां करवाती हैं। दूसरी तरफ अभी सोने-चांदी की कीमतें तेजी से बढ़ रही हैं, जिसके कारण शादियों के इस सीजन में आभूषणों की बिक्री प्रभावित होगी, क्योंकि सोना और चांदी रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। हालांकि अभी दामों में गिरावट भी आई है। बावजूद इसके सामान्य, मध्यम वर्ग से लेकर उच्च वर्ग तक ने आभूषणों की खरीदी कम कर दी है। वहीं हल्के वजन के साथ 18 और 20 कैरेट की ज्वैलरी का चलन भी अधिक बढ़ गया है। दूसरी तरफ आर्टिफिशियल यानी कृत्रिम आभूषणों की बिक्री कई गुना बढ़ी है। वैसे भी आज-कल कई बड़ी-बड़ी कम्पनियां आर्टिफिशियल ज्वैलरी बनाने लगी है जो दिखने में असली ज्वैलरी से ज्यादा खूबसूरत लगती है। वैसे भी सोने के भावों में जो वृद्धि हुई है उसके चलते अब सोने के आभूषणों को पहनना भी महिलाओं के लिए जोखिम भरा हो गया है। बावजूद इसके शादियों के सीजन में सोने की बिक्री में इजाफा होता है और शहर के शोरूमों पर इसकी भीड़ नजर आने लगी है।

न्यायालय तहसीलदार रांझी जबलपुर
रा.प्र.क्रं/1282/अ-6/2025-26
आम इश्तहार

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक गीता रानी बल पति स्वर्गीय माधव चन्द्र बल नि.- 3227/10ए रॉझी तुलसी नगर रॉझी ने नजूल ब्लाक नं.- प्लाट नं.- रकवा 1350 व.फु./हे. ग्राम रॉझी प.ह.नं.-22 खसरा नं. 241, 241/3, 241/1/1/1/1/1 रकवा 1350 व.फु./हे. पर विक्रय पत्र/ हक त्याग/ वसीयतनामा/ दानपत्र/ वारसान हक/ दिनांक- मृत्यु दिनांक- को हो जाने के कारण वारसान हक/ क्रय उपरांत नाम दर्ज किये जाने का आवेदन पत्र-खसरा की छायाप्रति प्रस्तुत किया है।

प्रकरण में आवेदक द्वारा संलग्न नजूल संधारण खसरा/पटवारी/ डायवर्सन खसरा अनुसार नजूल ब्लाक नं.- प्लाट नं.- रकवा-1350 व.फु.हे./ ग्राम-रॉझी प.ह.नं.-22 खसरा नं.-241, 241/3, 241/1/1/1/1/1 रकवा-1350 व.फु./ हे. पर के नाम दर्ज है।

अतः किसी व्यक्ति विशेष या संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से दिनांक 05/02/2026 को इस न्यायालय तहसील रांझी जबलपुर में प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्तिकर्ता की आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं की जावेगी।

इश्तहार आज दिनांक 20/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

जारी दिनांक-20/01/2026
पेशी दिनांक-05/02/2026
मुद्रा
तहसीलदार
रांझी, जबलपुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व)
अनुभाग आधारताल जिला -जबलपुर
आम इश्तहार
प्रकरण क्रमांक 180/अ-6-अ/2025-2026
दिनांक 22/01/2026
विपिन बिहारी लाल वल्द हरगोंविंद प्रसाद, ग्राम बैतला जिला जबलपुर....अनावेदकगण

एतद् द्वारा अनावेदकगण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री विकास गुलाबराव खंडारे एवं अन्य निवासी एल.आई.जी. 62 के सामने अंगद नगर शहीद अब्दुल हमीद वार्ड क्रमांक 56 अधारताल जिला जबलपुर के द्वारा आवेदन पत्र अंतर्गत म.प्र.भू.रा.संहिता 1959 की धारा 115 के तहत मौजा बैतला स्थित भूमि खसरा नंबर 117/12 रकबा 0.0200 हे. एवं खसरा नंबर 117 / 10 रकबा 0.0200 हे. पर अनावेदकगण विपिन, बिहारीलाल का नाम विलोपित किये जाकर आवेदक द्वारा क्रय रकबा 1750 वर्गफुट पर अभिलेख दुरूस्ती हेतु प्रस्तुत किया है। उक्त प्रकरण सुनवाई हेतु दिनांक 05/02/2026 को नियत है। आप समस्त उत्तरवादीगण नियत पेशी दिनांक 05.02.2026 में उपस्थित होकर तत्संबंध में अपना पक्ष समर्थन करें । पेशी पर उपस्थित न होने पर एक पक्षीय कार्यवाही की जाकर प्रकरण में अग्रेतर कार्यवाही की जावेगी।

आज दिनांक 22.01.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।
जारी दिनांक - 22/1/2026
पेशी दिनांक - 5/02/2026
सील
अनुविभागीय अधिकारी
आधारताल, जबलपुर

पतंजलि अनुसंधान संस्थान एवं वेलनेस में 'योगा ओलंपियाड ओरिएंटेशन' एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

हरिद्वार। पतंजलि अनुसंधान संस्थान एवं वेलनेस, हरिद्वार में 'योगा ओलंपियाड ओरिएंटेशन एवं ट्रेनिंग प्रोग्राम' का नौ दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का पतंजलि अनुसंधान संस्थान एवं वेलनेस में संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम योगदर्शन, मनोविज्ञान एवं आध्यात्मिकता पर आधारित था, जो आंतरिक शांति एवं आध्यात्मिक चिंतन की दिशा प्रदान करता है। इस कार्यक्रम में शिक्षा विभाग सिक्किम सरकार के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में विकास, समानता एवं योग के व्यापक प्रसार को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ मेडिटेशन, शंख वादन और हवन पूजन से हुआ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए आयुर्वेद शिरोमणि आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि योग प्राचीन भारत की एक समग्र शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक साधना है। योग का उद्देश्य मन, शरीर और आत्मा के बीच संतुलन स्थापित करना है, जिससे आत्म-साक्षात्कार, मानसिक शांति एवं मोक्ष की प्राप्ति संभव होती है। योग के माध्यम से समग्र स्वास्थ्य में सुधार होता है, तनाव कम होता है तथा अनुशासित जीवनशैली अपनाने में सहायता मिलती है। इस अवसर पर योगऋषि स्वामी रामदेव ने कहा कि नेचुरोपैथी अर्थात प्राकृतिक चिकित्सा एक औषधि-रहित उपचार पद्धति है, जो शरीर की स्वाभाविक उपचार क्षमता को सक्रिय करती है। इसमें संतुलित आहार, जड़ी-बूटियाँ, जल एवं मिट्टी चिकित्सा, योग, प्राणायाम, उपवास, सूर्य चिकित्सा एवं एक्यूपंक्चर के माध्यम से रोगों के मूल कारणों का उपचार किया जाता है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक चिकित्सा एक प्रभावी पूरक उपचार पद्धति है, लेकिन गंभीर रोगों में अनुभवी चिकित्सक की सलाह अत्यंत आवश्यक होती है। साथ ही उन्होंने पतंजलि एवं सिक्किम सरकार के संयुक्त प्रयासों की संभावनाओं पर भी प्रकाश डाला। पतंजलि वेलनेस के संदर्भ में डॉ. विनिता ने बताया कि आयुर्वेद एवं प्राकृतिक जीवनशैली अपनाकर ही शरीर और मन दोनों को स्वस्थ रखा जा सकता है। उपचार की विधि रोग की प्रकृति, रोगी की स्थिति एवं विशेषज्ञ की सलाह के आधार पर निर्धारित की जाती है।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. वेदप्रिया आर्या ने पतंजलि की अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों का विस्तृत परिचय प्रस्तुत किया। इस अवसर पर डॉ. विशाल, सौरभ निर्मोही, डॉ. दीपिका, डॉ. विनिता सहित अन्य पतंजलि वैज्ञानिकों की सक्रिय सहभागिता रही। प्रतिनिधियों ने ऋषिकेश स्थित परमार्थ निकेतन, गीता भवन तथा गंगा आरती में भी सहभागिता कर आध्यात्मिक वातावरण का अनुभव किया। सिक्किम से आए प्रतिनिधियों ने पतंजलि गौशाला, गुरुकुलम, आचार्यकुलम, हर्बल गार्डन एवं अनुसंधान केंद्र का भ्रमण कर पतंजलि द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

कार्यक्रम में प्रमुख प्रतिनिधियों के रूप में श्री अधिकारी एवं जामयांग भूटिया उपस्थित रहे। समापन अवसर पर आचार्य बालकृष्ण ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें शाल और स्मृति चिह्न, प्रतीक-चिह्न एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

महतारी वंदन योजना से महिला सशक्तिकरण को मिला नया आयाम

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा आज जिला नारायणपुर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम से छत्तीसगढ़ शासन की महतारी वंदन योजना की 24वीं किस्त की राशि जारी किया गया। इस अवसर पर प्रदेश की 68 लाख 39 हजार 592 पात्र महिलाओं के बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से 641 करोड़ 34 लाख रुपए की राशि का अंतरण किया गया। मुख्यमंत्री शसाय ने राशि का अंतरण करते हुए कहा कि महतारी वंदन योजना से छत्तीसगढ़ में महिला सशक्तिकरण को नया आयाम मिला है।

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से महतारी वंदन योजना का शुभारंभ 1 मार्च 2024 को किया गया था। इस महत्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत 21 वर्ष अथवा उससे अधिक आयु की विवाहित महिलाओं को प्रतिमाह 1,000 रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है, जिससे वे अपनी दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति कर सम्मानपूर्वक जीवन यापन कर सकें। योजना के शुभारंभ से अब तक 23 किस्तों के माध्यम से प्रदेश की महिलाओं को कुल 14 हजार 954.42 करोड़ रुपए की राशि सीधे उनके बैंक खातों में अंतरित की जा चुकी है। यह व्यवस्था वित्तीय पारदर्शिता सुनिश्चित करने के साथ-साथ महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक प्रभावी पहल सिद्ध हो रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा 24वीं किस्त के रूप में 641.34 करोड़ रुपए की राशि जारी किए जाने के पश्चात महतारी वंदन योजना के अंतर्गत कुल वितरित राशि बढ़कर 15 हजार 595.77 करोड़ रुपए हो जाएगी।

महिला जिस मिट्टी के बर्तन को समझ रही थी कचरा, 29 लाख लगी उसकी कीमत

वाशिंगटन। कई बार हम जिस चीज को बेकार समझते हैं, वह असल में बेशकीमती निकलती है। ऐसा ही कुछ अमेरिका की एक बुजुर्ग महिला के साथ हुआ है। दरअसल, उनके घर में एक मिट्टी का बर्तन रखा हुआ था, जिसे वह कचरा समझ रही थीं। हालांकि, जब वह उसे नीलामी के लिए ले गईं तो उसकी कीमत लाखों में लगी। इसके बाद महिला की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। आइए इस अनोखे मामले को विस्तार से जानते हैं।

सालों से महिला के घर में रखा था बर्तन : महिला की उम्र 91 साल है और वह नेब्रास्का राज्य की रहने वाली हैं। उनका नाम लोइस जर्गेंस है और उनके पास यह दुर्लभ बर्तन सालों से मौजूद था। वह उसे मामूली समझती थीं और उसके ऊपर बोर्ड रखकर उसे मेज की तरह इस्तेमाल करती थीं। पिछले साल की गर्मियों में उन्होंने सोचा कि इसे कचरे वाली सेल में बेच देना सही रहेगा। उन्हें उम्मीद थी कि यह मिट्टी का बर्तन 1,817 रुपये तक बिक जाएगा।

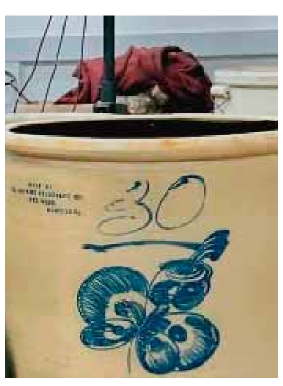

क्या है इस बर्तन की खासियत?

यह बर्तन रेड विंग स्टोनवियर एंड पॉटरी कंपनी का है। यह 30 गैलन का है, जो इसे बहुत दुर्लभ बनाता है। इसके कोनों पर स्टेंसिलिंग भी की गई है, जो बिल्कुल भी आम नहीं है। ऐसे दुनियाभर में केवल 4 या 5 ही बर्तन मौजूद हैं। इसे मिनेसोटा के रेड विंग के आस-पास की जमीन से निकाली गई मिट्टी से बनाया गया था। 1800 के दशक के आखिर में एक बड़ी भट्टी में इसे पकाया गया था।

कब और कहां हुई बर्तन की नीलामी?

जर्गेंस के 91वें जन्मदिन पर उन्हें एक बड़ी खुशखबरी मिली। दरअसल, 10 जनवरी को केन ब्रामेर नाम के व्यक्ति ने बर्तन की नीलामी का आयोजन किया। नीलामी में 300 लोग शामिल हुए थे और उसे फेल्प्स काउंटी 4-एच बिल्डिंग में आयोजित किया गया था। भीड़ में से अचानक एक आदमी खड़ा हुआ और उसने बर्तन के लिए 29 लाख रुपये की बोली लगा डाली। बस फिर क्या था, यह दुर्लभ बर्तन उनके नाम कर दिया गया।

कानून

ऐसे अजीबो-गरीब कानून, जिनके बारे में जानकर आप रह जाएंगे दंग

इटली में रहना है तो हमेशा मुस्कुराते रहना पड़ेगा, कुत्ता पाला तो तीन बार घुमाना होगा

इटली। हर कोई जीवन में एक बार इटली जाने का सपना देखता है। इस देश की खूबसूरती मंत्रमुग्ध कर देने वाली है और यहां का खाना तो विश्व भर में मशहूर है। आज हम इटली की सुंदरता पर नहीं, बल्कि यहां के विचित्र कानूनों के बारे में बात करने वाले हैं। ये कानून इतने अजीबो-गरीब हैं कि इसके बारे में जानने के बाद आप हैरत में पड़ जाएंगे। अगर आप हाल-फिलहाल में इटली जाने वाले हैं तो ये नियम याद रखिएगा।

हमेशा मुस्कुराते रहने का कानून

वैसे तो लोग खुश होने पर मुस्कुराते हैं, लेकिन इटली के एक शहर में आपको जबरदस्ती मुस्कुराना पड़ सकता है। मिलान के एक पुराने कानून के मुताबिक, सार्वजनिक स्थानों पर लोगों को हर समय मुस्कुराना जरूरी है। ऐसा माना जाता था कि इस कानून के जरिए शहर चमकेगा और खुशहाली को बढ़ावा मिलेगा। इस कानून को औपचारिक रूप से कभी निरस्त नहीं किया गया, लेकिन अब यह लागू नहीं किया जाता है।

आवाज करने वाले चप्पल-जूते न पहनने का कानून

अगर आप कैप्री शहर जाने की सोच रहे हैं तो अपने आवाज करने वाले जूते-चप्पल घर पर ही छोड़ दीजिएगा। जी हां, यहां का एक अजीब कानून कहता है कि लोग आवाज करने वाली सैंडल या जूते नहीं पहन सकते। इस शहर में लकड़ी के तलवे वाली सैंडल और फ्लिप-फ्लॉप चप्पलों पर प्रतिबंध लगा हुआ है। यहां की गलियां संकरी हैं, जिनमें आवाज गूंजती है। ऐसे में शांति बनाए रखने के लिए यह कानून बनाया गया था।

कब्रिस्तान में जगह नहीं इसलिए मरने पर प्रतिबंध

आप सुनकर यकीन नहीं कर पाएंगे, लेकिन एक समय पर इटली में मरने पर प्रतिबंध लगाया गया था। फाल्सियानो डेल मैसिको नाम के छोटे-से शहर में 2012 में यह कानून लागू किया गया था। इसके चलते मरने को गैरकानूनी बना दिया गया, क्योंकि शहर के कब्रिस्तान पूरी तरह से भर चुके थे। मेयर जूलियो सीजर फावा ने आदेश दिया था कि निवासियों और आगंतुकों को 'सांसारिक जीवन की सीमा पार करके परलोक में प्रवेश करने' से मना किया गया है।

रेत के किले न बनाने का कानून

समुद्र तट पर बच्चे-बड़े सभी रेत के किले बनाकर मनोरंजन करते हैं। हालांकि, अगर आपने एराक्लीया में ऐसा किया तो आप मुसीबत में पड़ जाएंगे। यहां का एक विचित्र कानून समुद्र तट पर रेत के किले बनाने को प्रतिबंधित करता है। इसका उद्देश्य सार्वजनिक मर्यादा बनाए रखना और समुद्र तट के किनारे चलने वाले लोगों के मार्ग में बाधा उत्पन्न होने से रोकना है। ऐसा करते हुए पकड़े जाने पर 27,082 रुपये का जुर्माना भरना पड़ता है।

कुत्तों को टहलाने का कानून

जो लोग कुत्ते पालते हैं वे अपनी मर्जी से उन्हें टहलाने ले जाते हैं। हालांकि, इटली के ट्यूरिन शहर में आप ऐसा नहीं कर सकते। यहां हर व्यक्ति को अपने कुत्तों को दिन में कम से कम 3 बार तो टहलना ही पड़ता है। पशु कल्याण संबंधी सख्त नियमों के तहत इसे 2005 में लागू किया गया था। इस नियम का पालन न करने वाले मालिकों पर 54,165 रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है।

वैवाहिकी
वधु चाहिए
ब्राह्मण सरयूपारी
47 वर्षीय 5'.7"
एजुकेशन b.com
मुबंई निवासी हेतु
सुंदर सुशील
युवती चाहिए
संपर्क करें:-
8839287764
7977728830

राशिफल

मेष – किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। कारोबार में भागदौड़ अधिक रहेगी।

वृष – धैर्यशीलता में कमी भी हो सकती है। संयत रहें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाहन के रखरखाव एवं वस्त्रों आदि पर खर्च बढ़ सकते हैं।

मिथुन – माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। कारोबार में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। लाभ में वृद्धि होगी।

कर्क – मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कुछ चिंता परेशान भी हो सकती हैं। माता का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता

सिंह – आत्मविश्वास में कमी रहेगी। संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। कारोबार में वृद्धि होगी। किसी मित्र का सहयोग भी मिल सकता है।

कन्या – आशा-निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

तुला – कला एवं संगीत में रुचि रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य में सुधार होगा। कारोबार में भाग-दौड़ बढ़ेगी, परन्तु स्वास्थ्य के प्रति सचेत भी रहे।

वृश्चिक – संयत रहें। क्रोध से बचें। बातचीत में संयत रहें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है।

धनु – आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु मन अशान्त भी रहेगा। आत्मसंयत रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं।

मकर – माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता रहेगी। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। कारोबार से लाभ में वृद्धि होगी।

कुंभ – आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। फिर भी धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। बातचीत में सन्तुलित भी रहें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है।

मीन – आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा, परन्तु आत्मसंयत रहें। अपनी भावनाओं को वश में रखें। पिता का साथ मिलेगा। किसी रुके धन की प्राप्ति हो सकती है।

दुनिया के कुछ होनहार और बुद्धिमान कुत्ते, जिनके नाम दर्ज हैं गिनीज विश्व रिकॉर्ड

लॉस एंजिलस। कुत्ते सबसे समझदार पालतू जानवरों में से एक होते हैं, जो अपनी वफादारी के लिए जाने जाते हैं। ये सही प्रशिक्षण के साथ न केवल अनुशासित जीवन जीते हैं, बल्कि कुछ हैरतअंगेह कारनामे भी कर दिखाते हैं। आज के लेख में हम आपको कुछ ऐसे कुत्तों के बारे में बताएंगे, जिन्होनें विश्व रिकॉर्ड कायम किए हैं। ये सभी रिकॉर्ड उनके कौशल या फिर अनोखे रूप के चलते उनके नाम किए गए हैं।

स्केटबोर्डिंग करने वाला कुत्ता

आपने शायद ही किसी ऐसे कुत्ते के बारे में सुना होगा, जो स्केटबोर्डिंग कर लेता हो। हालांकि, पेरू का एक बुलडॉग अपने नन्हें-नन्हें पंजों से स्केटबोर्ड पर कमाल के करतब किया करता था। उसने 2015 में स्केटबोर्ड पर सवार हो कर गई सबसे लंबी मनुष्य टनल (30 लोग) पार की थी। इसके बाद उसका नाम गिनीज बुक में शामिल किया गया था। वह अपने स्केटबोर्डिंग, सर्फिंग और सैंडबोर्डिंग कौशल के लिए मशहूर हुआ करता था।

सबसे लंबी छलांग लगाने वाला कुत्ता

कुत्ते उत्तेजित हो कर अक्सर छलांग लगाने लगते हैं। हालांकि, अमेरिका में एक ऐसा कुत्ता भी रहता है, जिसकी लंबी छलांग ने उसे एक विश्व रिकॉर्ड बनाने में मदद की है। उसका नाम साउंडर्स है, जो लॉरेल बेहनके नाम के व्यक्ति का एक व्हिपेट कुत्ता है। उसने 30 जुलाई, 2022 को 36 फीट 6 इंच (11.12 मीटर) की अविश्वसनीय छलांग लगाई थी। वह अपने खुद

दुनिया का सबसे छोटा कुत्ता

आमतौर पर एक आइसक्रीम की डंडी का आकार 5 इंच से ज्यादा होता है, लेकिन दुनिया का सबसे छोटा कुत्ता इससे भी छोटा है। आपको जानकर हैरानी होगी कि यह कुत्ता आपकी जेब में भी फिट हो सकता है। इसका नाम पर्ल है, जो फ्लोरिडा का एक मादा चिहुआहुआ है। वह 3.59 इंच लंबी है और उसे वैनेसा सेम्लर नाम की महिला पाल रही हैं। इस कुत्ते को दुनिया के सबसे छोटे कुत्ते का गिनीज विश्व रिकॉर्ड मिला है।

आवश्यकता

आवश्यकता है - सुरक्षागार्ड, गनमैन, सुपरवाइजर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, फील्ड ऑफिसर कामवाली बाई। वेतन योग्यता अनुसार आवास फ्री। पता- श्रीसांई सिक्युरिटी सर्विस, सांई निवास कॉम्प्लेक्स, जेजे हॉस्पिटल के बाजू में तोरवा बिलासपुर 9301186703, 8253010291 (रायपुर /03/फरवरी 26)

आवश्यकता है- कुत्ते के आश्रम में जिम्मेदार स्टाफ चाहिए । कुत्तों को खाना देना, देख - भाल, मल मूत्र सफाई का कार्य, रू 10,000 मासिक वेतन, रहना खाना उपलब्ध । चंदखुरी रायपुर, छत्तीसगढ़ 7225888800 (रायपुर 26)

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सेक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330

शब्द पहेली - 6125

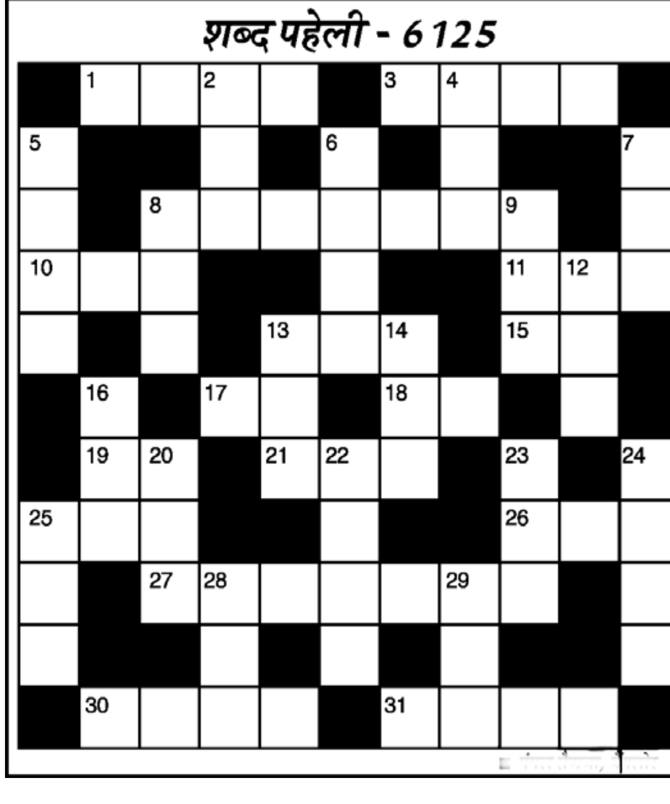

बाएँ से दाए
1. मरघट, कब्रिस्तान-4
3. पागल, बुद्धिहीन-4
8. भगवान, ईश्वर, खुदा-7
10. डांटना, दुत्कार-3
11. तरुण, किशोर-3
13. ओट, घूँघट-3
15. तपस्या-2
17. पराया, अजनबी-2
18. आनंद, मौज-2
19. सूर्य, भास्कर-2
21. चिंतन, सोच विचार-3
25. वेणी, फूलों की माला जो बालों में लगाते हैं-3
26. वैद्य-3
27. आभास करना-4,3
30. शिव के इस मंदिर को महमूद गजनवी ने कई बार लूटा था-2,2
31. युद्धघोष, आक्रमण, हमला-4

ऊपर से नीचे
2. कवि, गजलकार-3
4. भारत का झंडा-3
5. ईश्वर, भगवान-4
6. गुरुवार-4
7. दुर्ज, पापी, भूत-3
8. शरण, आश्रय-3
9. चांदी-3
12. उत्तराधिकारी-3
13. उत्कृष्ट, प्रधान-3
14. आंचल-3
16. कमल-3
20. रुकना, अंत, ठहराव-3
22. उत्तमता, खूबी (उर्दू-4)
23. बर्दाश्त करना, निभाना-3
24. आय, कमाई-4
25. उष्ण-3
28. पराजित करना-3
29. उपपत्नी, दूसरी पत्नी-3

शब्द पहेली- 6124 का हल

रा	ऊ	ल	के	ला	■	■	क	स	क	■
ह	र्जा	■	श	■	श	त्रु	ता	■	न्या	य
गु	■	■	ही	र	क	■	र	■	■	म
ज	ला	व	न	■	■	गं	■	अ	नु	ज
र	■	च	■	बे	ल	गा	म	■	की	■
■	शा	न	■	क	■	ज	■	ब	ला	■
■	य	■	श	रा	र	ल	■	न्द	■	त
म	द	द	■	र	■	■	अ	र	मा	न
श	■	■	स	■	शा	य	र	■	■	ब
क	म	■	न	र	म	■	मा	■	मा	द
■	जा	न	म	■	■	म	न	मो	ह	न

सूडोकु नवताल - 6135

★★★★☆ कठिन

4							1	8
			6	7				2
			8					
	8	5						
	2			1			7	
						3	5	
					5			
1				4	7			
9	6							4

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6134 का हल

1	9	7	4	8	6	2	3	5
4	5	3	9	1	2	7	6	8
2	6	8	7	3	5	9	1	4
5	3	1	2	7	9	4	8	6
9	2	4	8	6	1	5	7	3
7	8	6	5	4	3	1	9	2
3	4	9	6	2	7	8	5	1
6	7	2	1	5	8	3	4	9
8	1	5	3	9	4	6	2	7

दुनिया की भीड़ में क्यों बढ़ रहा है अकेलापन

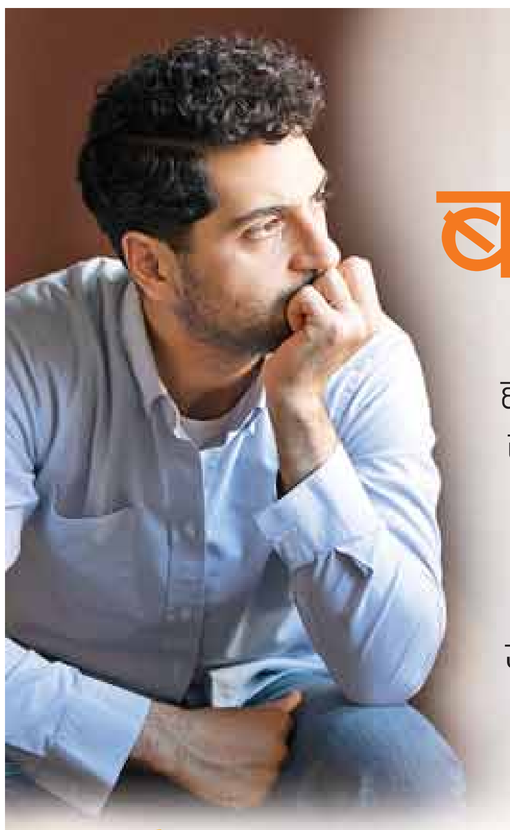

देश-दुनिया की आबादी भले ही दिनों-दिन बढ़ रही हो, लेकिन इसके उलट लोगों का अकेलापन भी बढ़ रहा है। अकेलेपन की समस्या विश्वव्यापी है। भारत समेत अनेक देशों के लोग इस समस्या का सामना कर रहे हैं। अकेलेपन का हमारे स्वास्थ्य ही नहीं पूरे जीवन पर दुष्प्रभाव पड़ता है। ऐसे में यह बहुत जरूरी है कि इसके कारणों को जाना जाए और इसे दूर करने का हर संभव प्रयास किया जाए।

कवर स्टोरी
एस. भाग्यम शर्मा

यह सही है कि दुनिया में आठ अरब से अधिक और हमारे अपने देश में 140 करोड़ से अधिक लोग रहते हैं। लेकिन दुख की घड़ी में शायद ही एक कंधा ऐसा मिले, जिस पर सिर रखकर हम रो सकें। सोशल मीडिया पर भले ही हमारे हजारों दोस्त होंगे, फॉलोअर्स होंगे, लेकिन असल जिंदगी में एक भी हमारे साथ नहीं होता। यानी आज लोगों की भीड़ में भी हर कोई खुद को अकेला महसूस कर रहा है।

स्वास्थ्य के लिए हानिकारक

अगर कोई शारीरिक बीमारी हो तो इसका असर दूसरों को नजर आता है। अकेलेपन का दुष्प्रभाव धूम्रपान और मोटापे की तरह शरीर पर नजर नहीं आता है। दरअसल, अकेलापन हमारे मन को बीमार बना देता है। अकेलापन एक दिन में 15 सिगरेट पीने से भी ज्यादा खतरनाक असर हमारे स्वास्थ्य पर डालता है। अकेलापन समय से पहले मृत्यु के खतरे को 25% तक बढ़ा देता है। अकेलेपन से ब्रेन स्ट्रोक और हृदय रोग का खतरा 30% तक बढ़ता है। यह डिमेंशिया के खतरे को 50% तक बढ़ा देता है, इसलिए यह बहुत आवश्यक है कि समय रहते अकेलेपन की इस बीमारी को पहचान लें और यह जानें कि कहीं आप भी अकेलेपन के अंधेरे में खोते तो नहीं जा रहे हैं।

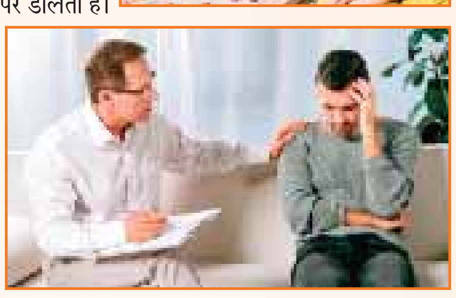

दुनिया भर में लोग हैं परेशान

वर्ष 2023 में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अकेलेपन को एक वैश्विक स्वास्थ्य संकट घोषित किया था। अकेलेपन को परिभाषित करते हुए डब्ल्यूएचओ ने कहा था कि अकेलापन व्यक्ति की अपनी भावनात्मक पीड़ा है, जो सामाजिक अलगाव और सार्थक रिश्तों की कमी से पैदा होती है। आज के दौर में अकेलापन दुनिया भर में एक गंभीर बीमारी का रूप ले चुका है। जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों में कई लोग इस कदर अकेले हो चुके हैं कि अगर उनकी मृत्यु भी हो जाए तो कई-कई दिनों तक बाहरी दुनिया को उनकी मौत के बारे में पता ही नहीं चलता।

वहां से आई खबरों के अनुसार पिछले साल जापान में करीब 76,000 लोगों की उनके घर में अकेले रहते हुए मौत हुई। 4,000 लोग ऐसे थे, जिनके मरने के करीब एक महीने के बाद बाहर के लोगों को उनकी डेड बॉडीज मिलीं। जापान में तो अकेलेपन को दूर करने के लिए ज्यादा उम्र के लोग कई बार जान-बूझकर अपराध करने के लिए भी तैयार हो जाते हैं, जिससे उन्हें सजा मिले और सजा के बाद वे जेल में दूसरे लोगों से मिलकर कुछ बातचीत कर सकें, उनका अकेलापन दूर हो, उनका मन लग सके।

बढ़ रहे हैं एकल परिवार

भारत में भी अकेलापन तेजी से फैल रहा है। इसकी मुख्य वजह है भारतीय समाज में टूटते संयुक्त परिवार। पहले के दौर में हमारे घर-परिवार में साथ रहने वाले अपने माता-पिता, दादा-दादी, नाना-नानी के साथ हम अपना सुख-दुख शेयर कर लिया करते थे। लेकिन अब वह दौर नहीं रहा। अब संयुक्त परिवारों की जगह एकल परिवारों ने ले ली है, जहां परिवार में पति-पत्नी ही रहते हैं। कई कपल तो बच्चे तक पैदा नहीं करना चाहते। बच्चे इसलिए नहीं पैदा करना चाहते, क्योंकि वे जानते हैं कि अगर बच्चे हुए तो उनकी देखभाल करने वाला परिवार में कोई नहीं है। महानगरों में 'ड्यूल इनकम-नो किड्स' का चलन बढ़ रहा है।

बढ़ती सामाजिक दूरी भी है वजह

पिछली सदी तक हम सब अनजान लोगों से भी बातचीत कर लिया करते थे। कोई रास्ता पूछता था तो बड़े मन से उसे रास्ता बताते, कई बार तो उन्हें उनके गंतव्य तक छोड़ कर आ जाते थे। बाजार जाते तो किराने की दुकान या सब्जी की दुकान पर दुकानदार से बातचीत कर लिया करते थे। अड़ोसी-पड़ोसी से उनका हाल-चाल पूछ लिया करते थे। चाय की दुकानों पर जाने-अंजाने लोग भी खूब बतियाते थे। लेकिन अब ऑनलाइन शॉपिंग के बढ़ते ट्रेंड से लोगों का बाजार आना-जाना भी बहुत कम हो गया है। सब इतने व्यस्त हो गए हैं कि किसी के पास समय ही नहीं रह गया है, एक-दूसरे की खबर लेने का।

बच्चे-युवा भी हो रहे प्रभावित

2021 के ग्लोबल सर्वे के मुताबिक, अकेलेपन से प्रभावित होने वाला तीसरा सबसे बड़ा देश भारत है। इस रिपोर्ट के अनुसार, भारत के शहरों में 43% लोग अकेलापन महसूस करते हैं। चिंताजनक बात यह है कि 13 से 15 साल की उम्र के 25 % बच्चे भी अकेलापन अनुभव कर रहे हैं। सोशल मीडिया की वजह से भी अकेलापन तेजी से बढ़ रहा है। कई स्टडीज में सामने आया है कि सोशल मीडिया की लत, युवाओं में अलगाव, अकेलापन और डिप्रेशन को बढ़ा रही है।

मशीनी हो रही भावनाएं

अकेलापन इसलिए भी बढ़ रहा है कि लोग एक-दूसरे के साथ अपनी भावनाएं साझा नहीं करते हैं। सोशल मीडिया में कोई इमोजी भेजकर खुद को दायित्वमुक्त समझ लेते हैं। आजकल लोगों को लगता है कि भावनाओं को व्यक्त करने के लिए किसी की आंखों में आंख डालने की जरूरत नहीं है। किसी का हाथ थामने की जरूरत नहीं है। लोगों को लगता है कि भावनाओं को व्यक्त करने के लिए इमोजीज भेजना ही पर्याप्त है। यानी जब हम दुखी महसूस करते हैं तो हमारे साथ किसी की वास्तविक भावनाओं के स्थान पर ढेरों इमोजीज होते हैं।

अकेलापन दूर करने का करें प्रयास

हमें बचपन से ही सिर्फ यह सिखाया जाता है कि सफलता ही खुशी का सबसे बड़ा पैमाना है और जीवन में हर कीमत पर सफल होना सबसे जरूरी है। जो सफल है, वह खुश भी रह लेगा। हमें रिश्तों की अहमियत नहीं सिखाई जाती। सफलता और अधिक से अधिक पैसा, सुख-सुविधएं अर्जित करने की अंधी दौड़ में ज्यादातर लोग अपने रिश्तों को पीछे छोड़ देते हैं। जाहिर है, इससे जीवन में अकेलापन आएगा ही। अकेलापन किसी सफलता से या दौलत कमाने से या शानदार करियर से नहीं, अपनों के साथ होने से दूर होता है। इसलिए अगर आप भी अकेलापन महसूस करते हैं तो सोशल मीडिया पर ही नहीं अपने दोस्तों, रिश्तेदारों से मिलने उनके घर जाइए, उन्हें अपने घर बुलाइए। परिवार के साथ समय बिताइए। अंजान लोगों से भी बात करने में न हिचकिचाइए। यही नहीं अगर आपके परिवार में या आस-पास कोई ऐसा व्यक्ति है, जो अकेलापन महसूस कर रहा है तो उससे बात कीजिए। उसके अकेलेपन को दूर करने का प्रयास कीजिए। जरूरत पड़ने पर काउंसलर की मदद भी ले सकते हैं। ऐसा करने से उस व्यक्ति का अकेलापन तो दूर होगा ही, आपको भी आत्मीय खुशी, संतुष्टि मिलेगी। *

कई देशों में हो रही नई पहल

अकेलेपन की समस्या से निपटने के लिए अलग-अलग देशों में अब कई तरह की पहल की जा रही है। जैसे दक्षिण कोरिया में बुजुर्गों के लिए हैप्पी कैब्स चलाई जा रही हैं। यह एक कैब सर्विस है, जिसमें बुजुर्ग लोग अंजान लोगों के साथ बैठकर घूमने जा सकते हैं। उनसे बातचीत कर सकते हैं, अपने सुख-दुख साझा कर सकते हैं। इससे उन्हें अपना अकेलापन दूर करने में मदद मिलती है। इसी तरह अकेलेपन की समस्या के समाधान को तलाशने के लिए ब्रिटेन ने वर्ष 2018 में ही लोनलीनेस मिनिस्टर की नियुक्ति शुरू कर दी थी। एक अलग मंत्रालय, एक अलग मंत्री, जो सिर्फ यह देखेगा कि देश में लोगों के अकेलेपन को कैसे दूर किया जा सकता है? वहां अकेलेपन से जूझ रहे लोगों को काउंसिलिंग और मेडिकल सपोर्ट उपलब्ध कराए जाते हैं।

जिंदगी को खुशमिजाज बनाना हमारे ही हाथों में होता है। अगर हम अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में कुछ बदलाव कर लें, कुछ आदतों को शामिल कर लें तो हमारी जिंदगी खुशमिजाज बन सकती है। ऐसा किस तरह हो सकता है, जानिए।

जीने के अंदाज में करें बदलाव खुशमिजाज हो जाएगी जिंदगी

लाइफस्टाइल
शिखर चंद जैन

हमारा दिमाग ही हमारी सोच और नजरिए का स्रोत होता है। जब दिमाग अशांत या उद्वेलित रहता है तो हमें हर चीज में उथल-पुथल, नकारात्मकता और बुराई नजर आती है। लेकिन जब दिमाग शांत रहता है, हम खुशमिजाज रहते हैं तो हमें हर चीज सकारात्मक अच्छी और सही लगती है। खुशमिजाजी और सुकून के लिए कुछ बातें और आदतें अपनानी जरूरी हैं।

लोगों से बनाए अच्छे संबंध

भले ही सबको खुश रखना दुनिया का सबसे कठिन काम है लेकिन सबके साथ खुश रहना दुनिया का सबसे आसान काम है। हार्वर्ड स्टडी ऑफ एडल्ट डेवलपमेंट के डायरेक्टर और मनोचिकित्सक रॉबर्ट वालडिंगर का कहना है कि लोगों के साथ मजबूत और मधुर संबंध खुशी की प्रमुख वजह बन सकते हैं। ये लोग रोमांटिक पार्टनर, आपके दोस्त, बच्चे, सहकर्मी, पड़ोसी, रिश्तेदार या भाई-बहन कोई भी हो सकते हैं। भले ही हम सब स्वतंत्रता को खास मानते हों, लेकिन यह ना भूलें कि हम सब एक-दूसरे पर निर्भर होते हैं। जब हम अपने इर्द-गिर्द मौजूद लोगों के साथ अच्छे संपर्क रखते हैं तो मानसिक खुशी तो मिलती ही है, एक बड़ा सपोर्ट सिस्टम भी मिलता है, जो हमें हर तरह से सुकून देता है।

अजनबियों से करें बातचीत

ओटावा (कनाडा) की कार्लटन यूनिवर्सिटी के मनोविज्ञानी जॉन जेलवेंसकी कहते हैं कि आपको एक्सट्रोवर्ट होना चाहिए। अंतर्मुखी, गंभीर और चुप्पी साध कर रहने वाले लोग उदास रहते हैं, जबकि सबसे आसानी से घुल-मिल जाने वाले और अजनबी लोगों से बातचीत करने की कला जानने वाले अकसर खुशमिजाज रहते हैं। साथ ही ऐसे लोग आसानी से अपना सोशल सर्किल और बिजनेस सर्किल भी बढ़ा लेते हैं, जिससे इन्हें सफलता मिलती है। जाहिर है, सफलता भी खुशी मिलने की एक महत्वपूर्ण वजह है।

पालतू के साथ समय बिताएं

वाशिंगटन स्टेट यूनिवर्सिटी द्वारा किए गए एक ताजा अध्ययन में पाया गया कि पालतू जानवर के साथ बिताया गया 10 मिनट का समय भी दिमाग को सुकून देने वाला होता है। इससे कार्टिसोल नामक स्ट्रेस हार्मोन का स्तर गिरता है। अमेरिकी नागरिकों द्वारा किए गए एक शोध में पाया गया कि सबसे ज्यादा सुकून देने वाले पालतू कुत्ते होते हैं।

कुदरत को निहारें

यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया के शोधकर्ताओं ने 90 स्टूडेंट्स पर किए गए शोध में पाया कि कुदरत को निहारना मन को सुकून देने वाला एहसास होता है। जब हम पेड़-पौधों और जीव-जंतुओं को निहारते हैं तो हमारा ध्यान परेशानियों से हटकर पूरी तरह उन्हीं पर लग जाता है। इससे दिमाग को सुकून मिलता है।

फल-सब्जी ज्यादा खाएं

सोशल साइंस एंड मेडिसिन जर्नल में प्रकाशित ताजातरीन स्टडी रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रचुर मात्रा में फल और सब्जी खाने से खुशमिजाजी और सुकून मिलता है। इसलिए रोज कच्ची सब्जियों का सलाद और फल खाएं। सबसे बड़ी बात यह है कि अगर आप खान-पान, आराम और सोने का समय निर्धारित कर लेते हैं तो आपका हैप्पीनेस लेवल बढ़ जाता है। न्यूट्रीशन, एक्सरसाइज और रेस्ट, खुशी के मूल मंत्र हैं।

वाटर बॉडीज के पास जाएं

जर्नल आफ एनवॉयर्नमेंटल साइकोलॉजी में प्रकाशित एक अध्ययन में पाया गया कि पानी के संग्रह स्थल नजदीक रहने से लोगों में पॉजिटिव इमोशंस का संचार होता है। स्विमिंग पूल, समुद्र या नदी के किनारे खड़े होकर पानी की हलचल को निहारना सुकून देता है। इससे स्ट्रेस लेवल भी कम होता है। *

इन पर भी करें अमल

जीवन के हर आयाम को बराबर समय देने की कोशिश करें, जैसे- परिवार, व्यापार, मित्र, जीवनसाथी, समाज आदि क्षेत्रों में सक्रिय रहें। हंसी-मजाक करें, लेकिन दूसरों का मजाक ना उड़ाएं। कई बार इससे स्थिति बिगड़ जाती है और तनाव का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा नए अनुभवों पर पैसा और समय खर्च करें। उन कार्यों को करे, जो आपने कभी नहीं किया और देखा। जैसे हॉर्स राइडिंग करना, घुड़दौड़ देखना, अंडरवाटर स्पोर्ट देखना या इसमें शामिल होना, थिएटर में जाकर नाटक देखना, किसी बर्फीले स्थान की यात्रा करना आदि।

व्यंग्य
अंशुमान खरे

गणित के मास्साब को पहली बार किसी सवाल पर नर्वस होते देखा। इसलिए मैं बार-बार उनसे इस प्रश्न को पूछता रहा। मास्साब को भी समझ नहीं आ रहा था कि कौन-सा फार्मूला लगाएं कि दो लीटर दूध बराबर चालीस लीटर दूध हो जाए। कुछ तो गड़बड़ है।

प्रतिभा सम्मान

गणित में बचपन से ही हम बगैर होशियार होकर भी होशियार थे। न मालूम गणित के मास्साब कहां-कहां से सवाल लाते थे, लेकिन पिटते-पिटाते किसी तरह गणित में पास कर दिए जाते थे। घर वालों की तमन्ना डॉक्टर, इंजीनियर बनाने की थी। कक्षा में हमेशा अपराधी की तरह बैठे रहते थे। गणित के गुरु जी हमेशा हमें अंतरराष्ट्रीय गणितज्ञ बनाने का मजाक करते रहते थे। पर हमें कुछ भी समझ नहीं आता। हमारे गणित के गुरु जी फिरकी लेते थे कि मुझे भगवान भी नहीं समझा सकते। गणित की क्लास हमारे लिए आफत से कम नहीं थी। मास्साब के सवाल भी माशाअल्लाह अद्भुत होते थे। एक औरत एक काम को चार घंटे में पूरा कर लेती है तो बताओ उसी काम को आठ औरतें कितने समय में पूरा करेंगी? मैं कहता, 'आठ औरतें काम तो पूरा कर नहीं पाएंगी। हां, रायता जरूर फैला देंगी।'

सवाल से सवाल निकालने की कला में हमारे मास्साब का कोई सानी नहीं था। कपड़े पर अटक गए तो उसी से जुड़े सवाल पर सवाल पूछने लगते, 'बताओ बच्चो, अगर एक साड़ी धूप में एक घंटे में सूखती है तो चार साड़ियां सूखने में कितना समय लेंगी?'

बहुत सरल सवाल सोचकर मैं हाथ उठाकर बोल पड़ा, 'वेरी सिंपल, चार घंटे।' मास्साब जवाब सुनकर आपे से बाहर हो गए। मैं समझ नहीं पा रहा था, मास्साब को सीधा-सा गुणा करना नहीं आता क्या?

मैंने हिम्मत करके एक सवाल पूछ लिया, 'गुरु जी, अगर एक गांव में एक गाय है और वह दो लीटर दूध देती है तो बताइए गांव वाले चालीस-चालीस लीटर दूध बाहर कैसे सप्लाई करते हैं?' मास्साब का माथा ठनका और तमतमा कर क्लास से बाहर चले गए। मेरा सवाल अनुत्तरित रह गया। मेरे सवाल पर क्लास में चर्चा होने लगी। सब हैरान। प्रश्न तो उचित है। मास्साब नाराज क्यों हो गए? गणित के मास्साब का वैसे भी स्कूल में काफी जलवा था। प्रधानाचार्य से लेकर सभी अध्यापक और छात्र उनको आदर की दृष्टि से देखते थे। दूध की सप्लाई का सवाल गणित के मास्साब के गले की फांस बन गया। कुछ दोस्तों ने कहा, 'पानी मिला लेते होंगे।'

पर इतना पानी मिलाकर दूध रह ही नहीं पाएगा। सब पानी-पानी हो जाएगा।

मास्साब इस बात को पता लगाने में जी-जान से जुट गए कि इस प्रश्न को किसके इशारे पर उनसे पूछा गया है। यह किस अध्यापक की साजिश है, पता लगाना जरूरी है। गणित के मास्साब को पहली बार किसी सवाल पर नर्वस होते देखा। इसलिए मैं बार-बार उनसे इस प्रश्न को पूछता रहा। मास्साब को भी समझ नहीं आ रहा था कि कौन-सा फार्मूला लगाएं कि दो लीटर दूध बराबर चालीस लीटर दूध हो जाए। कुछ तो गड़बड़ है। इस तरह के सवाल किसी किताब में नहीं होते हैं। मास्साब मेरे प्रश्न में उलझते जा रहे थे। मैं उनकी तरफ आशाभरी दृष्टि से टकटकी लगाकर धैर्य से देखता रहता था।

मेरे प्रश्न को दूर-दूर तक पहुंचाया गया। कहीं से समस्या का समाधान निकले। प्रधानाचार्य जी ने ऐसा गांव पहचाना, जहां के लोग दो लीटर दूध से चालीस लीटर दूध बनाने में सफल हुए हैं। उन्होंने गांव के लोगों को सम्मानित करने की योजना बनाई। गांव के प्रधान गांव को सम्मानित करने के नाम से उत्साहित दिखे। ऐसे प्रतिभाशाली लोगों की ओर सबका ध्यान खींचने के लिए मुझे भी मालाओं से लाद दिया गया। क्षेत्र के विधायक, सांसद, सभी ने गांव को सम्मानित करने में रुचि दिखाई। श्वेत क्रांति के लिए पूरे गांव के लोगों को बधाई देने वालों का तांता लग गया। शासन, प्रशासन ने भी गांव को सम्मानित करने के सुर में सुर मिला दिया। जिलाधिकारी से लेकर सारे कर्मचारी मुस्तैदी से सम्मान समारोह की तैयारी में जुट गए हैं। लेकिन मैं और गणित के मास्साब प्रश्न अनुत्तरित रहने से चिंतित हैं। हम दोनों शून्य में उत्तर खोजने की कोशिश कर रहे हैं। दुग्ध क्रांति की गुत्थी उलझती जा रही है। सुना है कि गांव के सम्मान समारोह में प्रदेश के मुख्यमंत्री भी आएंगे और ऐसी प्रतिभाओं को सम्मानित करेंगे, जो दो लीटर दूध से चालीस लीटर दूध सप्लाई करने का 'हुनर' जानते हैं। *

लघुकथा / निशा भास्कर

छांव से दूर

अस्पताल जाते समय सड़क की भीड़ और अब वहां सैकड़ो की संख्या में कतारबद्ध खड़े लोगों को देखकर बाबूजी बोले, 'महानगरों के सड़कों पर दौड़ती-हांफते वाहनों के साथ, यहां का आम जीवन थरथराते हुए गुजरता है।'

'राजधानी में अच्छी सुविधा मिलेगी, यह सोचकर सभी राज्यों से लोग आकर यहां बसना चाहते हैं और बसते भी हैं, इसलिए भीड़ तो होगी ही।' बाबूजी की ओर देखकर मयंक धीरे से बोला। बाबूजी बड़ी मुश्किल से इलाज के लिए अपना घर और गांव छोड़कर अपने बेटे मंयक के पास इस महानगर में आए थे। कहीं बाबूजी गांव वापस जाने की जिद्द न करने लग जाएं, यह ख्याल आते ही मयंक बोला, 'बाबूजी एक बार आपका अच्छी तरह से इलाज हो जाए बस और हमें क्या चाहिए!' 'अरे बेटा! मुझे लगता है यहां तो हम और भी बीमार हो जाएंगे। स्वस्थ क्या खाक होंगे?' कहकर वे तेज-तेज खांसने लगे। उनकी आंखें भी लाल हो गईं। मयंक ने घबराकर इधर-उधर देखा। अस्पताल का प्रतीक्षालय पूरी तरह से भरा हुआ था। एक भी सीट खाली नहीं थी, जहां बाबूजी को वह बैठा सके। एक व्यक्ति जो उसी की तरह दिख रहा था। मयंक ने उसे आग्रहपूर्ण नजरों से देखा। उस व्यक्ति ने खड़े होकर बाबूजी को बिठाने का इशारा किया। मयंक ने बाबूजी को बिठाया और दोनों हाथ जोड़कर उस व्यक्ति का आभार व्यक्त किया और बाबूजी से बोला, 'मैं अभी आया।' फिर वह शीघ्रता से अस्पताल से बाहर निकल गया। थोड़ी ही देर में पानी की बोतल लेकर आया और बाबूजी को पानी पिलाकर बोला, 'आप चिंता न करें, हम जिस डॉक्टर से दिखाने के लिए आए हैं, उनका बहुत नाम है। उनके इलाज से कितना भी पुराना रोग, ठीक हो जाता है।' बाबूजी, बेटे की बात सुनकर बोले, 'अरे! यह तो बुढ़ापे का रोग है। खांसना-खंखारना तो लक्षण है, बुढ़ापे का। लेकिन बेटा, मेरी एक बात ध्यान से सुन, यह शहर बड़ा है, डॉक्टर बड़ा है पर हम तो बड़े लोग नहीं हैं न! बड़ा शहर और इसकी सुविधाएं बड़े लोगों के लिए होती हैं। हम इनके फोटो देखकर अपने से झूठ बोलते हैं कि मैं भी इसका हिस्सा हूं। पर हमारी इतनी औकात नहीं है।' मयंक की आंखें गीली हो गईं। वह बोला, 'सच कह रहे हैं बाबूजी! बीस साल की नौकरी में क्या ही कर लिया मैंने? आज तक बीवी बच्चों को इस शहर में एक छत भी न दे सका।' बेटे को इस तरह उदास देखकर बाबूजी उसके सिर पर हाथ रखकर बोले, 'बेटा हम अपने गांव चलेंगे। वहीं के अंग्रेजी स्कूल में मेरी पोती पढ़ेगी और मैं अपने बड़े से आंगन में नीम की छांव तले बैठकर उसके साथ खेलूंगा और' तभी नर्स ने टोकन नंबर बहत्तर रामजस को आवाज दी। मयंक बाबूजी का हाथ थाम कर बोला, 'चलिए बाबूजी, अपना नंबर आ गया।' *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

अलग मिजाज की कहानियां

वरिष्ठ कथाकार हबीब कैफी की चुनी हुई सत्रह कहानियां 'तमन्ना खानम' पुस्तक में प्रकाशित हुई हैं। करीब साढ़े पांच दशक के कालखंड में लिखी गई ये कहानियां, हमें समाज के अलग-अलग तबके से ताल्लुक रखने वाली स्त्रियों की जिंदगी से रूबरू कराती हैं। कहीं पुरुषत्व के दंभ से दमित लेकिन फिर भी उसके साथ रहने को विवश भंवरी नजर आती है (औरत), तो कहीं गणिकाओं के जीवन की त्रासदी भोगती मरजीना की कराह सुनाई पड़ती है (मरजीना)। 'तमन्ना खानम' कहानी में उच्च वर्ग की महिला तमन्ना को अपनी जिंदगी की पेचीदगियों को अपने अंदाज में सुलझाते देखा जा सकता है। बहुत अलग मिजाज की ये कहानियां, कहीं-कहीं उर्दू के मशहूर कथाकार मंटो की याद दिलाती हैं। इन कहानियों में भाषा की रवानगी भी देखने लायक है। *

पुस्तकः तमन्ना खानम (कहानी संग्रह), **लेखकः** हबीब कैफी,
मूल्यः 299 रुपए, **प्रकाशकः** कौटिल्य बुक्स, नई दिल्ली

एलेना ने विमेंस सिंगल्स के फाइनल में आर्यना को 6-4, 4-6, और 6-4 से दी मात

रिबाकिना ने किया बड़ा उलटफेर, विश्व नंबर 1 सबालेंका को हराया, पहली बार जीता ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब

एलेना रिबाकिना ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के फाइनल में विश्व नंबर 1 आर्यना सबालेंका को हराकर एक बड़ा उलटफेर किया और अपना पहला खिताब जीता। इस रोमांचक तीन-सेट की जीत के साथ, रिबाकिना ने 2023 के फाइनल में सबालेंका से मिली हार का बदला भी पूरा कर लिया।

एजेंसी ▶▶| मेलबर्न

साल 2026 के पहले ग्रैंडस्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन के खिताब पर वर्ल्ड नंबर चार एलिना रिबाकिना ने कब्जा जमाया। वर्ल्ड नंबर 1 एरिना सबालेंका साल 2023 और साल 2024 में ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतने के बाद इस बार हैट्रिक लगाने उतरीं थी। लेकिन उनके सपने को रिबाकिना ने तोड़ा और महिला सिंगल्स के फाइनल मुकाबले में 6-4, 4-6, और 6-4 से हराया।

इसके साथ ही कजाखस्तान से आने वाली रिबकिना ने अपने करियर का दूसरा और पहली बार ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीता। इससे पहले रिबकिना ने साल 2022 मे विंबलडन का खिताब जीता था।

पहली ही सर्विस नहीं बचा सकीं सबालेंका

ऑस्ट्रेलियन ओपन महिला सिंगल्स के फाइनल में पहली सर्विस सबालेंका ने की लेकिन रिबकिना ने पहली बार में ही सबालेंका की सर्विस को ब्रेक कर दिया। बाद में फिर अपनी सर्विस पर पकड़ बनाए रखी और रिबकिना ने पहले सेट को 6-4 से अपने नाम किया। पहले सेट में सबालेंका ने चार एस लगाए लेकिन फिर भी दो एस शॉट लगाने वाली रिबाकिना ने जीत दर्ज की।

सबालेंका ने की वापसी

दूसरे सेट में सबालेंका ने पहले अपनी सर्विस पर गेम जीता। इसके बाद दूसरे गेम में रिबकिना ने तीन ब्रेक पॉइंट बचाए और अपनी सर्विस ब्रेक नहीं होने दी। जबकि बाद में रिबकिना अपनी सर्विस नहीं कमा सकीं तो उनको दूसरे सेट में 4-6 से हार का सामान करना पड़ा।

तीसरा सेट जीत रचा इतिहास

तीसरे सेट में रिबकिना दूसरे गेम में अपनी सर्विस गंवा बैठी लेकिन बाद में फिर उन्होंने शानदार विनर्स लगाते हुए सबालेंका को बैकफुट पर धकेला, जिससे वो दो बार अपनी सर्विस गंवा बैठीं और बाद में फिर रिबाकिना ने उनको वापसी करने का मौका नहीं दिया। इससे तीसरे सेट को रिबकिना ने 6-4 से अपने नाम करने के साथ ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीता और वह कजाखस्तान के लिए इस टूर्नामेंट को जीतने वाली पहली महिला टेनिस खिलाड़ी बनीं। जबकि सबालेंका लगातार तीसरी बार इस खिताब को अपने नाम नहीं कर सकीं।

इतिहास रचने उतरेंगे जोकोविच-अल्कारेज

थकान और खुशी के पल में नोवाक जोकोविच ने भीड़ में मार्गरेट कोर्ट को पहचान लिया और उन्हें इतनी देर तक जागकर उन्हें अब तक के सबसे सफल टेनिस खिलाड़ी बनने से सिर्फ एक जीत दूर पहुंचते हुए देखने के लिए धन्यवाद दिया। रोड लेवर एरिना में 83 साल की कोर्ट दो बार के गत ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन यानिक सिनर पर जोकोविच की पांच सेट की जीत के दौरान वीआईपी दर्शकों के बीच मौजूद थीं। यह मुकाबला शनिवार सुबह डेढ़ बजे खत्म हुआ। ये दोनों 24 ग्रैंड स्लैम एकल खिताब का सर्वकालिक रिकॉर्ड साझा करते हैं लेकिन रविवार को यह बदल सकता है। सिनर पर जोकोविच की कड़ी जीत ने शीर्ष रैंकिंग वाले अल्कारेज के खिलाफ खिताबी मुकाबला तय किया।

सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बनने की राह पर अल्कारेज

स्पेन का 22 साल का यह खिलाड़ी करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाला सबसे कम उम्र का खिलाड़ी बनने की राह पर है। अल्कारेज और सिनर मिलकर अब तक जोकोविच को 25वां ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने से रोकने में सफल रहे हैं। दोनों ने पिछले आठ ग्रैंडस्लैम खिताब बराबर संख्या में जीते हैं। सेमीफाइनल में जीत के बाद जोकोविच ने कोर्ट को धन्यवाद दिया कि वह सिनर के खिलाफ लगातार पांच हार का सिलसिला खत्म करने और ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में लगातार चार सेमीफाइनल हार का सिलसिला तोड़ने के दौरान उनके साथ थीं। जोकोविच ने कहा, 'कुछ दिग्गज सुबह दो बजे तक जागते रहे!' उन्होंने कहा, 'यहां आने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।'

जोकोविच के पास लगभग हर रिकॉर्ड

जोकोविच के पास लगभग हर रिकॉर्ड है। उन्होंने रोजर फेडरर और रफेल नडाल के बनाए रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया है। उनके पास सेरेना विलियम्स से एक अधिक खिताब है। सेरेना के नाम महिलाओं के ओपन युग के रिकॉर्ड 23 एकल खिताब हैं। जोकोविच ने यह बात नहीं छिपाई है कि वह सिर्फ 25वें खिताब के लिए ऑस्ट्रेलिया में हैं। 'सिनकारेज' (सिनर और अल्कारेज को मिलाकर) प्रतिद्वंद्विता के एक हिस्से को तोड़ने के बाद जोकोविच को मेलबर्न पार्क में अपने करियर के 11वें फाइनल में एक और खिताब जीतने का मौका मिलेगा। उन्होंने अब तक सभी 10 फाइनल जीते हैं।

खबर संक्षेप

मुझे सीखने की जरूरतः ब्रूक

पल्लेकल। इंग्लैंड के सीमित ओवरों के कप्तान हैरी ब्रूक ने कहा कि उन्हें अपने मैदान के बाहर के व्यवहार के बारे में 'अभी और सीखना है' क्योंकि उन्होंने पिछले अक्टूबर में वेलिंगटन में एक नाइट क्लब में अपने साथ हुए झगड़े की सच्चाई को अपनी टीम के साथियों को बचाने के लिए छिपाया था। इससे पहले उन्होंने कहा था कि जिस रात उन्हें बाउंसर ने मुक्का मारा उस रात वह अकेले थे। असल में जब यह घटना हुई तब ब्रूक जैकब बेथेल और जोश टंग के साथ रात्रि में घूमने निकले थे लेकिन कप्तान ने अपनी टीम के साथियों को बचाने के लिए सारा दोष अपने ऊपर ले लिया।

शर्मा संयुक्त चौथे स्थान पर, युवराज कट से चूके

बहरीन। दो अंडर 70 के स्कोर के साथ बाप्को एनर्जीस बहरीन चैंपियनशिप में दो दौर के बाद संयुक्त चौथे स्थान पर हैं। पिछले सप्ताह हीरो दुबई डेजर्ट क्लासिक में कट से चूके शर्मा ने कुल आठ अंडर 36 स्कोर किया। युवराज संधू दो अंडर का ही स्कोर कर सके और कट में प्रवेश से चूक गए। कैलम हिल ने दूसरे दौर में 61 स्कोर करके चार शॉट की बढत बना ली है।

स्क्वाश ऑन फायर के सेमीफाइनल में अनाहत

वाशिंगटन। अनाहत सिंह ने 0-2 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए वाशिंगटन में स्क्वाश ऑन फायर ओपन के महिला एकल क्वार्टर फाइनल में मिस्र की दूसरी वरीय सना इब्राहिम को हराया। भारत की दुनिया की 31वें नंबर की खिलाड़ी और सातवीं वरीय अनाहत ने तीसरे और चौथे गेम में 5-6 से पिछड़ने के बाद मुकाबले में वापसी की और पीएसए कांस्य स्तर प्रतियोगिता में मिस्र की दुनिया की 17वें नंबर की खिलाड़ी को 8-11, 8-11, 11-7, 11-8, 11-7 से हराया। अनाहत का सेमीफाइनल में मुकाबला अमेरिका की सबरीना सोभी से होगा।

अंडर-19 विश्व कप

चिर प्रतिद्वंद्वी के बीच रोमांचक मुकाबला आज दोपहर 1 बजे से

पाकिस्तान से हिसाब बराबर करने उतरेगा भारत, तेंदुलकर ने की हौसला अफजाई

एजेंसी ▶▶| बुलावायो

पांच बार का चैंपियन भारत रविवार को आईसीसी पुरुष अंडर-19 विश्व कप के सुपर सिक्स मैच में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से एशिया कप फाइनल में मिली शर्मनाक हार का बदला लेने की कोशिश करेगा। भारत पिछले साल 21 दिसंबर को दुबई में हुए अंडर-19 एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान से 191 रन से हार गया था जबकि 14 दिसंबर को उसने इसी टूर्नामेंट का ग्रुप मैच इस चिर प्रतिद्वंद्वी टीम के खिलाफ 90 रन से जीता था। रविवार को आयुष म्हात्रे की कप्तानी वाली भारतीय टीम उस हार का बदला लेने के लिए बेताब होगी। किसी भी मैच से पहले सचिन तेंदुलकर से वर्चुअल हौसलाअफजाई मिलना सपनों के सच होने जैसा होता है और भारतीय खिलाड़ियों को इस महान खिलाड़ी से कुछ कीमती सलाह मिली।

विश्व कप में भारत का शानदार प्रदर्शन

अंडर-19 विश्व कप में अब तक भारत ने शानदार प्रदर्शन किया है। टीम ने अमेरिका पर छह विकेट की जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की और फिर ग्रुप चरण में बांग्लादेश और न्यूजीलैंड को हराया। भारत ने अपने पहले सुपर सिक्स मैच में 27 जनवरी को मेजबान जिम्बाब्वे को 204 रन से हराकर जीत का सिलसिला जारी रखा। पाकिस्तान के रूप में भारत का अगला मैच एक मजबूत विरोधी के खिलाफ होगा और एशिया कप फाइनल में बड़ी हार म्हात्रे की अगुआई वाली टीम को परेशान कर सकती है। विकेटकीपर बल्लेबाज अभिज्ञान कुंडू (चार मैच में 183 रन) और वैभव सूर्यवंशी (चार मैच में 166 रन) लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। दोनों ने दो-दो अर्धशतक लगाए हैं लेकिन वे इन्हें तीन अंकों में बदलना चाहेंगे।

टीमें इस प्रकार

भारत : आरोन जॉर्ज, अभिज्ञान कुंडू, हरवंश पंगालिया, वैभव सूर्यवंशी, वेदांत त्रिवेदी, आयुष म्हात्रे (कप्तान), विहान मल्होत्रा, आरएस अंबरीश, कनिष्क चौहान, खिलन पटेल, दीपेश देवेंद्रन, हेनिल पटेल, मोहम्मद एनान, उद्धव मोहन और किशन सिंह।

पाकिस्तान : फरहान यूसुफ (कप्तान), उस्मान खान, अली हसन बलूच, हमजा जहूर, हुजैफा अहसान, मोहम्मद शायन, समीर मिन्हास, अहमद हुसैन, अब्दुल सुभान, अली रजा, दानियाल अली खान, मोहम्मद सैयाम, मोमिन कमर, नकाब शफीक, उमर जैब।

मर्टेन्स- झेंग और हैरिसन-स्कुप्स्की ने जीता युगल का खिताब

मेलबर्न। एलिस मर्टेन्स ने चीन की झेंग शुआई के साथ मिलकर ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीतकर महिला युगल में नंबर एक रैंकिंग पर वापसी की जबकि अमेरिका के क्रिश्चियन हैरिसन और ब्रिटेन के नील स्कुप्स्की ने पुरुष युगल खिताब जीता। चार साल बाद एक टीम के तौर पर वापसी करने वाली मर्टेन्स और झेंग पहले सेट में 0-3 और 1-4 से पीछे थीं लेकिन उन्होंने वापसी करते हुए कजाखस्तान की एना डैनिलिना और सर्बिया की एलेक्जेंड्रा क्रूनिक को 7-6, 6-4 से हराया। पुरुष युगल के फाइनल में हैरिसन ने मैच प्वाइंट पर ऐस लगाकर स्कुप्स्की के साथ मिलकर ऑस्ट्रेलिया के जेसन कुबलर और मार्क पोलमैन्स की जोड़ी को 7-6, 6-4 से शिकस्त दी। कुबलर का अपने घरेलू ग्रैंडस्लैम फाइनल में उतरने से पहले जीत-हार का रिकॉर्ड 14-3 था।

टी20 विश्व कप

ऑस्ट्रेलिया को झटका, कमिंस बाहर, इ्वारशुइस को मौका

एजेंसी ▶▶| मेलबर्न

ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका लगा जब उसके मुख्य तेज गेंदबाज पैट कमिंस चोट के कारण आगामी टी20 विश्व कप से बाहर हो गए, जिससे राष्ट्रीय चयनकर्ताओं को उनकी जगह 15 सदस्यीय टीम में बेन ड्वारशुइस को चुनना पड़ा। बत्तीस साल के कमिंस पीठ की चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं और 7 फरवरी से भारत और श्रीलंका में शुरू होने वाले टूर्नामेंट में नहीं खेल पाएंगे। शीर्ष क्रम के बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट को भी शुरुआती 15 सदस्यीय टीम से बाहर कर दिया गया है। मैथ्यू रेनशॉ को शॉर्ट की जगह टीम में शामिल किया गया है।

हेजलवुड, डेविड और एलिस ने किया फिटनेस परीक्षण पास

जोश हेजलवुड, टिम डेविड और नाथन एलिस की तिकड़ी ने इस प्रतिष्ठित टी20 प्रतियोगिता के लिए फिटनेस परीक्षण पास कर लिया है। एशेज से पहले पैर में चोट के कारण हेजलवुड बाहर हो गए थे। डेविड भी पैर की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण बिग बैश लीग के अधिकतर मुकाबलों और पाकिस्तान के खिलाफ श्रृंखला से बाहर रहे जबकि एलिस भी पैर की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण बिग बैश लीग फाइनल और पाकिस्तान दौरे से बाहर रहे। ऑस्ट्रेलिया विश्व कप के पूल चरण के लिए श्रीलंका जाने से पहले लाहौर में पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैच की टी20 श्रृंखला खेल रहा है। टी20 विश्व कप सात फरवरी से आठ मार्च तक भारत और श्रीलंका के अलग-अलग स्थलों पर होगा।

पैट को लगेगा ठीक होने में समय

चयनकर्ता टोनी डोडेमेड ने कहा, 'पैट की पीठ की चोट को ठीक होने में और समय लगेगा इसलिए बेन एक तैयार वैकल्पिक खिलाड़ी है, जो बाएं हाथ से तेज गेंदबाजी करने के साथ-साथ शानदार क्षेत्ररक्षण और निचले क्रम में आक्रामक बल्लेबाजी भी करता है।' कमिंस को शुरू में ऑस्ट्रेलिया की अस्थाई टीम में चुना गया था। चयनकर्ता ने कहा, 'मैट (रेनशॉ) ने हाल ही में सभी प्रारुप में प्रभाव डाला है, जिसमें ऑस्ट्रेलिया, क्वींसलैंड बुल्स और ब्रिस्बेन हीट के लिए सीमित ओवरों के प्रारुप में कई भूमिकाएं शामिल हैं।'

निलंबन के बाद गारगा की नजरें नई शुरुआत पर

नई दिल्ली। करीब डेढ़ साल तक शटल के रैकेट के तारों से टकराने की आवाज भारतीय पुरुष युगल खिलाड़ी कृष्ण प्रसाद गारगा के लिए सुकून और तकलीफ दोनों देने वाली थी। सुकून इसलिए क्योंकि बचपन से उन्हें सिर्फ बैडमिंटन ही पसंद था। तकलीफ इसलिए क्योंकि उन्हें नहीं पता था कि वह फिर कभी भारत के लिए खेल पाएंगे या नहीं। थॉमस कप 2022 में ऐतिहासिक जीत दर्ज करने वाली भारतीय टीम के सदस्य रहे काकीनाडा के 25 साल के पुरुष युगल खिलाड़ी गारगा का उभरता हुआ करियर तब रुक गया जब फरवरी 2024 में प्रतियोगिता के इतर परीक्षण के दौरान 'ह्यूमन कोरियोनिक गोनाडोट्रोपिन' के लिए उनका परीक्षण पॉजिटिव आया और इसके बाद उन पर चार साल का प्रतिबंध लगा।

टी20 वर्ल्ड कप : यूएई ने किया टीम का ऐलान, अनुभव और युवा प्रतिभा का संतुलन

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए यूएई ने मुहम्मद वसीम की कप्तानी में अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है, जिसमें अनुभव और युवा प्रतिभा का रणनीतिक संतुलन है। कप्तान वसीम और ऑल-राउंडर पराशर जैसे प्रमुख खिलाड़ियों पर टीम के प्रदर्शन का दारोमदार होगा, जिनसे आक्रामक खेल की उम्मीद है।

जैसे-जैसे टी20 वर्ल्ड कप 2026 नज़दीक आ रहा है, पूरी क्रिकेट दुनिया की निगाहें इस बड़े टूर्नामेंट पर टिकी हैं। इसी कड़ी में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने आधिकारिक तौर पर अपनी टीम की घोषणा कर दी है, जिससे टूर्नामेंट को लेकर उत्साह और बढ़ गया है। कप्तान के रूप में मुहम्मद वसीम की अगुवाई में यूएई की टीम अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी छाप छोड़ने के लिए पूरी तरह तैयार दिख रही है। टीम चयन, प्रमुख खिलाड़ियों और उन रणनीतियों पर रोशनी डालता है जो यूएई को इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में सफलता दिला सकती हैं।

टी20 विश्व कप खेलेंगे मिलर, मिली मंजूरी

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के सीनियर बल्लेबाज डेविड मिलर को अगले सप्ताह शुरू हो रहा टी20 विश्व कप खेलने के लिए मेडिकल मंजूरी मिल गई। मिलर को एसए 20 के दौरान मांसपेशी में खिंचाव आ गया था। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने कहा कि वह रविवार को दक्षिण अफ्रीका टीम के साथ मुंबई रवाना होंगे। सीएसए ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा,'दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज डेविड मिलर को भारत और श्रीलंका में आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप खेलने के लिए मेडिकल मंजूरी मिल गई है।' इसमें कहा गया, 'एसए 20 में पार्ल रॉयल्स के लिए खेलते हुए।

टी20 इंटरनेशनल में हैट्रिक लेने वाले इंग्लैंड के दूसरे खिलाड़ी बने सैम

करन की जबरदस्त वापसी, हैट्रिक लेकर इंग्लैंड को दिलाई जीत

एजेंसी ▶▶| पल्लेकेले

सैम करन ने पल्लेकेले में पहले टी20 में श्रीलंका के खिलाफ इंग्लैंड को 11 रन से जीत (डकवर्थ लुईस स्ट्रेन) दिलाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने अपने पहले स्पेल में खूब रन लुटाने के बाद शानदार वापसी करते हुए हैट्रिक ली। इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी कर रहे करन को टी20 वर्ल्ड कप के लिए इंग्लैंड की टीम में भी शामिल किया गया है। वह टी20 इंटरनेशनल में हैट्रिक लेने वाले इंग्लैंड के सिर्फ दूसरे खिलाड़ी बने। उनसे पहले क्रिस जॉर्डन ने 2024 टी20 वर्ल्ड कप में अमेरिका के खिलाफ ऐसा किया था। बारिश के कारण देरी से शुरू हुए मैच को 17-17 ओवर का कर दिया गया था। करन ने अपने पहले स्पेल में पहला और सातवां ओवर फेंका। उन्होंने पहले ओवर में 16 रन दिए और फिर सातवें ओवर में कुसल मेंडिस ने 20 रन बनाए। करन 16वें में गेंदबाजी के लिए लौटे तब श्रीलंका का स्कोर 125/6 था। स्पिनर आदिल राशिद और लियाम डॉसन ने शानदार गेंदबाजी की। मेजबान टीम के अच्छा स्कोर बनाने की उम्मीदें दासुन शनाका और वानिंदु हसरंगा पर टिकी थीं।

करन ने ली हैट्रिक

करन ने ओवर की चौथी गेंद पर शनाका को मिडऑफ पर कैच आउट करवा दिया। इसके बाद अगली ही गेंद पर महेश तीक्ष्णा लॉन्ग ऑन पर कैच आउट हो गए। फिर करन ने मतीशा पथिराना को बोल्ड करके ओवर और हैट्रिक पूरी की। हसरंगा अगले ओवर की दूसरी गेंद पर जेमी ओवरटन का शिकार हो गए और श्रीलंका की टीम 16.2 ओवर में सिर्फ 133 रन बनाकर ऑल आउट हो गई।

पश्चिम मध्य रेल

निम्नलिखित कार्य के ई-निविदा भारत संघ के राष्ट्रपति के पक्ष में वरिष्ठ मंडल अभियंता (समन्वय) मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) पश्चिम मध्य रेलवे जबलपुर के द्वारा आमंत्रित की जाती है:- **निविदा सूचना क्रमांकः** डी.आर.एम.डब्ल्यू-जे.बी.पी.-17-2026, दिनांक 28.01.2026, **कार्य का नाम लोकेशन सहितः** मंडल अभियंता (मुख्यालय), जबलपुर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत तीन विविध कार्य- **भाग-1:** सहायक मंडल अभियंता/मुख्यालय/जबलपुर उप-मंडल के अंतर्गत जबलपुर स्थित RRI भवन में लिफ्ट की व्यवस्था। **भाग-2:** सहायक मंडल अभियंता (मुख्यालय)/जबलपुर:रेल सौरभ कॉलोनी, जबलपुर में RB-IV क्वार्टरों का सुधार कार्य। **भाग-3:** मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, जबलपुर में दो वाणिज्यिक हॉलों का नवीनीकरण, **कार्य का अनुमानित मूल्य रुपयेः** ₹ 1,45,38,281/-, **बयाना राशि रुपयेः** ₹ 2,22,700/-, **समापन अवधिः** 12 माह, **निविदा भरने की अंतिम तिथि एवं समय 15:00 बजेः** 20.02.2026, **निविदा खुलने की तिथि एवं समय 15:15 बजेः** 20.02.2026, **नोटः** उपरोक्त ई-निविदा संपूर्ण जानकारी वेबसाइट **"https://ireps.gov.in"** उपलब्ध है एवं इसकी पूरी जानकारी मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) कार्यालय पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर रखी गई है। ई-निविदा के अलावा उपरोक्त कार्य के लिए कोई भी निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी। (हस्ता.)

मंडल रेल प्रबंधक (कार्य), पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

हाईकोर्ट का आय से अधिक संपत्ति मामले में महत्वपूर्ण आदेश , अभियोजन स्वीकृति के आदेश व आगे की कार्यवाही को निरस्त

पत्नी की व्यक्तिगत आय को जांच एजेंसी पति की आय से नहीं जोड़ सकती

जबलपुर । मप्र हाईकोर्ट ने अपने एक महत्वपूर्ण आदेश में साफ किया कि आय से अधिक मामले में जांच एजेंसी पत्नी की व्यक्तिगत आय को सरकारी विभाग में पदस्थ पति की आय में जोड़कर असेसमेंट नहीं कर सकती है। जस्टिस विवेक कुमार सिंह व जस्टिस अजय कुमार निरंकारी की डिवीजन बेंच ने इस आदेश के साथ अभियोजन स्वीकृति के आदेश व आगे की कार्यवाही को निरस्त कर दिया है।

याचिकाकर्ता रीवा निवासी अधिवक्ता मीनाक्षी खरे व उनके पति आलोक खरे की ओर से दायर याचिका में आय से अधिक संपत्ति का गलत असेसमेंट करने व उनके विरुद्ध अभियोजन की स्वीकृति को चुनौती दी गई थी। याचिकाकर्ता आलोक खरे वर्तमान में आबकारी

विभाग में डिप्टी कमिश्नर में पद पर रीवा में पदस्थ है। याचिकाकर्ता मीनाक्षी पेशे से अधिवक्ता हैं और शादी के पहले से आयकर रिटर्न फाइल कर रही हैं। वर्ष 2018 में लोकायुक्त ने आलोक खरे के घर तथा कार्यालय में दबिश दी थी। लोकायुक्त ने जांच में चार सितम्बर, 1998 से 15 अक्टूबर, 2019 तक याचिकाकर्ता की संपत्ति और खर्च से जुड़ा डेटा एकत्र किया था। लोकायुक्त के अनुसार याचिकाकर्ताओं के पास वैध आय स्त्रोत से लगभग 88.20 प्रतिशत अधिक संपत्ति मिली थी। लोकायुक्त ने उनके विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर लिया था और सरकार की ओर से अभियोजन की स्वीकृति प्रदान कर दी गई।याचिका में कहा गया था कि लोकायुक्त के अनुसार याचिकाकर्ताओं के पास से 10 करोड़ 71 लाख रुपये की संपत्ति मिली थी। जबकि उनकी वैध आय पांच करोड़ 69 लाख रुपये थी। याचिकाकर्ता की ओर से तर्क दिया गया कि अधिवक्ता होने के कारण मीनाक्षी की अच्छी-खासी आय थी और वह अपने परिवार की आर्थिक मदद करती थी। उन्होने अपनी आय से खेती की जमीन खरीदी और उससे इस अवधि के दौरान चार करोड़ 81 लाख रुपये की आय हुई थी। दोनों याचिकाकर्ताओं की वैध आय को जोड़कर देखा जाए तो 10 करोड़ 50 लाख रुपये है। जो लोकायुक्त द्वारा किए गए असेसमेंट से 21 लाख रुपये अधिक है। जो लगभग आय के वैध स्त्रोत से दो प्रतिशत अधिक है। आय के वैध स्त्रोत से 10 प्रतिशत से अधिक संपत्ति पाए जाने पर अभियोजन की अनुमत्ति प्रदान नहीं की जा सकती है।

हाई कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि याचिकाकर्ता महिला अधिवक्ता ने इनकम टैक्स रिटर्न के साथ-साथ खेती से हुई इनकम को ध्यान में रखा जाए, तो मंजूरी देने वाली अथारिटी को मंजूरी नहीं देनी चाहिए थी। प्रकरण को प्रारंभ में ही खत्म कर देना चाहिए था। इनकम के जाने-पहचाने सोर्स का आशय ऐसी इनकम से है जो मध्य प्रदेश सिविल सर्विस रूल्स, 1965 के रूल 19 के अनुसार सही तरीके से बनाई गई हो। कानूनी टैक्स फाइलिंग से साबित हुई इनकम कानून की नजर में जानी-पहचानी और वैध इनकम है। युगलपीठ ने अभियोजन स्वीकृति के विवादित मंजूरी आर्डर व आगे की कार्रवाई को निरस्त कर दिया।

रादुविवि में अराजकता का माहौल

अघोषित अवकाश के माहौल में शैक्षणिक गतिविधियां

जबलपुर। रानीदुर्गावती विश्वविद्यालय और रादुविवि में अनुशासन तार तार हो रहा है. कुलगुरु की सख्ती भी काम नहीं आ रही है. विश्वविद्यालय में अराजकता का माहौल कोई सुधार नजर नहीं आ रहा है. शनिवार को फिर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक विभागों में स्थिति जस की तस रही। आलम यह रहा कि अधिकांश विभागों में 'अघोषित अवकाश' जैसी स्थिति बनी रही और शिक्षण कार्य पूरी तरह ठप रहा। गौरतलब है की उच्च शिक्षा विभाग के स्पष्ट निर्देश हैं कि प्रशासनिक कार्य भले ही 5 दिवसीय हों, लेकिन शैक्षणिक गतिविधियां शनिवार को भी अनिवार्य रूप से संचालित होनी चाहिए, मगर विश्वविद्यालय में इन नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।

शनिवार सुबह विश्वविद्यालय के अधिकांश विभाग सूने पड़े रहे. हालांकी इस मामले में कुलगुरु प्रो. राजेश वर्मा ने स्पष्ट किया है कि शनिवार को कक्षाएं न लगाना उच्च शिक्षा विभाग की मंशा के विरुद्ध है और इसे किसी

भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि जिन शैक्षणिक भवनों और विभागों में ताले लटके पाए गए हैं, उनसे विधिवत जानकारी मांगी जाएगी और नियमों का उल्लंघन करने वाले जिम्मेदारों पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

सीसीटीवी कैमरे ने खोला राज, दोनों गिरफ्तार

किश्तों में चोरी कर सुनार को बेचती थी नौकरानी

जबलपुर।

संजीवनी नगर पुलिस न एक शातिर नौकरानी को और उससे चोरी के जेवर खरीदने वाले सुनार को गिरफ्तार कर 12 लाख 70 हजार कीमत के सोने चांदी के आभूषण बरामद किये हैं. पुलिस की मानें तो नौकरानी किश्तों में चोरी करती थी और सुनार के यहां चोरी के यहां चोरी के आभूषण बेचती थी.

पुलिस के मुताबिक नवनिवेश कालोनी निवासी मयंक सिंह ठाकुर के घर में लगातार चोरी हो रही थी. उसके बाद उसने सीसीटीवी कैमरे लगवाए, जिसमें नरसिंहपुर निवासी उसके घर की नौकरानी मनीषा कहार आलमारी और सूटकेस में छेड़छाड़ करते कैद

हो गई। इसके बाद पुलिस ने मनीषा को हिरासत में लिया पूछताछ में इस बात का खुलासा हुआ की मनीषा, अलमारी की चाबियों पर नजर रखती थी और साल 2025 में रक्षाबंधन के समय से ही धीरे-धीरे जेवर और नकदी चोरी कर रही थी। उसने बताया कि वह चोरी के जेवर एकता मार्केट (गौर) स्थित विपिन ज्वेलर्स के संचालक विपिन उर्फ अभिषेक सोनी को बेचती थी।

पुलिस ने इसके बाद सुनार विपिन उर्फ अभिषेक सोनी को भी हिरासत में ले लिया. पुलिस ने आरोपियों के पास से सोने के 2 हार, 2 पंचाली, 2 मंगलसूत्र, चेन, अंगूठी, बाली आदि (कुल वजन करीब 70 ग्राम) व चांदी की 3 जोड़ी पायल बरामद की है. पुलिस ने धारा 306, 317(2) के तहत अपराध क्रमांक 29/26 दर्ज किया है।

आरोपी मनीषा को जेल भेज दिया गया है, जबकि सुनार विपिन सोनी को पुलिस रिमांड पर लेकर अन्य चोरी गए सामानों की पूछताछ की जा रही है।

भतीजों ने किया मौसी के घर को पेट्रोल डालकर फूंकने का प्रयास

जबलपुर। गढा थानांतर्गत मुजावर मोहल्ले में दरमियानी रात दो युवकों ने आपसी विवाद के चलते अपनी ही मौसी के घर में पेट्रोल डालकर आग लगाने का प्रयास किया। ऐन वक्त पर इन युवकों की बहू ने यह घटनाक्रम देख लिया जिससे मकान फुंकने से बच गया। बहरहाल पीडिता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में लिया है। इस संबंध में प्राप्त जानकारी कें अनुसार गढा थानांतर्गत मुजावर मोहल्ले में माया राज अपने परिवार के साथ निवास करती है। बीती रात जब परिवार के सदस्य सो गए तब इसी दौरान पुराने विवाद को लेकर उसके ही भतीजे अमन और योगेन्द्र एक बोतल में लेकर अपनी मौसी माया के घर पर पहुंचे तथा बाहर से घर में पेट्रोल छिउकने लगे। इस बीच आहट पाकर माया राज की बहू जागी और घर के आंगन में पहुंची तो वहां अमन व योगेन्द्र को घर पर पेट्रोल डालते देख उसने आवाज लगाई। उसकी आवाज पर जब तक परिवार के अन्य सदस्य बाहर आते तब तक आरोपी मौके से फरार हों गए। बाद में मामले की शिकायत थाने में की गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में लिया है।

नाम बदलकर अवैध गेस्ट हाउस फिर शुरू

आक्रोश: दीनदयाल वार्ड के बाशिंदों ने मोर्चा खोला

जबलपुर।

कटंगी रोड स्थित दीनदयाल वार्ड क्रमांक 30 की रॉयल स्टेट कॉलोनी में नियमों को ताक पर रखकर एक बार फिर अवैध व्यावसायिक गतिविधियां शुरू होने का मामला सामने आया है। आवासीय क्षेत्र में संचालित किए जा रहे अवैध गेस्ट हाउस के खिलाफ कॉलोनी के रहवासियों ने मोर्चा खोलते हुए जिला कलेक्टर से तत्काल और सख्त कार्रवाई की मांग की है।

कॉलोनीवासियों के अनुसार प्लॉट क्रमांक 81, 82, 83, 84, 38, 39 एवं 356 पर पूर्व में 'रॉयल होटल' के नाम से अवैध रूप से होटल का संचालन किया जा रहा था। वर्ष 2024-25 में स्थानीय नागरिकों के व्यापक विरोध, जन आंदोलन और धरना-प्रदर्शन के बाद नगर निगम ने मामले की जांच कर उक्त अवैध होटल को बंद कराया था। उस कार्रवाई के बाद कुछ समय तक क्षेत्र में शांति बनी रही, लेकिन अब हालात फिर बिगड़ते नजर आ रहे हैं। रहवासियों का आरोप है कि नगर निगम आयुक्त के स्थानांतरण के बाद भू-माफिया और अवैध कारोबारी फिर सक्रिय हो गए हैं। पहले बंद कराए गए

उसी परिसर में नाम बदलकर अब 'अतिथि गेस्ट हाउस' के नाम से नियमों का उल्लंघन कर फिर से व्यावसायिक गतिविधियां शुरू कर दी गई हैं।

आवासीय क्षेत्र की सुरक्षा पर खतरा

स्थानीय लोगों का कहना है कि जिन मकानों को केवल आवासीय उपयोग की अनुमति है, उनमें गेस्ट हाउस का संचालन होने से क्षेत्र की शांति भंग हो रही है। बाहरी लोगों की आवाजाही बढ़ने से महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को लेकर भी गंभीर चिंताएं उत्पन्न हो गई हैं। देर रात तक होने वाली गतिविधियों से कॉलोनी का माहौल प्रभावित हो रहा है।

हाईकोर्ट जाने की चेतावनी

कॉलोनीवासियों ने जिला प्रशासन और नगर निगम को स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि इस अवैध गेस्ट हाउस को जल्द ही स्थायी रूप से बंद नहीं कराया गया और जिम्मेदारों पर कार्रवाई नहीं की गई, तो वे न्याय के लिए माननीय उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने को विवश होंगे।

फरवरी में होगा पुलिस आरक्षक भर्ती का फिजिकल टेस्ट

जबलपुर। मप्र पुलिस आरक्षक (जीडी एवं रेडियो संवर्ग) भर्ती की लिखित परीक्षा 2025 में पास होने वाले करीब 53 हजार से अधिक अभ्यार्थियों के दस्तावेज वेरिफिकेशन और शारीरिक दक्षता की परीक्षा होना है। इसमें जो सफल होंगे, उनसे कुल रिक्त 7500 पदों पर भर्ती की जाएगी। प्रदेश के 10 सेंटरों जबलपुर, ग्वालियर, भोपाल, इंदौर, उज्जैन, रीवा, सागर, मुरैना, बालाघाट और जावरा पर शारीरिक दक्षता परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी। आरक्षक भर्ती 2025 के अंतर्गत पहले चरण की ऑनलाइन परीक्षा 31 नवंबर 2025 से 15 दिसंबर 2025 के बीच हो चुकी है। इसका परिणाम मप्र कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) ने जारी भी कर दिया है। दूसरे चरण में शारीरिक दक्षता परीक्षा और दस्तावेज सत्यापन होगा। अनुमान है कि करीब 53 हजार उम्मीदवारों को दूसरे चरण के लिए बुलाया जाएगा। फिजिकल टेस्ट के दौरान हर परीक्षा केंद्र पर पहले दो दिन रोजाना 200-200 उम्मीदवार, जबकि तीसरे दिन से रोजाना 400 उम्मीदवारों की परीक्षा ली जाएगी। पूरी प्रक्रिया करीब 15 दिनों में पूरी होगी। पुलिस मुख्यालय अब सफल उम्मीदवारों के लिए फरवरी में फिजिकल टेस्ट आयोजित करने की तैयारी है। मप्र पुलिस आरक्षक भर्ती वर्ष 2025 के दूसरे चरण की शारीरिक दक्षता परीक्षा को लेकर पुलिस मुख्यालय ने बजट आवंटन की मांग कर दी है। इस संबंध में पुलिस मुख्यालय की चयन एवं भर्ती शाखा ने एडीजी योजना को पत्र भी भेजा है।

10 सेंटरों पर होंगी 53 हजार से अधिक युवाओं की शारीरिक दक्षता परीक्षाएं

नाराजगी: आक्रोशित लोगों ने किया पार्षद के घर का घेराव

बिना नोटिस 50 घरों की बिजली काटने से हड़कंप

जबलपुर।

सुहागी क्षेत्र अंतर्गत पन्नी मोहल्ला में सोमवार को बिजली विभाग की अचानक की गई कार्रवाई से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। मध्यप्रदेश विद्युत वितरण कंपनी (एमपीईबी) की टीम ने बिना किसी पूर्व सूचना या नोटिस के करीब 50 घरों के बिजली कनेक्शन काट दिए। अचानक बिजली गुल होने से क्षेत्रवासियों की दिनचर्या पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गई और लोगों में भारी नाराजगी देखने को मिली।स्थानीय निवासियों का कहना है कि वे लंबे समय से बिजली से जुड़ी समस्याओं को लेकर शिकायतें करते आ रहे हैं, लेकिन न तो बिजली विभाग ने समय पर समाधान किया और न ही क्षेत्रीय पार्षद ने कोई ठोस पहल की। लोगों का आरोप है कि बिना नोटिस कनेक्शन काटना विभाग की मनमानी को दर्शाता है, जिससे आम नागरिकों को

बेवजह परेशानी झेलनी पड़ रही है।

पार्षद के घर पहुंचा आक्रोश

लगातार अनदेखी से नाराज मोहल्लेवासी एकजुट होकर क्षेत्रीय पार्षद लक्ष्मी गोटिया के निवास पर पहुंच गए और वहां घेराव कर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने बिजली विभाग की कार्रवाई के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और तत्काल बिजली आपूर्ति बहाल करने की मांग की। महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को हो रही परेशानियों का हवाला देते हुए लोगों ने कहा कि बिना बिजली के पानी, पढ़ाई और घरेलू कामकाज सब ठप हो गया है।

प्रशासन ने संभाला मोर्चा

पार्षद के निवास पर बढ़ते तनाव को देखते हुए प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि मामले की जांच कर समाधान निकाला जाएगा, लेकिन इससे आक्रोशित लोगों का गुस्सा पूरी तरह शांत नहीं हुआ।

आंदोलन तेज करने की चेतावनी

मोहल्लेवासियों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि जल्द से जल्द बिजली आपूर्ति बहाल नहीं की गई और लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई, तो वे अपना विरोध प्रदर्शन और तेज करेंगे। लोगों ने कहा कि जरूरत पड़ी तो वे बड़े स्तर पर आंदोलन करने और उच्च अधिकारियों से शिकायत करने से भी पीछे नहीं हटेंगे।

चौथी मंजिल से गिरकर मेडिकल स्टूडेंट की मौत

आत्महत्या या हादसा, जांच जारी

जबलपुर। शनिवार की सुबह जबलपुर के धनवंतरी नगर पुलिस चौकी क्षेत्र स्थित यश हाइट अपार्टमेंट की चौथी मंजिल से गिरकर मेडिकल स्टूडेंट की मौत हो गई। बताया जाता है कि मृतक नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज में चौथे सेमेस्टर में पढ़ाई कर रहा था और पिछले 6 माह से यहां किराए से रह रहा था। घटना अलसुबह की बतायी जाती है। घटना की जानकारी लगते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा कार्यवाही कर शव को पोस्टमार्टम के मेडिकल अस्पताल भिजवाते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है। मेडिकल स्टूडेंट ने आत्महत्या की हैइ अथवा वह किसी दुर्घटना का

शिकार हुआ है यह पीएम रिपोर्ट व मर्ग जांच के बाद ही पता चल सकेगा। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट भी बरामद नहीं हुआ है, जिससे मामले की गुत्थी और उलझ गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वे मृतक के मोबाइल कॉल रिकॉर्ड और परिजनों से पूछताछ कर रहे हैं ताकि यह पता लगाया जा सके कि वह पिछले कुछ दिनों से किसी मानसिक तनाव में तो नहीं था। धन्वंतरी नगर चौकी पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच भी कर रही है और दोस्तों से पूछताछ की जा रही है। वहीं परिजनों के शहर पहुंचने के बाद मेडिकल स्टूडेंट का अपार्टमेंट में स्थित आवास को खोला जाएगा।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक–डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240